ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील को क्यों रिहा ...@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 08 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-276

नरेंद्र मोदी ने सीएम से लेकर पीएम तक के 25 साल पूरे किए

25 वर्ष पूरे हुए, आगे और परिश्रम करूंगा : मोदी

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक की 25 सालाना यात्रा पूरी कर ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य में और भी अधिक कर्मठता से देश की सेवा करने की प्रतिज्ञा दो-हराई है। प्रधानमंत्री ने देश के लोगों के प्रति आभार जताते हुए कहा, मैं भारत की जनता को उनके निरंतर विश्वास और स्नेह के लिए धन्यवाद देता हूं। अपने प्रिय राष्ट्र की सेवा करना सर्वोच्च सम्मान है, एक ऐसा कर्तव्य जो मुझे कृतज्ञता और उद्देश्य से भर देता है। हमारे संविधान के मूल्यों को अपना निरंतर मार्गदर्शक मानते हुए, मैं आने वाले समय में विकसित भारत के हमारे सामूहिक स्वप्न को साकार करने के लिए और भी अधिक परिश्रम करूंगा।

प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने के 11 साल को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने इन वर्षों में कई बदलाव किए और देश को सशक्त बनाया। पिछले 11 वर्षों में भारत के लोगों ने मिलकर काम किया है और कई बदलाव हासिल किए हैं। हमारे अभूतपूर्व प्रयासों ने पूरे भारत के लोगों को, विशेषकर हमारी नारी शक्ति, युवा शक्ति और मेहनती अन्नदाताओं को सशक्त बनाया है। इन 11 वर्षों में देश की 25 करोड़ आबादी गरीबी की रेखा से ऊपर आई है। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में एक बन गया है। भारत उन देशों में शामिल है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हैं। हमारे किसान तरह-तरह के बदलाव लाकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारा राष्ट्र आत्मनिर्भर बने। पीएम मोदी ने कहा, हमने व्यापक सुधार किए हैं और सभी क्षेत्रों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की जनभावना है। यह जनभावना गर्व से कहो, यह स्वदेशी है के आह्वान में परिलक्षित होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन दिनों को याद किया जब 2013 में भाजपा नेतृत्व ने उन्हें 2014 लोकसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया। पीएम मोदी ने कहा, देश विश्वास और शासन के संकट से जूझ रहा था। तत्कालीन यूपीए सरकार भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और नीतिगत पंगुता के सबसे बुरे रूप का पर्याय बन चुकी थी। भारत को वैश्विक व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन, भारत की जनता की सूझबूझ ने हमारे गठबंधन को प्रचंड बहुमत दिलाया और यह भी सुनिश्चित किया कि हमारी पार्टी को तीन दशकों के बाद पहली बार पूर्ण बहुमत मिले।

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने से लेकर 2014 में प्रधानमंत्री बनने तक के सफर की आत्मसमीक्षा की। उन्होंने कहा कि संकटग्रस्त गुजरात आज कृषि क्षेत्र में अग्रणी बन गया। मैंने 2001 में आज ही के दिन पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। देशवासियों के निरंतर आशीर्वाद से मैं गुजरात राज्य से केंद्र तक सरकार के मुखिया के रूप में अपनी सेवा के 25वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं। मेरी पार्टी ने मुझे बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में गुजरात के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी थी। उसी साल राज्य एक भीषण भूकंप से जूझ रहा था। पिछले वर्षों में एक महाचक्रवात, लगातार सूखे और राजनीतिक अस्थिरता देखी गई थी। इन चुनौतियों ने लोगों की सेवा करने और नए जोश और आशा के साथ गुजरात के पुनर्निर्माण के संकल्प को और मजबूत किया।

पीएम मोदी ने कहा, जब मैंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो मुझे याद है कि मेरी मां ने मुझसे कहा था, मुझे तुम्हारे काम की ज्यादा समझ तो नहीं है, लेकिन मैं तुमसे बस दो वायदे चाहती हूं। पहला, तुम हमेशा गरीबों के लिए काम करोगे और दूसरा, तुम कभी रिश्वत नहीं लोगे। मैंने मां को दिया वादा निभाया और जीवनपर्यंत निभाऊंगा। मैंने लोगों से यह भी कहा था कि मैं जो भी करूंगा, वह नेक इरादे से करूंगा और कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति की सेवा करने के सिद्धांत से प्रेरित रहूंगा।

पीएम मोदी ने कहा, हमने मिलकर उल्लेखनीय प्रगति की है। कभी यह माना जाता था कि गुजरात अब कभी आगे नहीं बढ़ पाएगा। ▶10 पर

अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम को मिली मंजूरी

उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड खत्म

देहरादून, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रि) गुरमीत सिंह ने उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अब समाप्त हो जाएगा। अब राज्य के सभी मदरसों को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद (उत्तराखंड बोर्ड) से जुड़ना जरूरी होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे समानता और आधुनिकता की ओर एक ऐतिहासिक कदम बताया है। उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है जिसने मदरसा बोर्ड को खत्म कर दिया है।

उत्तराखंड में जो नया कानून (विधेयक) लागू हुआ है, उससे मदरसों के चलाने के तरीके में तीन बड़े बदलाव आ रहे हैं। पहले मदरसे एक अलग बोर्ड (उत्तराखंड मदरसा बोर्ड) के तहत काम करते थे। अब ऐसा नहीं होगा। अब राज्य में चल रहे हर मदरसे को सबसे पहले उत्त-राखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से सरकारी मान्यता लेनी होगी। इसके बाद, उन्हें उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद (उत्तराखंड बोर्ड) के साथ संबद्ध होना जरूरी होगा। यह वही बोर्ड है जिससे राज्य के बाकी सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल जुड़े हुए हैं। इसका मतलब है कि अब मदरसों को अपनी पहचान और काम-काज के लिए दोहरी सरकारी मंजूरी लेनी होगी, और वे सीधे राज्य की मुख्य शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बन जाएंगे।

मदरसा बोर्ड समाप्त करने वाला पहला राज्य बना उत्तराखंड

नया नियम मदरसों को बाकी स्कूलों की तरह ही बना देगा। इस कदम से अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान अब राज्य की मुख्यधारा की शिक्षा प्रणाली से जुड़ जाएंगे। यानी, उनका पाठ्यक्रम, पढ़ाई का तरीका और परीक्षाएं अब सामान्य स्कूलों की तरह ही होने लगेंगी, जैसा कि मुख्यमंत्री ने बताया है कि 2026 से राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और नई शिक्षा नीति लागू होगी। मदरसे के छात्रों को भी वही शैक्षिक लाभ और अवसर मिल पाएंगे जो राज्य के बाकी बच्चों को मिलते हैं। इसका मतलब है कि मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक और सामान्य शिक्षा भी उसी स्तर पर मिल सकेगी, जैसी अन्य स्कूलों में मिलती है।

नया नियम शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर और साफ-सुथरा बनाने में मदद करेगा। जब मदरसे मुख्य बोर्ड से जुड़ेंगे, तो उनके फंड (पैसे), शिक्षकों की भर्ती, और परीक्षा के तरीकों में पारदर्शिता आएगी। सब कुछ खुलकर और नियमों के हिसाब से होगा। अगर पढ़ाई के स्तर या नियमों के पालन में कोई कमी होती है, तो उनकी जवाबदेही तय करना आसान होगा। उन्हें बताना होगा कि वे नियमों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं। यह नया नियम यह सुनिश्चित करेगा कि मदरसों में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता अच्छी हो और सरकारी मदद का सही इस्तेमाल हो, ▶10 पर

24634 करोड़ की चार रेल परियोजनाएं मंजूर

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने मंगलवार को 24,634 करोड़ रुपए की चार प्रमुख रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। स्वीकृत रेल परियोजनाओं में मध्य भारत में क्षमता और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए प्रमुख मार्गों पर तीसरी और चौथी लाइनों का निर्माण शामिल है।

स्वीकृत रेल परियोजनाओं में महाराष्ट्र में 314 किलोमीटर लंबा वर्धा-भुसावल खंड, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में फैला 84 किलोमीटर लंबा गोंदिया-डोंगरगढ़ खंड, गुजरात और मध्य प्रदेश को कवर करने वाला 259 किलोमीटर लंबा वडोदरा-रतलाम कॉरिडोर और मध्य प्रदेश में 237 किलोमीटर लंबा इटारसी-भोपाल-बीना खंड शामिल हैं। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ राज्यों के 18 जिलों को कवर करने वाली चार परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 894 किलोमीटर का इजाफा होगा। स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 3,633 गांवों, जिनकी आबादी लगभग 85.84 लाख है, और दो आकांक्षी जिलों (विदिशा और राजनांदगांव) तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान के झूठ पर भारत ने फिर से रगड़ा

बांग्लादेश की याद दिलाई, शर्म करने को कहा

राजनाथ ने पाकिस्तान को लिजलिजा देश बताया

न्यूयॉर्क, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। आतंक का पालनहार पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वह लगातार अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर कश्मीर का राग अलापकर भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने की कोशिश करता है। ऐसी ही कोशिश एक बार फिर से उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बहस के दौरान की। जिस पर भारत के स्थायी प्रतिनिधि परवथनेनी हरीश ने इसे भ्रमपूर्ण बकवास करार दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हर साल कश्मीर पर झूठे आरोप लगाकर दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत महिलाओं, शांति और सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी अच्छी छवि बनाए रखे हुए है, जबकि पाकिस्तान को अपने घरेलू मामलों पर ध्यान देना चाहिए।

यूएनएससी में महिलाओं, शांति और सुरक्षा पर केंद्रित बहस के दौरान हरीश ने पाकिस्तान को सच का आईना दिखाया। उन्होंने कहा, हमें दुर्भाग्य से पाकिस्तान की भ्रमपूर्ण बकवास सुननी पड़ती है, जो कश्मीर पर केंद्रित होती है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि जो देश अपने ही लोगों पर बमबारी करता है और नरसंहार करता है, वह दुनिया को गुमराह करने की कोशिश करता है। हरीश ने साफ कहा कि पाकिस्तान का प्रचार लोगों की नजरों से छिपा नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के महिला सशक्तिकरण के रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला। पी हरीश ने 1971 के पाकिस्तानी सेना द्वारा पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में के गए ऑपरेशन सर्चलाइट का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि किस तरह पाकिस्तानी सेना ने बंगाली नागरिकों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया। अनुमान है कि इसमें करीब 30 लाख लोग मारे गए और 40,000 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। भारत ने हस्तक्षेप किया, जिससे पाकिस्तान हार गया और बांग्लादेश का जन्म हुआ। हरिश ने इसे व्यवस्थित नरसंहार बताया, जो पाकिस्तानी सेना द्वारा मंजूर किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ऐसे इतिहास पर शर्मिंदगी महसूस होनी चाहिए। हरीश का अपने ही लोगों पर बमबारी वाला बयान हाल की एक घटना से जुड़ा है। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग से कहा

वोटर लिस्ट से हटाए गए लोगों का ब्यौरा दें

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय निर्वाचन आयोग ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है, लेकिन एसआईआर को लेकर अभी भी विवाद जारी है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मतदाता लिस्ट से हटाए गए नामों की जानकारी साझा करने के निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं की जानकारी अदालत को दे। चुनाव आयोग ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि अधिकतर नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं और जिनके नाम हटाए गए हैं, उनमें से अब तक किसी ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग को गुरुवार यानी नौ अक्टूबर तक उपलब्ध जानकारी कोर्ट को सौंप दे। उसी दिन इस मामले में अगली सुनवाई होगी। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि मसौदा सूची और 30 सितंबर को प्रकाशित की गई अंतिम सूची सबके पास है, इसलिए दोनों सूचियों की तुलना करके जरूरी जानकारी दी जा सकती है। न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी से कहा कि कोर्ट के आदेशों से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनसामान्य की पहुंच बढ़ी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, इसलिए किसके नाम जोड़े गए हैं (पुराने हटाए गए नाम हैं या नए मतदाता हैं) यह स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम न हो। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, आप भी मानेंगे कि पारदर्शिता और पहुंच में सुधार हुआ है। ऐसा लग रहा है कि आपने मसौदा सूची में 65 लाख नाम हटाए। हमने कहा था कि जो मृतक हैं या कहीं और चले गए हैं, उन्हें हटाना ठीक है। लेकिन अगर किसी का नाम हटा रहे हैं तो नियम 21 और एसओपी का पालन करें। उन्होंने कहा, हमने यह भी कहा था कि हटाए गए नामों की जानकारी अपने दफ्तरों में लगाएं। ▶10 पर

नया नारा उछला : एनडीए के दो भाई नरेंद्र और नीतीश भाई

फिर सीएम होंगे नीतीशे कुमार...

पटना, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। विपक्ष के तमाम कयासों और आरोपों को खारिज करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि 2025 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। इसको साबित करने लिए भाजपा ने एक नया नारा दिया है, एनडीए को दो भाई नरेंद्र और नीतीश भाई। इस नारे की बिहार में खूब चर्चा हो रही है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सीएम नीतीश कुमार को बड़ा भाई बनाकर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ी थी। जनता दल यूनाईटेड को 43 सीट आने पर भी भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही बनाया था। इस बार चुनाव से पहले विपक्ष लगातार यह कह रहा था कि चुनाव के बाद भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। लेकिन, भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही इस बार भी चुनाव लड़ेगा। इस बात को भाजपा ने नया नारा देकर पुख्ता कर दिया है। भाजपा ने यह भी

बिहार विधानसभा चुनाव : सर्वे में एनडीए को बढ़त

नारा दिया, बिहार में जारी रहेगी विकास की तेज रफ्तार, 14 नवंबर को फिर एक बार एनडीए सरकार। इसके अलावा भाजपा ने लिखा कि जनता का विश्वास, फिर से एनडीए सरकार! बस 38 दिन का है इंतजार, थमेगी नहीं विकास की रफ्तार। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा का मैं स्वागत करता हूं। चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव है। यह देश और प्रदेश को विकास और सुशासन के पथ पर अग्रसर रखने का प्रमुख माध्यम है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में एनडीए सरकार जनकल्याण और सुशासन का पर्याय बनी है। बिहार का यह चुनाव प्रदेश को विकास के रास्ते पर अनवरत ले जाने, घुसपैठिया मुक्त करने और जंगलराज को फिर से आने से रोकने का चुनाव है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि लोकतंत्र की जननी बिहार की पुण्यधरा की जनता इन विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी एवं एनडीए को अपना आशीर्वाद और प्रचंड मतों से समर्थन प्रदान करेगी। ▶10 पर

उत्तराखंड में फार्मा कंपनियों पर सख्ती

तीन साल में 208 करोड़ का ड्रग्स बरामद

एमडीएमए की तस्करी पर निगरानी, 4440 गिरफ्तार

देहरादून, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कफ सीरप से हुई बच्चों की मौत के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी दवा निर्माताओं पर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। शासन ने पुलिस और ड्रग कंट्रोलर विभाग को आपसी तालमेल के जरिए ऐसी फार्मा कंपनियों पर नियमित नजर रखने को कहा है। उत्तराखंड दवा उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां कई कंपनियां हर्बल प्रोडक्ट्स उत्पादन की आड़ में नशे के कारोबार से जुड़ी हुई हैं, जिनके खिलाफ पुलिस प्रशासन ने सख्ती की है। कुछ फार्मा कंपनियां, कैप्सूल, खांसी के सीरप के जरिए भी नशे के कारोबार में लिप्त पाई गई हैं। उत्तराखंड पुलिस ने नशे के कारोबार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए पिछले तीन वर्षों में मादक पदार्थों की तस्करी ▶10 पर

खाना अगर गुस्से में बनाया गया है तो वह सात्विक अन्न नहीं : साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/ शुभ लाभ ब्यूरो।
दावणगेरे श्री सौधर्म बृहत्तपो-गच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा ने कहा कि जैसा अन्न वैसा मन, जादू है खाने में, असर है पकाने में। गुस्से से अगर खाना बनाया गया है उसे सात्विक अन्न नही कहेंगे, इसलिए खाना बनाने वालों को कभी भी नाराज, परेशान स्थिति में खाना नही बनाना चाहिए और कभी भी माँ, बीबी, बहनों को (या जो खाना बनाते है उनको) डांटना नहीं, उनसे कभी लड़ना नहीं क्योंकि वो रसोईघर में जाके और आपके ही खाने में गुस्से वाली वाइब्रेशन मिला के आपको ही एक घंटे में खिलाने वाले है।

किसी को डांट दो, गुस्सा कर दो और बोलो जाके खाना बनाओ अब? खाना तो हाथ बना रहा है मन क्या कर रहा है अन्दर मन तो लगतार खिन्न है तो वो सारे प्रभाव खाने के अंदर जा रहे है। भोजन तीन प्रकार का होता है- 1. जो हम होटल में खाते है, 2. जो घर में माँ बनाती है और 3. जो हम स्वामीवात्सल्य और भोजनशाला में खाते है।

तीनो के प्रभाव अलग अलग होते हैं। जो होटेल में खाना बनाते है उनके वाइब्रेशन कैसे होते है- आप खाओ और हम कमायें जो ज्यादा बाहर खाता है असल मे उनका रोज़ रोज़ बाहर खाना ही उसकी सारी कमाई खा जाता है।

घर में जो माँ खाना बनाती है वो बड़े प्यार से खाना बनाती है परंतु घर में आजकल जो कुक (नौकर) रख लिए है खाना बनाने के लिए और वो जो खाना बना रहे है वो भी इसी सोच से कि आप खाओ हम कमाए, एक बच्चा अपनी माँ को बोले कि एक रोटी और खानी है तो माँ का चेहरा ही खिल जाता है। कितनी प्यार से वो एक और रोटी बनाएगी। कि मेरे बच्चे ने रोटी तो और मांगी वो उस रोटी में बहुत ज्यादा प्यार भर देती है।

जो मंदिर भोजन शाला और स्वामीवात्सल्य में खाना बनता है, प्रसाद बनता है, वो किस भावना से बनता है, वो परमात्मा को याद करके खाना बनाया जाता है, सबके पेट और आत्मतृप्ति के लिए वह भोजन पकाया जाता है तो क्यों न हम अपने घर में परमात्मा की याद में प्रसाद बनाना शुरू कर दें। घर, रसोई साफ़, मन शांत, रसोई में अच्छे गीत चलाये और उनको सुनते हुए खाना बनाये।

गौशाला के लिये एकत्र की खाद्य सामग्री

गदग/ शुभ लाभ ब्यूरो
श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण मे मंगलवार को पूर्णिमा के दिन पार्श्व पूनम रोटी बैंक के तहत खाद्य सामग्री रोटी गुड़ केले तरकारी समेत कई चीजों को एकत्रित कर गौशाला भिजवाई गई।

संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने कहा ज्यादा सोचना दुख का सबसे बड़ा कारण है।

परमात्मा की पूजा करने से मन शांत होता है पूर्ण रूप से आत्मभाव में लीन होना है, जैन धर्म मे त्याग, तप एंव साधना को महत्व दिया जाता है और साधना के माध्यम से आत्मा से परमात्मा की ओर जाने का अवसर प्रदान करता है।

संघ के समिति सदस्य बाबूलाल खिवेसरा ने कहा- वक्त से पहले और नसीब से ज्यादा किसको कुछ नही मिलता है। सिर्फ सपने देखने से कुछ नही होता हैं सफलता प्रयासो से हासिल होती है। कोई सराहना करे या निंदा दोनों अच्छा ही है क्योकि प्रशंसा प्रेंरणा देती है और निंदा सावधान होने का अवसर।

इस अवसर पर मूर्ति पूजक संघ के समिति सदस्य हरीश शाह नें इस कार्य मे सहयोग देने वालो का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ संघ के समिति सदस्य बाबूलाल खिवेसरा हरीश शाह समेत प्रीति लुंकड़, पुष्पा बाफना, कविता बाफना, पुनम सोलंकी समेत कई सदस्य उप-स्थित थे।

श्री नवपद शाश्वत ओली आराधना का नौवां एवं अंतिम दिवस तप पद की आराधना

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी हर्षपूर्णाजी ने नवपद जी की ओली के अन्तिम नवमें दिवस के प्रवचन में कहा कि तप कर्म निर्जरा का अनुपम साधन है, ऐसा तीर्थंकर भगवंतों ने अपने जीवन के आचरण में उतार कर कहा है। केवलज्ञान प्राप्त करने के बाद भी तप का आचरण करते हुए ही जगत को संदेश दिया कि अगर कर्म क्षय करने के भाव हो तो त्रिरत्न आचरण के साथ तप आराधना को अपनाने की प्रेरणा दी है। यह इतना पावरफुल है कि निकाचित कर्मों को भी नष्ट कर देता है। तप पद की आराधना से अनेक लब्धियाँ प्रकट हो सकती है, अष्टसिद्धि और नवनिद्धि की प्राप्ति सहज होती है, भौतिक

समृद्धियों की भी प्राप्ति हो सकती है। आहार संज्ञा अनंत काल से आत्मा को सततब सत्ता रही है, एक गति से दूसरी गति में जाते ही हमारा शरीर प्रथम कार्य आहार लेने का ही करता है, अर्थात इसकी जड़े अत्यंत गहरी है। इसको उखाड़ फेंकने के लिए तप धर्म सशक्त साधन है। आत्मा को तपधर्म और तपक्रिया के स्वरूपब को पूर्ण रूप से समझकर तप धर्म में परिश्रम करना चाहिए। आत्मा को अनंत सुख का उपभोक्ता बनाने का कार्य तप करता है, जगत के सभी मंगलों में तप का स्थान प्रथम है। कर्मक्षय के लिए जो तपा जाता है उसे तप कहते है।

कर्मों के क्षय हेतु, इच्छाओं का निरोध करना तप है। जिन क्रियाओं से आत्मा तपकर शुद्ध होती है उन्हें तपस्या कहते है। तपस्या से आत्मा के साथ बंधे कर्मों की निर्जरा होती है। तप रुपी अग्नि, कर्मों की निर्जरा करके उसे शुद्ध कर देती है जैसे अग्नि अशुद्ध स्वर्ण को शुद्ध कर देती है। तप धर्म अत्यंत महत्व, एवं प्रभावशाली है। तप के दो मुख्य भेद बाह्य तप और अभ्यंतर तप हैं। तप में अनशन, उनोदरी, वृत्ति संक्षेप और रस परित्याग, कायक्लेश, प्रतिसंलीनता तप इत्यादि है।

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो। बिहार जनसुराज पार्टी के अध्यक्ष मनोज भारती का बेंगलूरू के गांधी भवन में स्वागत करते हुए प्रोफेसर विनय कुमार यादव, डॉ निश्चित, एस.के. उपाध्याय और पंडित राजगुरु।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री विद्या गणपति गलेयारा बलेगा सुब्बणा गार्डन द्वारा रविवार को छठे वर्ष का गणेश उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणपति के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दशहरा मिलन समारोह एवं शस्त्र पूजा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भारतीय राजपूताना सेवा संगठन बेंगलूरु अध्यक्ष टीम द्वारा रविवार को दशहरा मिलन समारोह एवं शस्त्र पूजा का आयोजन श्रीचिरु पार्टी हॉल, नंजप्पा गार्डन, बाबूसपालया में बड़े उत्साह से किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अमरेंद्र सिंह (डीआईजी, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, बेंगलूरु) एवं उनकी धर्मपत्नी पूनम रानी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इसके पश्चात मां दुर्गा की पूजा-अर्चना एवं शस्त्र पूजन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में देशभक्ति, अनुशासन और क्षत्रिय समाज की गौरवशाली परंपराओं पर प्रकाश डाला। समारोह में बच्चों ने नृत्य, गीत, भाषण, नाटक और दुर्गा वंदना जैसे रंगारंग

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं क्षत्राणी बहनों द्वारा वीर रस काव्य-पाठ एवं लोकगीत की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गों का सम्मान भी किया गया। दशहरा उत्सव के अवसर पर सभी ने मिलकर डांडिया नृत्य का आनंद लिया और अंत में पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज का मजबूत और संस्कारित होना बेहद जरूरी है। शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी बच्चों के जीवन में आवश्यक हैं, ताकि वे गलत दिशा में न जाएं और राष्ट्रहित में योगदान दे सकें। हमें मिलकर एक अच्छे समाज का निर्माण करना होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, महिला-पुरुष और बच्चे सम्मिलित हुए।

मन वचन काया की एकाग्रता से जाप करने से कर्मों की निर्जरा होती है : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्व-ावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी शशिप्रभाजी ने कहा कि नवकार मंत्र उत्कृष्ट मंगल है जो सभी कर्मों की निर्जरा में सक्षम है। यहां गुणों को नमस्कार है। पांच पदों के 108 गुण होते हैं। जब भी जीवन में हताशा या निराशा हमे घेर लेती हैं, तब श्रद्धा से नवकार सुमिरन करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और श्रद्धा की शक्ति से असंभव भी संभव हो सकता है। विज्ञान भी श्रद्धा के आगे फैल हो जाता है।

नवपद ओली के अंतिम दिन साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि

प्राप्त सुखों का त्याग करना ही तप है। समय हमारे हाथों से मुट्ठी में पड़ी बालू रेत के सामन फिसल रहा है और चिंता किसी समस्या का हल नही है। चिंतन से जरूर कुछ राह मिल सकती है। श्रीपाल ने जीवन में आए हर परिषह में श्रद्धा और नवकार का सहारा लिया और अपार समृद्धि को प्राप्त किया। मन वचन काया की एकाग्रता से जाप करने से कर्मों की निर्जरा होती है। नवग्रह भी वश में हो सकते हैं। हम गलत व्यक्तियों से बचे। पक्ष विपक्ष में डोलने की अपेक्षा सत्य और सही के साथ रहें। मध्यस्थ भाव में शांति है।

सभा में अनेक स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे। सभा में वीर माता विमला बाई मेहता की अनुमोदना की गई। इनकी दो संसार पक्षीय सुपुत्रियां इंदुप्रभाजी एवं वृद्धिप्रभा जी का अभी अलसूर चातुर्मास है।

जीतो द्वारा संचालित श्रमण आरोग्यं के पदाधिकारियों का अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया।

तप बिना जीवन का उद्धार संभव नहीं: संत श्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि नवपद की आराधना के मंगल पूर्व का अंतिम दिवस तप दिवस के रूप में मनाया जाता है। जीवन है प्राणी है और जीव के कर्मों को काटने का यह मौका हैं। कर्मों को काटने का मुख्य रास्ता तपस्या होता है। जैसे लोहा आग में जल कर शुद्ध हो जाता है। सोना आग से सुंदर बन जाता है।

दीपावली आते ही महिलाएं घर का साफ सफाई करती हैं। वैसे ही आज का दिन तपस्या का दिन है। तपस्या वीरों का काम होता

है। तपस्या कमजोर नहीं कर पाते है। भगवान की वाणी के प्रभाव के साथ मनुष्य के मनोबल से तपस्या होता है। आयंबिल से बहुत सारे समस्याओं का समझान निकल जाता है। तप करने वाला मानव अपने जीवन को चमका सकता है। जब तक तप तपस्या नहीं करेंगे जीवन नर्कों से बाहर नहीं निकलेगा। जीवन को सुंदर बनाना है तो तप के माध्यम से ही बनाया जा सकता है। जो मनुष्य स्वाद को बस में कर लेता है। वहीं आयंबिल और तपस्या कर सकता है। जीभ के अनुसार चलने वाला कभी तप नहीं कर सकता है। तपस्या के लिए स्वाद पर नियंत्रण करना जरूरी होता है। जब तक स्वाद जीवन से नहीं निकलेगा तब तक तप तपस्या करना संभव नहीं होगा। स्वाद जितने वाला महान होता है। जीभ के प्रति कमजोर कभी तपस्या नहीं कर सकता है। यह दिवस कर्म काटने का दिन है। आयंबिल करके जीवन को बदलें। तपस्या ही जीवन को बदल सकती है। तपस्या से मानव जीवन सुधर सकता है। जो इन महान पर्वो का उपयोग करेगा उसका जीवन बदल जाएगा। तपस्या से मानव अपने जीवन को जहां चाहे पहुंचा सकता है। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि अब बुधवार से रोजाना सुबह ठीक 8.45 बजे से उत्त-ाराध्ययन सूत्र का मूल वांचन एवं उसी पर प्रवचन होगों।

वॉकथॉन के माध्यम से एकता और स्वास्थ्य के प्रति दिया जागरूकता का संदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा संचालित वॉकथॉन का कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा सरजापुर रोड स्थित डीकेथलन परिसर में मंच की बेंगलूरु शाखा, बेंगलूरु जागृति शाखा, बेंगलूरु स्टार्स शाखा एवं बेंगलूरु सेंट्रल शाखा के आतिथ्य में संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

बेंगलूरु स्थित मंच की सभी शाखाओं के संयुक्त प्रयास से 250 युवा साथियों के साथ 5 किलो मीटर एवं 3 किलोमीटर वॉक कर पूरे वातावरण में उत्साह, एकता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश गूँज उठा, हर चेहरे पर मुस्कान और कदमों में जोश ने इस वॉकथॉन को वास्तव में यादगार बना दिया।

कार्यक्रम संयोजक प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरूआत जुंबा सेशन के साथ हुई, तत्पश्चात अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा एवं उपस्थित शाखा पदाधिकारियों ने झंडे दिखा कर वॉक का शुभारंभ किया। वॉक के पश्चात सभी युवा साथियों को विजेता मेडल देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही प्रायोजकों द्वारा उपहार, उपहार कूपन आदि प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में सहभागिता दर्ज करवाने वाले सभी युवा साथियों के लिए अल्पहार की व्यवस्था की गई। प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा ने बताया कि देश भर की 850 से अधिक शाखाओं द्वारा वॉकाथॉन का कार्यक्रम एक साथ एक ही समय पर किया गया, जिसमें लगभग 1 लाख युवा साथियों ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का प्रण लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया ने इस तरह के कार्यक्रम के लगातार आयोजन के लिए बेंगलूरु स्थित सभी मंच की शाखाओं के साथियों के प्रयासों की सहराना की। साथ ही कर्नाटक प्रांत को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी।

चादर महोत्सव की तैयारियां हेतु बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ समुदाय के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के 871 वर्ष पुराने अग्निसंस्कार में नहीं जलने वाले चादर, चोलपट्टा और मुंहपत्ती का चादर महोत्सव 6 से 8 मार्च 2026 को स्वर्ण नगरी जैसलमेर में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन

को सफल बनाने के लिए चादर महोत्सव आयोजन समिति के सदस्यों की रविवार को हैदराबाद, इन्दौर, उज्जैन और महिदपुर में बैठकें हुई।

हैदराबाद में पूज्य गच्छ गणिनी सुलोचनाजी म. सा. एवं कनकप्रभाजी म. सा. की निश्रा में चादर महोत्सव आयोजन समिति के संयोजक बैंगलोर के तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि महोत्सव के आयोजन के लिए वर्ष 2015-16 में खरतरगच्छाचार्य श्रीजिनमनोज्ञसूरि म.सा. को स्वप्न में संकेत मिले थे, जिसकी चर्चा खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी म.सा. से होने के बाद उन्हीं की निश्रा में आगामी 6 से 8 मार्च को जैसलमेर में महोत्सव का आयोजन तय हुआ है। मुंबई के प्रकाश कानूंगा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य विश्व शांति के लिए प्रयास करना है। इन्दौर में बैठक को संबोधित करते हुए साध्वी जी भाग्ययशाजी म.सा. ने कहा कि चादर महोत्सव प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरीश्वर के प्रति श्रद्धा रखने वाले सभी जैन व अजैन श्रद्धालुओं का संयुक्त आयोजन है। उज्जैन में नीलांजना श्री जी म. सा. ने कहा कि इसकी सफलता के लिए उत्साह का भाव व समन्वय रखें। महिदपुर में चन्दना श्री जी म. सा. ने कहा कि चादर महोत्सव को हम सभी गुरु भक्तों को उत्सव के रूप में मनाना है। आयोजन समिति के सहमंत्री चैन्नई के सुरेश लुनिया ने बताया कि इसमें देशभर में फैले करीब 30 हजार से अधिक भक्त हिस्सा लेंगे। चादर महोत्सव सामान्य बात नहीं है।

चादर समिति के वित्त संयोजक बैंगलोर के कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि चादर महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं को जैसलमेर में स्थित प्राचीन जैन ज्ञान भंडार, लोद्रवा पार्श्वनाथ तीर्थ, अमर सागर तीर्थ, ब्रह्मासर तीर्थ के दर्शन वंदन का लाभ भी मिल सकेगा। समिति के ललित डाकलिया ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की इस बैठक में समिति के पदाधिकारियों के साथ केयुप मध्यप्रदेश अध्यक्ष इन्दौर के दिनेश हुंडिया, नीमच के सुनील गोपावत, के साथ सभी संघों के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी और सकल संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील को क्यों रिहा किया गया: डॉ. जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई पर जूता फेंकने वाले वकील को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्हें रिहा क्यों किया गया? पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय, खासकर मुख्य न्यायाधीश पर चप्पल फेंकना एक गंभीर सुरक्षा चूक है। यह घटना अक्षम्य है। गवई का व्यक्तिगत प्रश्न यहाँ नहीं उठता। यह सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद की गरिमा का प्रश्न है। उन्होंने इसे संविधान का अपमान बताया। चूँकि यह घटना सर्वोच्च न्यायालय में ही हुई है, इसलिए उक्त वकील को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूछा कि उन्हें रिहा क्यों किया गया।

सनातन धर्म के बारे में उनके द्वारा कहे गए शब्द आपत्तिजनक हैं। कोई भी न्यायाधीश प्रचलित कानूनों के आधार पर फैसला देता है। उन्होंने कहा कि इसी आधार पर चप्पल फेंकना निंदनीय है। मुख्य न्यायाधीश दलित हैं। उन्होंने इस पद तक पहुँचने के लिए कड़ी मेहनत की है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। वह पूरे समुदाय का प्रतीक हैं। देश को इस घटना की निंदा करनी चाहिए और इसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संबंधित अधिकारियों से आग्रह करेंगे कि वे ऐसी घटना

दोबारा न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाएँ। अगर राज्य में राजनीतिक बदलाव लाना है, तो बिहार विधानसभा चुनाव तक इंतजार नहीं किया जाएगा। अगर आलाकमान चाहेगा, तो तुरंत फैसला ले लेगा। राज्य में पड़ोसी राज्य की स्थिति है। इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। बेंगलूरु समेत दक्षिणी हिस्से में कई समस्याएँ हैं। उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसे छोड़कर, राजनीतिक बदलाव पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री सतीश जारकीहोली का यह बयान कि सत्ता के बंटवारे को लेकर असमंजस दूर किया जाना चाहिए, सही है। इस बारे में आए दिन तरह-तरह की चर्चाएँ हो रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर आलाकमान हस्तक्षेप करे और असमंजस दूर करे, तो असमंजस दूर हो जाएगा। उस समुदाय के नेता कह रहे हैं कि लिंगायत और वीरशैव अलग-अलग हैं। पहले इस पर चर्चा होनी चाहिए और आम सहमति बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके बाद धर्मों के अलग दर्जे पर फैसला लिया जा सकता है। सिद्धरामैया, मुख्यमंत्री के रूप में, उस समापन कार्यक्रम में शामिल हुए थे जब लिंगायत समुदाय ने बसव सांस्कृतिक अभियान का आयोजन किया था और लोगों को आमंत्रित किया था। सिद्धरामैया ने वहाँ अलग धर्म के बारे में कोई बयान नहीं दिया था। यह उस समुदाय के लोगों ने ही प्रस्तावित किया था। उन्होंने सवाल किया कि इसमें सिद्धरामैया की क्या गलती थी। बसवन्ना के नाम पर मेट्रो का नामकरण करने पर कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी। इसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। पुलिस विभाग में रिक्त पदों पर नियुक्तियाँ करने के लिए उच्च अधिकारियों की एक समिति है। यह समिति निरीक्षकों से ऊपर के पदों के तबादलों का काम देखती है। कांस्टेबलों और पुलिस उपनिरीक्षकों के तबादले पुलिस महानिरीक्षक स्तर पर होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दे आलाकमान के ध्यान में नहीं आते। सोमवार को मैंने स्वयं 130 निरीक्षकों और 30 से अधिक पुलिस उपाधीक्षकों का तबादला किया। उन्होंने कहा कि जैसा कि कुछ लोगों ने इस अवसर पर कहा है, तबादले संभव नहीं हो सकते, लेकिन हमने प्रशासनिक दृष्टिकोण से यह निर्णय लिया है।

यदि आप आई लव मुहम्मद पोस्टर लगाएंगे तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी: अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के कानून-व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हितेंद्र ने चेतावनी दी है कि राज्य में 'आई लव मुहम्मद' वाले पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यहां मंगलवार को पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य के तीन-चार जिलों में लगाए गए पोस्टर पहले ही हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें दोबारा पोस्टर न लगाने की हिदायत दी गई है। आई लव मुहम्मद वाले पोस्टर लगाने के मामले में राज्य में दो मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दावणगेरे में 8 और बेलगावी में 11 लोगों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है। कलबुर्गी में लगाए गए पोस्टर को हटा दिया गया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हमने राज्य भर में कड़े एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की जाएगी।

आतिशबाजी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती उपाय के निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिवाली के नजदीक आते ही, शहर के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने पटाखों से होने वाली किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में, आयुक्त ने अपने कार्यालय में जीबीए, अग्निशमन विभाग, बेस्कॉम और जीएसटी अधिकारियों सहित पटाखा विक्रेताओं के साथ एक बैठक की और कुछ सुझाव और निर्देश दिए। उन्होंने शहर में पिछले साल अनेकल पटाखा गोदाम में हुई घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सावधानी बरतने के निर्देश

दिए। सभी विभागों को सूचित कर दिया है। यदि पटाखा विक्रेता आवेदन करते हैं, तो लॉटरी के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटाखे बेचने के लिए 57 मैदानों में 411 स्थानों की पहचान की गई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अग्निशमन विभाग को पहले ही निर्देश दे दिए हैं। आयुक्त ने कहा कि किसी भी भ्रम और परेशानी से बचने के लिए सभी को निर्देश दिए गए हैं।

सिद्धरामैया किस तरह के लिंगायत धार्मिक नेता हैं?: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायनस्वामी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर निशाना साधते हुए पूछा है कि वे वीरशैव लिंगायत समुदाय के लिए अलग धर्म क्यों चाहते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कई लोगों ने वीरशैव लिंगायत समुदाय में अलग धर्म स्थापित करने का विरोध किया है। उन्होंने पूछा कि सिद्धरामैया उसाबारी क्यों चाहते हैं जो उस समुदाय के लिए उपलब्ध नहीं है। सिद्धरामैया जातियों को बाँटने का काम कर रहे हैं। लिंगायतों के लिए उसाबारी क्यों नहीं है? क्या वे

धार्मिक गुरु हैं? मुख्यमंत्री ने कहा कि वे बौद्ध धर्म अपनाने वालों को आरक्षण देंगे। केंद्र की मोदी सरकार पहले ही आरक्षण दे चुकी है। अब वे दावा कर रहे हैं कि हमने दिया है। उन्होंने पूछा कि इसमें नया क्या है? कहा गया है कि केंद्र सरकार के तहत जो लोग अनुसूची में हैं, अगर वे बौद्ध हैं तो उन्हें आरक्षण मिलेगा। केंद्र शुरू से ही आरक्षण देता रहा है। राज्य सरकार ने कुछ नया नहीं किया है। पिछली भाजपा सरकार ने एसटी के लिए आरक्षण बढ़ाकर 3 प्रतिशत-7 प्रतिशत कर दिया था। सिद्धरामैया ने कहा था कि इस पर विश्वास न करें। अब 7 प्रतिशत आरक्षण हो रहा है। अब सिद्धरामैया झूठ नहीं बोल रहे हैं? अब वे एसटी को 7 प्रतिशत दे रहे हैं और अन्य जातियों को शामिल करने जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। जनगणना भ्रम का अड्डा बन गई है। दिया गया सॉफ्टवेयर काम करना बंद कर चुका है। 60 प्रश्न भरने में एक घंटा लगता है। यह बेंगलूरु में किसी के घर में शुरू नहीं हुआ है। ऐसा लगता है कि वे इसे अब अपार्टमेंट में शुरू कर रहे हैं। आज वाल्मीकि जयंती है। प्रसन्नानंद गुरुजी नहीं आए हैं। क्योंकि सिद्धरामैया मामले में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एससी-एसपी-एसपीपी का तीन सौ करोड़ से ज्यादा पैसा खर्च किया गया है। चुनावों के दौरान, उन्होंने यह कहकर धोखा दिया कि 7 प्रतिशत आरक्षण नहीं है। उन समुदायों के नेता राजन्ना को निष्कासित कर दिया है। अब पूरा समुदाय आपके खिलाफ हो गया है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण दर को कांग्रेस ने नहीं, बल्कि भाजपा ने बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया है।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व प्रधानमंत्री और जनता दल (एस) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा को तेज बुखार और ठंड लगने के साथ मूत्र मार्ग में संक्रमण (यूटीआई) होने के बाद बेंगलूरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

92 वर्षीय नेता को सोमवार शाम को ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। मंगलवार को जारी एक बयान में, अस्पताल ने

कहा कि देवेगौड़ा को एक संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था और वर्तमान में उनका चिकित्सा प्रबंधन चल रहा है। बयान में आगे कहा गया है कि विशेषज्ञों की एक टीम उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। बेंगलूरु ग्रामीण से सांसद और देवेगौड़ा के दामाद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। डॉ. मंजूनाथ ने कहा यूटीआई के कारण उन्हें तेज बुखार के साथ ठंड लग गई। उनके गुर्दे के पैरामीटर भी गड़बड़ा गए थे और उन्हें अस्पताल में देखभाल की जरूरत थी। वार्ड में स्थानांतरित होने से पहले उन्हें एक या दो दिन आईसीयू में रहना पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा कि देवेगौड़ा को छुट्टी मिलने से पहले कुछ और दिन अस्पताल में रहना पड़ सकता है। देवेगौड़ा, जो राजनीतिक मामलों में लगातार सक्रिय हैं, हाल के हफ्तों में पार्टी गतिविधियों से जुड़ी कई बैठकों में शामिल हुए थे।

किसी के दबाव में जल्दबाजी में कराई जा रही जाति जनगणना: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने आरोप लगाया है कि राज्य में चल रही जाति जनगणना दिन-ब-दिन भ्रामक होती जा रही है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर दिन बात बदल रही है।

आयोग बिना किसी पूर्व तैयारी के और किसी के दबाव में जल्दबाजी में जनगणना करा रहा है। इससे पहले, डी.के. शिवकुमार ने कहा था कि 60 सवालों के जवाब कौन दे सकता है।

उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कई सवाल बेवजह जोड़े गए हैं। शिक्षकों को भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके भी परिवार हैं और सब कुछ। विकलांगों का इस्तेमाल करने की काफी आलोचना हुई है। बेलूर, हासन में कुत्तों के काटने की भी घटना हुई थी।

ऐसी कई घटनाओं में कई लोग घायल हुए हैं। कुल मिलाकर, उन्होंने शिकायत की कि वे दबाव में जल्दबाजी में जाति जनगणना कराने जा रहे हैं। अगर हम ज्यादा बात करें तो सिद्धरामैया कहते हैं कि भाजपा पिछड़ों के खिलाफ है। वे पिछड़े समुदायों को न्याय नहीं मिलने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा भाजपा इस राज्य और देश के सभी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों को आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए कांग्रेस पार्टी से अधिक प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के कारण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐसा निर्णय लिया है जो आजादी के बाद से किसी भी केंद्र सरकार ने नहीं लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने निर्णय के अनुसार देश भर में जाति जनगणना कराने की घोषणा की है।

उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि राज्य में जाति जनगणना अवैज्ञानिक तरीके से की जा रही है।

कांताराजू रिपोर्ट के दौरान पहले भी इसी तरह की भ्रांतियां पैदा की गई थीं। उन्होंने कहा कि अब भी यही स्थिति बनी हुई है।

विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और सीमेंट विधायक मंजूनाथ, पूर्व प्रदेश सचिव जगदीश हिरेमानी, हासन जिला अध्यक्ष सिद्धेश नागेंद्र उपस्थित थे।

बानसवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से छात्र की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बानसवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को ट्रेन की चपेट में आने से एक 22 वर्षीय छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान येलहंका स्थित प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के छात्र शशि कुमार जी के रूप में हुई है। वीरन्नापाल्या निवासी शशि कुमार शहर में अपने चाचा के साथ रहता था। बयप्पनहल्ली रेलवे पुलिस के अनुसार, मामले में एक अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की गई है। जिस जगह शशि कुमार पटरी पार कर रहा था, वहाँ झाड़ियों से ढका एक तीखा मोड़ है। अधिकारियों ने बताया कि वह जल्दी में था और तेज गति से आ रही ट्रेन को देख नहीं पाया। प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि मोड़ और आसपास की हरियाली के कारण छात्र को आती हुई ट्रेन का पता नहीं चला होगा। पुलिस को यह भी संदेह है कि उसने ईयरफोन लगाए हुए थे और ट्रेन की आवाज नहीं सुन पाया, जिसकी जाँच की जा रही है। लोकोपायलट द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, बयप्पनहल्ली पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है और किसी गड़बड़ी की संभावना से इनकार करने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है: सांसद बी.वाई. राघवेंद्र

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
सांसद बी.वाई. राघवेंद्र ने कहा कि जिले में आपराधिक गतिविधियाँ बढ़ गई हैं और कानून-व्यवस्था बिगड़ गई है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उपद्रवी आपस में लड़ रहे हैं। बदमाशों को पुलिस का कोई डर नहीं है। राज्य में कोई सरकार नहीं है और एक परिवार का शासन है। उन्होंने शिकायत की कि लोगों को शक होने लगा है कि वहाँ सभी नापाक गतिविधियाँ उन्हीं के नियंत्रण में चल रही हैं। भद्रावती में, इस्पीट कहाँ खेला जाए और कहाँ क्लब

खोला जाए, यह तय किया जाता है। इन्हीं सब कारणों से, बार के सामने हत्याएँ हो रही हैं। उन्होंने कार्रवाई न करने के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि विश्वेश्वरैया के सपनों का इस्पात शहर आज इस्पीट और अन्य बुरी गतिविधियों का केंद्र बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु मेट्रो रेल स्टेशन के लिए बसवन्ना का नाम प्रस्तावित किया है। मैं इसका पूरा स्वागत करता हूँ। किसी भी सरकार को बसवन्ना के सिद्धांतों और सिद्धांतों के अनुसार शासन करना चाहिए। हालाँकि, हमारे मुख्यमंत्री केवल भाषण देते हैं, उनके अनुसार काम नहीं करते। उन्होंने कहा कि उन्होंने बसवन्ना की विचारधाराओं को नहीं अपनाया। अगर उन्होंने ऐसा किया होता, तो कांग्रेस को देश में इस दुर्दशा का सामना नहीं करना पड़ता। वे धर्म के मुद्दे पर भी अपनी रोटियाँ सेंक रहे हैं। कांग्रेस जो कह रही है कि वोटों में हेराफेरी हो रही है, वह राजनीति है। बिहार की तर्ज पर राज्य में भी मतदाता सूची में संशोधन की जरूरत है। यह प्रक्रिया पूरे देश में होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में जो पदयात्रा की है, उसका कोई फायदा नहीं होगा और नतीजे आने के बाद सब कुछ सामने आ जाएगा।

दिनदहाड़े एक उपद्रवी की घातक हथियारों से गला रेतकर हत्या

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिनदहाड़े एक कार रोककर युवकों के एक समूह ने एक उपद्रवी को कार से बाहर निकाला, उस पर घातक हथियारों से हमला किया और प्रदर्शनी मैदान के पास सड़क के बीचों-बीच उसकी हत्या कर दी। क्याथामारनहल्ली निवासी वेंकटेश उर्फ गिलिगिली आमने-सामने की मुठभेड़ में मारा गया। मंगलवार दोपहर, जब वह अपनी कार में जा रहा था, तभी मैसूरु के प्रदर्शनी मैदान के पास युवकों के

एक समूह ने उसकी कार रोक ली, उसे कार से बाहर खींच लिया, उसके सिर, हाथ, पैर और शरीर के विभिन्न हिस्सों पर मनचाहा हमला किया और भाग गए। इस हमले में उपद्रवी वेंकटेश ने बीच सड़क पर ही दम तोड़ दिया। खबर मिलने के बाद नजरबाद पुलिस स्टेशन मौके पर पहुँची और मुआयना किया। पुलिस कमिश्नर सीमा लाटकर, डीसीपी बिंदुमणि और सुंदरराज ने घटनास्थल का दौरा किया। ऐसा संदेह है कि वेंकटेश की हत्या हाल ही में वरुणा गाँव के एक होटल के सामने क्याथामारनहल्ली निवासी कार्तिक नामक एक बदमाश की हत्या का बदला लेने के लिए की गई हो सकती है। इस संबंध में मामला दर्ज कर चुकी पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जाँच की है और हत्यारों की तलाश में जाल बिछा दिया है। दिनदहाड़े सड़क पर हुई इस जघन्य हत्या को देखकर जनता दहशत में है।

छुट्टियों के बाद बेंगलूरु लौट रहे लोग ट्रैफिक जाम में फंसे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दशहरा उत्सव के दौरान अपनी छुट्टियों का आनंद लेने के बाद शहर लौट रहे लोग सुबह-सुबह जाम में फंस गए। शहर के ज्यादातर लोग आयुध पूजा, विजयादशमी और सप्ताहांत की छुट्टियों के दौरान अपने घर गए थे और यात्रा कर रहे थे।

छुट्टियों के बाद शहर लौटने वालों के लिए, नेलमंगला में कुनिगल बाईपास, मगदी रोड, मैसूरु रोड, बन्नेरघट्टा रोड और बल्लारी रोड सहित अधिकांश मुख्य सड़कों और राजमार्गों पर यातायात जाम था, जो शहर के प्रवेश द्वार हैं। राज्य के अधिकांश जिलों को जोड़ने वाले तुमकुरु रोड पर कुनिगल बाईपास, मदावरा, एंटानेमेली, जलाहल्ली क्रॉस, गोरागुंटेपल्या, यशवंतपुर और राजाजीनगर पर आधी रात से ही यातायात भारी था। बारिश के बावजूद, कई किलोमीटर तक वाहन खड़े देखे गए। नेलमंगला, नाइस रोड और हासन रोड पर टोल बूथों के पास भी कारें देखी गईं। सुबह मैसूरु जंबू सवारी देखने के बाद मदिकेरी, कुडागु और केरल की अपनी यात्रा पर लौट रहे लोग मैसूरु रोड पर जाम में फंस गए।

सुबह काम पर जाने वाले लोग भी देर से पहुँचे, इसलिए उन्हें छुट्टी लेनी पड़ी। कुछ स्कूल सोमवार से खुल गए और बच्चों ने भी स्कूल से छुट्टी ले ली।

जाम में फंसे लोग बीच सड़क पर बस से उतरकर मेट्रो की ओर चल पड़े। सुबह तुमकुरु रोड पर मदावरा, आठवां मील, मैसूरु रोड और कनकपुरा रोड मेट्रो स्टेशनों के पास लोगों की भीड़ देखी गई। पिछले चार दिनों से खाली पड़ी बेंगलूरु की सड़कें सुबह हमेशा की तरह चहल-पहल से भरी थीं। भारी ट्रैफिक के कारण यशवंतपुर मेट्रो स्टेशन लगभग आधे घंटे के लिए बंद रहा।

आयुध पूजा, सप्ताहांत और छुट्टियों के जश्न के बाद शहर लौट रहे और यात्रा पर निकले लोग तुमकुरु रोड पर लगे जाम में फंस गए, इसलिए वे बीच सड़क पर ही बस से उतरकर मेट्रो की ओर चल पड़े। इसलिए, यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, सुबह 8.50 से 9.15 बजे तक यशवंतपुर मेट्रो स्टेशन के दरवाजे बंद कर दिए गए। यात्री कतारों में खड़े दिखाई दिए। जैसे-जैसे यात्रियों की संख्या कम हुई, नियमानुसार दरवाजे खोल दिए गए। 9.15 बजे के बाद मेट्रो यातायात सामान्य रूप से चलने दिया गया।

मति तालेश्वर मंदिर परिसर में चलाया साफ सफाई अभियान

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रोटरी क्लब, बन्नूर के तत्वावधान में बन्नूर कस्बा के समीप हेगूर तालाब के तट पर स्थापित मति तालेश्वर मंदिर परिसर में साफ सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही तालाब के पानी अट्टे पड़े पुराने कपड़े, साड़ियां, झाड़ झंकाड़ आदि हटाए गए। पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि लोगों को सार्वजनिक स्तर पर स्वच्छता के महत्व, स्वास्थ्य लाभों, सामाजिक प्रभाव और राष्ट्रव्यापी अभियानों पर चर्चा कर उसकी सार्थकता समझनी चाहिए। स्वच्छ जीवनशैली, बीमारियों से बचाव, मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, सामाजिक जिम्मेदारी और एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में स्वच्छता की भूमिका पर जोर दिया। नियमित स्नान, हाथ धोना, साफ कपड़े पहनना और नाखून काटना शरीर को बैक्टीरिया, वायरस और कीटाणुओं से तथा कई प्रकार की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। स्वच्छ रहने से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है, तनाव कम होता है और दूसरों के प्रति सकारात्मक व्यवहार विकसित होता है। कचरे का सही निपटान, नालियों की सफाई और घर व कार्यस्थल को स्वच्छ रखना महत्वपूर्ण है। पेयजल स्रोतों की सुरक्षा करना और भोजन को ढककर रखना संक्रमण के प्रसार को रोकता है। व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वच्छता से मलेरिया, डेंगू और डायरिया जैसी कई संक्रामक बीमारियों को रोका जा सकता है। इस अवसर पर मंदिर व्यवस्थापक शिव कुमार, डॉ. राजीव, रामचंद्रु, राजेश, मरी स्वामी, प्रशन्न, राजेंद्र, मुरली गौपाल, आनंद गौड़ा, पहलवान चंद्रु, सौमणा, जयरामू आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने मोबाइल फोन पर लोकेशन फीचर का इस्तेमाल कर जेबकतरों को पकड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मोबाइल फोन के लोकेशन फीचर की मदद से विल्सन गार्डन पुलिस ने चलती बीएमटीसी बसों में सिलसिलेवार जेबकतरी करने वाले दो लोगों को पकड़ लिया। मैजेस्टिक से बनशंकरी जा रही बीएमटीसी बस में एक यात्री से मोबाइल चोरी के मामले के बाद, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और दो आरोपियों को पकड़ लिया और उनके पास से चोरी के सात मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने लोकेशन ट्रैक की और कुछ ही घंटों में दो लोगों को पकड़ने के लिए घटनास्थल पर पहुँच गई। दोनों की पहचान 34 वर्षीय कावड़ी परशुराम और उनके सहयोगी 19 वर्षीय साथीपति प्रेमकुमार के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के डोन तालुका के रहने वाले हैं। इस ऑपरेशन का नेतृत्व करने वाले विल्सन गार्डन के इंस्पेक्टर फारूक पाशा एम.जी. ने बताया कि दोनों आदतन अपराधी थे और भीड़-भाड़ वाली बसों में जेबकतरी करने शहर आते थे। वे सबसे भीड़-भाड़ वाले रास्ते चुनते थे और अपनी कुशलता का इस्तेमाल करके कीमती सामान चुराकर बीच रास्ते में उतर जाते थे और फिर अगली यात्रा के लिए मैजेस्टिक लौट जाते थे। उन्होंने बताया कि कई चोरियाँ करने के बाद, वे वापस आकर चोरी का कीमती सामान ग्रे मार्केट में बेच देते थे। यह दूसरी ऐसी घटना है जहाँ तकनीक का इस्तेमाल करके पुलिस ने मामलों का खुलासा किया है। कुछ दिन पहले, घरों में चोरी की कई घटनाओं में शामिल एक गिरोह को गिरफ्तार किया गया था, जब चोरी हुए एयरपॉड्स की एक जोड़ी ने जाँचकर्ताओं को 'फाइंड माई डिवाइस' फीचर के जरिए उनका पता लगाने में मदद की।

कर्मचारी संघ ने दशहरा अवकाश बढ़ाने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार कर्मचारी संघ ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री मधु बंगारप्पा से दशहरा अवकाश बढ़ाने का अनुरोध किया है क्योंकि शिक्षक 22 सितंबर से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा राज्य भर में किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य में लगे हुए हैं। वर्तमान में, राज्य के प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में 20 सितंबर से 7 अक्टूबर तक दशहरा अवकाश घोषित किया गया है। हालाँकि, संघ ने मांग की है कि इस अवकाश अवधि को बढ़ाया जाए क्योंकि शिक्षक जाति जनगणना कार्य में लगे हुए हैं।

शिक्षकों ने 22 सितंबर से जाति जनगणना शुरू कर दी है। बेंगलूरु में सर्वेक्षण अभी भी अव्यवस्थित तरीके से चल रहा है। इसलिए, शिक्षक शारीरिक और बौद्धिक तनाव में हैं। उन्हें शारीरिक और मानसिक आराम की आवश्यकता है। इसलिए, संघ ने दशहरा अवकाश को 17 अक्टूबर तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। जाति जनगणना कार्य ने शिक्षकों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डाल दी है, जिससे उनके शैक्षणिक कार्य में बाधा आ रही है। हालाँकि स्कूलों ने बच्चों के लिए अवकाश घोषित कर दिया है, लेकिन शिक्षकों को अवकाश का लाभ नहीं मिल रहा है क्योंकि वे जनगणना कार्य में लगे हुए हैं। बेंगलूरु में सर्वेक्षण अभी भी जारी है, जिससे शिक्षकों पर दबाव और बढ़ गया है। ऐसे में, माना जा रहा है कि छुट्टी बढ़ाने से शिक्षकों पर काम का दबाव कम होगा। इस अनुरोध का उद्देश्य शिक्षकों के स्वास्थ्य की रक्षा और शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता बनाए रखना है। तनावग्रस्त शिक्षक अपने शिक्षण कार्य में अपनी पूरी क्षमता नहीं दे पाएँगे। छुट्टी बढ़ाने से उनके प्रदर्शन में सुधार होगा। इस अनुरोध पर गंभीरता से विचार किया जाए। कर्नाटक की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी भलाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जाति जनगणना जैसे अतिरिक्त कार्यों ने शिक्षकों पर दबाव बढ़ा दिया है, इसलिए कहा जा रहा है कि छुट्टी बढ़ाना इस समस्या का समाधान हो सकता है।

धर्म सुनने के बाद उस पर अटूट श्रद्धा का आना बहुत कठिन: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में साध्वी निर्मला के सान्निध्य में विराजमान साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के तीसरे और चौथे अध्ययन का हृदयस्पर्शी व ज्ञानवर्धक विवेचन प्रस्तुत किया। अपने प्रवचन में कहा कि मानव जीवन दुर्लभ अवसर है , यह तभी सार्थक होता है जब वह धर्म, संयम और आत्मचिंतन से सुशोभित हो।

तीसरा अध्ययन चार परम दुर्लभ अंग, साध्वी उपासना ने तीसरे अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन प्राप्त करना अत्यंत दुर्लभ है, किन्तु केवल जन्म लेना ही पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को मोक्षमार्ग पर अग्रसर होने के लिए चार परम दुर्लभ अंगों की आवश्यकता होती है। मनुष्य जीवन का मिलना, मानव शरीर पाना कठिन है, पर सच्चे अर्थों में 'मानव' बनना उससे भी कठिन।

मनुष्यता तभी आती है जब जीवन में संवेदना, करुणा और नैतिकता हो। धर्मश्रवण भी दुर्लभ है। संसार में बहुत कुछ सुना जाता है, परंतु वह सुनना जो आत्मा के उत्थान और उद्धार का कारण बने, वही सार्थक है। धर्म सुनने के बाद उस पर अटूट श्रद्धा का आना बहुत कठिन है। श्रद्धा के बिना सुनना निष्फल है। श्रद्धा ही वह शक्ति है जो मनुष्य को पथभ्रष्ट होने से बचाती है। सुना, श्रद्धा की, पर आचरण न किया तो सब व्यर्थ है। वास्तविक सार्थकता तभी है जब सुना और श्रद्धा किया हुआ जीवन में उतरे।

उन्होंने कहा ज्ञान का चरम रूप आचरण है, और आचरण ही मोक्ष का आधार है। साध्वी ने कहा आयुष्य की डोर एक बार टूट जाए तो दोबारा नहीं जुड़ती, और बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। जैसे एक पलड़े में धन और दूसरे में धर्म, वैसे ही मनुष्य को विवेक से निर्णय करना चाहिए कि कौन-सा पलड़ा भारी है। धन नाशवान है, पर धर्म शाश्वत और अमर है। मनुष्य जब धन के मोह में फँसकर धर्म से विमुख होता है, वही असंस्कृत जीवन कहलाता है। संयम और संस्कार से युक्त जीवन ही संस्कृत जीवन है। हमें अपने जीवन का मूल्यांकन करना चाहिए कि हमारा जीवन संस्कृत है या नहीं?

साध्वी उपासना ने कहा जिस प्रकार हिरण शेर से डरकर सजग रहता है, उसी प्रकार हमें पाप से डरते हुए सत्कर्म करने चाहिए। संसार की प्रत्येक वस्तु नाशवान है। हम अकेले आए हैं और अकेले ही जाएंगे। यह जानकर संस्कृत जीवन जीना ही जीवन की सच्ची सार्थकता है।

मैसूरु दशहरा जुलूस में दक्षिण कन्नड़ जिले ने दूसरा पुरस्कार जीता

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले ने मैसूरु दशहरा जुलूस में अपनी झांकी के लिए दूसरा पुरस्कार जीता है।

इस झांकी में जिले की समृद्ध कला, संस्कृति और पारंपरिक खेलों का शानदार प्रदर्शन किया गया। इस झांकी में यक्षगान, कंबाला, हुलिवेशा और अन्य लोक एवं पारंपरिक खेलों का जीवंत चित्रण किया गया, जो दक्षिण कन्नड़ की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। यह झांकी जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में तैयार की गई थी, जबकि ग्रामीण उद्योग विभाग के उप निदेशक मंजूनाथ हेगड़े इस परियोजना के नोडल अधिकारी थे।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदेशों के अनुसरण में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के कनार्टक में स्थित सभी आयुक्तालयों के लिए सोमवार को 3.30 बजे से सायं 4:30 बजे तक राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। तदुपरांत 4.30 बजे से 05.30 बजे तक हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह संयुक्त रूप से मनाया गया था। सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल के मुख्य आयुक्त आशीष चंदन एवं केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त काजल सिंह एवं मुख्य अतिथि डॉ.विनय कुमार यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं केंद्रीय कर प्रधान मुख्य आयुक्त का कार्यालय,

बेंगलूरु की सहायक निदेशक (राजभाषा) पद्मश्री बाबु के प्रार्थना गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। केंद्रीय कर, बेंगलूरु दक्षिण आयुक्तालय के आयुक्त संतोष कुमार मोहंती ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। तदुपरांत गृह मंत्री का संदेश पठन राजीव रंजन, संयुक्त आयुक्त, केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल द्वारा किया गया। मंचासीन मुख्य आयुक्त आशीष चंदन, मुख्य आयुक्त काजल सिंह एवं मुख्य अतिथि डॉ.विनय कुमार यादव के करकमलों द्वारा विभागीय गृह पत्रिका बृंदावन का विमोचन किया गया। राजभाषा सम्मेलन के हिस्से के रूप में बिशप कॉटन विमेन्स क्रिश्टियन कॉलेज, बेंगलूरु के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.विनय कुमार यादव ने अपने मुख्य अतिथि भाषण में कहा किहिंदी एक ऐसी कड़ी है जो पूरे देश को जोड़ती है, यह जोड़ने का काम करेगी। बृंदावन पत्रिका में प्रकाशित विविध कविताओं की प्रशंसा की। लोगों से हिंदी भाषा के प्रति अपना योगदान देने की बात कही। जिससे यह भाषा और उन्नत हो सके।

जीवो और जीवन की प्रक्रियाओं का अध्ययन ही जीवन विज्ञान : मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में आयोजित अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का अंतिम दिन गांधीनगर तेरापंथ भवन में विराजित मुनि श्री डॉ पुलकित कुमार जी एवं मूर्तिपूजक संप्रदाय मुनि ध्यान योग विजय जी के सानिध्य में जीवन विज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। मुनि श्री ने अपने प्रेरणा पाथेय में कहा कि जीवन को नियम पूर्वक जीना और जीवित जीवो और जीवन की प्रक्रियाओं का अध्ययन ही जीवन विज्ञान कहलाता है। कार्यक्रम की शुरुआत अणुव्रत गीत के माध्यम से हुई। उसके पश्चात कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष ललित बाबेल ने सभी अतिथियों का स्वागत

सम्मान किया। विशेष अतिथि अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के संगठन मंत्री राजेश चावत ने केंद्र आधारित कार्यक्रमों पर अपने विचार रखे और केंद्र के द्वारा निर्देशित आगामी कार्यक्रम दक्षिणांचल कार्यशाला सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मुख्य वक्ता ललित आच्छा ने कहा कि विद्यार्थी हो या शिक्षक हो या अभिभावक सबके लिए स्वस्थ मानसिकता स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचारों को समझना ही विज्ञान है। कार्यक्रम में उद्बोधन सप्ताह कार्यक्रम के प्रायोजक परिवार प्रकाश चंद दीपक कुमार, विकास कुमार, ध्रुव कुमार बाबेल एवं प्रयूषण पर्व के दौरान केंद्र से प्रकाशित अणुव्रत बुक और बच्चों के देश पत्रिका की बुकिंग पर विशेष छूट के प्रायोजक मनोहलाल अभिषेक कुमार मांडोत का सम्मान किया गया। आज के कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष रामलाल गन्ना, शांतिलाल पोरवाल, समिति सलाहकार बद्रीलाल पितलिया, माणक चंद मुथा, कन्हैयालाल चिप्पड़, हस्तीमल हिरण एवं पदाधिकारीगण उपाध्यक्ष चंद्र शेखर, सुरेंद्र नाथ मोदी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मांडोत, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार प्रसार कविता जैन, कार्यसमिति सदस्य विपिन पितलिया, विकास जैन, रूप चंद देसरला, सज्जनराज पितलिया, शांति सकलेचा, भानुप्रिया दुगड़, सभी सभा संस्था के पदाधिकारीगण, एवं श्रावक श्राविका आदि विशिष्ट जनो की उपस्थिति रही।

केंद्र ने लेनदेन के लिए यूपीआई के साथ ऑन-डिवाइस ऑथेंटिकेशन जैसे नए फीचर्स किए पेश

मुंबई/ नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को डिवाइस पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के साथ यूपीआई, यूपीआई में आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण और यूपीआई कैश पॉइंट्स पर यूपीआई का इस्तेमाल कर माइक्रो-एटीएम के माध्यम से नकद निकासी जैसे सुविधाओं को पेश किया। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, श्री एम. नागराजू, ने आज ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल (जीएफएफ) 2025 में तीन नए डिजिटल फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। डीएफएस सचिव एम. नागराजू द्वारा लॉन्च किया गया, यूपीआई के लिए ऑन-डिवाइस प्रमाणीकरण ग्राहकों को यूपीआई पिन मैन्युअल रूप से दर्ज करने के विकल्प के रूप में अपने स्मार्टफोन के अंतर्निहित सुरक्षा विकल्पों जैसे फिंगरप्रिंट या फेस अनलॉक के माध्यम से सीधे यूपीआई पेमेंट को प्रमाणित करने में सक्षम बनाता है।

यह सुविधा उन ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी जो इसे चुनना चाहते हैं, जिससे उन्हें प्रमाणीकरण के अपने पसंदीदा तरीके पर नियंत्रण मिलेगा। इसका उद्देश्य बार-बार पिन दर्ज करने की आवश्यकता को कम कर भुगतानों को तेज और अधिक सुरक्षित बनाना है।

प्रत्येक लेनदेन को जारीकर्ता बैंक द्वारा मजबूत क्रिप्टोग्राफिक जांच का इस्तेमाल कर स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया जाता है, जिससे अनुभव सरल और सहज रहते हुए उच्चतम स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

यूपीआई में आधार आधारित फेस प्रमाणीकरण उपयोगकर्ताओं को यूपीआई ऐप्स में सीधे अपना यूपीआई पिन सेट या रीसेट करने का एक नया और सुरक्षित तरीका प्रदान करता है।

अब तक, यूपीआई पिन बनाने के लिए डेबिट कार्ड डिटेल्स दर्ज करना या आधार ओटीपी वेरिफिकेशन से गुजरना पड़ता था।

यूपीआई पिन के लिए आधार आधारित फेस प्रमाणीकरण के साथ, ऑनबोर्डिंग तेज, सरल और अधिक समावेशी हो गई है।

यह समाधान आधार-आधारित चेहरे के सत्यापन के लिए यूआईडीएआई के 'फेसआरडी ऐप' का लाभ उठाता है, जिससे कई ओटीपी या कार्ड विवरणों को प्रबंधित करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और सुविधा व सुरक्षा दोनों बढ़ जाती है। बाद में अतिरिक्त प्रमाणीकरण वाले लेनदेन के लिए भी इसे लागू किया जाएगा।

डीएफएस सचिव ने यूपीआई कैश पॉइंट्स पर माइक्रो एटीएम के माध्यम से नकद निकासी के लिए एक नए माध्यम के रूप में यूपीआई की भी शुरुआत की।

छठे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 के साइडलाइन में मीडिया से बातचीत करते हुए एम. नागराजू ने कहा कि यूपीआई ग्लोबल स्तर पर 50 प्रतिशत डिजिटल भुगतानों को संचालित करता है। यूपीआई के विकास के बावजूद भी आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले पूरे समुदाय को फॉर्मल फाइनेंशियल सिस्टम में लाना सरकार के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

नागराजू ने कहा, कई जगहों पर हमें इंटरनेट की भी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, ऑफलाइन ट्रांजैक्शन, ग्रामीण लेनदेन एक चुनौती है।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से होने वाले ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाने को लेकर नागराजू ने सरकार की ओर से दो-हराया कि शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने जीएसटी सुधार को लेकर जोर देते हुए कहा कि कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियां अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही हैं। जबकि कुछ कंपनियां कमीशन कम कर रही हैं। इसलिए, हर कंपनी अपनी क्षमता के अनुसार अपनी बिजनेस प्लान डिजाइन करेगी।

उन्होंने कहा, एक बात तो तय है कि सभी बीमा कंपनियों, चाहे वे सार्वजनिक क्षेत्र की हों या निजी क्षेत्र की, सभी ने जीएसटी के जरिए बीमा लागत कम कर दी है। क्योंकि जीएसटी शून्य हो गया।

कश्मीर के चौर क्षेत्रों में पहुंचे 6 लाख से ज्यादा प्रवासी पक्षी

जम्मू, 07 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू और कश्मीर वन्यजीव संरक्षण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस मौसम में कश्मीर के चौर क्षेत्रों (वेटलेंड) में छह लाख से ज्यादा प्रवासी पक्षी पहुंचे हैं और आने वाले हफतों में और भी प्रवासी पक्षी आने की उम्मीद है। हालांकि औपचारिक गणना अभी बाकी है, लेकिन शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि इस सर्दी में घाटी के प्रमुख वेटलेंड में पक्षियों की अच्छी-खासी आमद हो सकती है।

एक अधिकारी ने बताया कि ये शुरुआती आंकड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रवासी पक्षी अभी भी आ रहे हैं और जल्द ही एक व्यापक गणना शुरू होने वाली है। अभी जो संख्या हम देख रहे हैं वह उत्साहजनक हैं। होकरसर, वुलर, ह्यगाम, शैलबुग और चटलाम जैसे प्रमुख चौर क्षेत्रों में छह लाख से अधिक पक्षी पहुंच चुके हैं। औपचारिक गणना जल्द ही शुरू होगी क्योंकि अक्टूबर के अंत तक अधिकतम आगमन अवधि जारी रहेगी।

हर साल, साइबेरिया, मध्य एशिया और उत्तरी यूरोप से 5 से 12 लाख पक्षी कश्मीर के वेटलेंड में प्रवास करते हैं। ये पक्षी, जिनमें अधिकतर जलपक्षी शामिल हैं, जैसे मल्लार्ड, गैडवाल, कामन टील, नार्दर्न पिनटेल और यूरेशियन विगान, अक्टूबर और दिसंबर के बीच आते हैं और मौसम और आवास की स्थिति के आधार पर मार्च या अप्रैल तक रहते हैं। श्रीनगर के पास स्थित होकरसर वेटलैंड में पहले ही मल्लार्ड और गैडवाल के बड़े झुंड देखे जा चुके हैं, जबकि रामसर साइट के रूप में मान्यता प्राप्त वुलर झील में 4 लाख से अधिक शुरुआती प्रवासी पक्षी आ चुके हैं। डल झील, ह्यगाम, शैलबुग, प्रिचल और चटलाम जैसी अन्य वेटलैंड्स में भी लगातार आगमन हो रहा है।

जम्मू कश्मीर वन्यजीव संरक्षण विभाग ने इस वर्ष अपने संरक्षण प्रयासों को तेज कर दिया है। प्रमुख वेटलैंड्स में अवैध शिकार विरोधी उपाय, सीसीटीवी निगरानी और पक्षी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। होकरसर में जल प्रबंधन सहित आवास पुनर्स्थापन को भी सुरक्षित बसेरा सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि हमने अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और इन प्रवासी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी बढ़ा दी है। सामुदायिक भागीदारी महत्वपूर्ण है, और हम स्थानीय निवासियों और पक्षी प्रेमियों को शामिल करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

सीबीआई जांच और कंपनियों के लाइसेंस रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दूषित कफ सिरप पीने से कम से कम 14 बच्चों की मौत की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है।

अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर इस याचिका में देश भर में सभी दूषित कफ सिरप बैचों पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें वापस मंगाने तथा सभी सिरप-आधारित फ़ॉर्मूलेशनों की अनिवार्य जाँच की भी माँग की गई है। अन्य राज्यों में हुई ऐसी ही घटनाओं का हवाला देते हुए, तिवारी ने आग्रह किया कि जाँच सर्वोच्च न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए।

याचिका में शोक संतप्त परिवारों को मुआवज़ा देने और दवा सुरक्षा अलर्ट की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए एक राष्ट्रीय फार्माकोविजिलेंस पोर्टल बनाने की मांग की गई है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है यह अधिकार सुनिश्चित करता है कि उपचार के लिए बनाई गई कोई भी दवा मौत का कारण न बने।

यह मामला छिंदवाड़ा में हुई उस त्रासदी से जुड़ा है जहाँ कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से 15 साल से कम उम्र के 14 बच्चों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार द्वारा किए गए परीक्षणों में पाया गया कि तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया था - एक ज़हरीला औद्योगिक विलायक जो दवाइयों में इस्तेमाल के लिए प्रतिबंधित है।

शुरुआती रिपोर्टों से पता चला कि सिरप पीने के बाद कई बच्चों को गंभीर गुर्दे की विफलता का सामना करना पड़ा और कुछ ही दिनों में मरने वालों की संख्या चौदह हो गई। बाद में महाराष्ट्र के नागपुर से भी इसी तरह के मामले सामने आए। याचिका में केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की निष्क्रियता पर सवाल उठाया गया है और आरोप लगाया गया है कि दूषित पदार्थों की पुष्टि होने के बावजूद कोई प्रतिबंध या चेतावनी जारी नहीं की गई।

अभिनेता और लेफ्टिनेंट कर्नल मोहनलाल को सेना प्रमुख ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख ने प्रसिद्ध अभिनेता और थलसेना के मानद अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल मोहनलाल को समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान और सशस्त्र बलों से सतत जुड़ाव के लिए सम्मानित किया। सेना प्रमुख ने मंगलवार को उन्हें यह सम्मान दिया। इस अवसर पर उन्हें सेना प्रमुख प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। अभिनेता मोहनलाल को मई 2009 में भारतीय टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि दी गई थी। तब से वे निरंतर भारतीय सेना से भावनात्मक रूप से जुड़े रहे हैं और अनुशासन, सेवा एवं राष्ट्र गौरव के आदर्शों को अपने जीवन में उतारते रहे हैं। वर्ष

2024 में वायनाड में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान उन्होंने स्वयं राहत कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई थी, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मानवता के प्रति समर्पण स्पष्ट हुआ।

सिनेमा जगत से परे, लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) मोहनलाल सामाजिक उत्थान के कार्यों में भी अग्रणी रहे हैं। उनके विश्व शांति फाउंडेशन के माध्यम से देशभर में शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, पर्यावरण संरक्षण और कल्याण से जुड़ी अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं।

चार दशकों से अधिक लंबे अपने फिल्मी करियर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है, जिनमें मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी जैसी प्रमुख भाषाओं की फिल्में शामिल हैं। उनकी अदाकारी ने न केवल भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया है, बल्कि करोड़ों दर्शकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया है।

मोहनलाल को अब तक कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है, जिनमें पद्मश्री (2001), पद्मभूषण (2019), और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार (2025) शामिल हैं।

सेना ने उनके प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए बताया कि मोहनलाल जैसे व्यक्तित्व देश के युवाओं को प्रेरित करते हैं कि राष्ट्रसेवा केवल वर्दी पहनने तक सीमित नहीं, बल्कि उसे आत्मा से जीने की भावना है। यह सम्मान न केवल एक कलाकार की उपलब्धियों का प्रतीक है, बल्कि उस व्यक्ति के राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, और सेवा-भावना को भी दर्शाता है, जिसने कला और कर्तव्य, दोनों में समरसता स्थापित की है।

मोहनलाल ने कहा कि आज मुझे सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा सेना मुख्यालय में सातों सैन्य कमांडरों की उपस्थिति में सेना प्रमुख प्रशंसा पत्र से सम्मानित किए जाने का गौरव प्राप्त हुआ। एक मानद लेफ्टिनेंट कर्नल के रूप में यह क्षण मेरे लिए गर्व और कृतज्ञता से भरा है। उन्होंने कहा, मैं जनरल उपेंद्र द्विवेदी, भारतीय सेना, और टेरेटोरियल आर्मी की अपनी यूनिट का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

सीबीआई का सर्जिकल स्ट्राइक : इंटरपोल ऑपरेशन हैची में 8 मुख्य आरोपी गिरफ्तार, करोड़ों की धोखाधड़ी का खुलासा

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय साइबर अपराधियों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक बड़ी सफलता हासिल की है। सीबीआई ने इंटरपोल द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन हैची-वीआई में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए, सीमा पार साइबर अपराधों के आठ प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन का लक्ष्य सात विशिष्ट प्रकार के साइबर अपराधों को निशाना बनाना था, जिनमें वॉयस फिशिंग, लव/रोमांस स्कैम, ऑनलाइन सेक्सटॉर्शन, निवेश धोखाधड़ी, अवैध ऑनलाइन जुए से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग, बिजनेस ईमेल समझौता और ई-

कॉमर्स धोखाधड़ी शामिल हैं। ऑपरेशन हैची- वीआई के दौरान, सीबीआई के अंतर्राष्ट्रीय परिचालन प्रभाग ने एफबीआई (यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस) और जर्मन अधिकारियों के साथ मिलकर घनिष्ठ समन्वय स्थापित किया। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप, सीबीआई ने 08 अपराधियों को गिरफ्तार किया और 45 संदिग्धों की पहचान की, जो सीमा पार साइबर-सक्षम वित्तीय अपराधों में लिप्त थे। इस अभियान में अपराधियों से 66,340 अमेरिकी डॉलर (करीब 55 लाख) नकद राशि बरामद की गई और अपराध में शामिल 30 बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से ब्लॉक कर दिया गया।

सीबीआई ने एफबीआई, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस से प्राप्त परिचालन इनपुट पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, दो ऐसे अपराधियों को पकड़ा जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अमेरिका की नाबालिग लड़कियों को निशाना बना रहे थे। ये अपराधी उन्हें उनकी अश्लील तस्वीरें/वीडियो साझा करने के लिए उकसाने और धमकाने का काम कर रहे थे।

एफबीआई के इनपुट के आधार पर, सीबीआई ने साइबर-सक्षम सीमा पार वित्तीय अपराधों का एक बड़ा नेटवर्क ध्वस्त किया। यह नेटवर्क नई दिल्ली और अमृतसर में चल रहे अवैध कॉल सेंटरों के माध्यम से काम कर रहा था। ये अपराधी छद्म नामों का उपयोग करके अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाते थे और उन्हें तकनीकी सहायता सेवाओं की आड़ में धोखा देकर मोटी रकम ऐंठते थे।

इसी प्रकार, जर्मन अधिकारियों से प्राप्त इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, सीबीआई ने दार्जिलिंग के सिलीगुड़ी में चल रहे एक अन्य अवैध कॉल सेंटर नेटवर्क को ध्वस्त किया। यह केंद्र जर्मन नागरिकों को तकनीकी सहायता सेवाओं के बहाने ऑनलाइन निशाना बना रहा था और उन्हें धोखाधड़ी का शिकार बना रहा था। सीबीआई ने स्पष्ट किया कि ये साइबर-सक्षम अपराध नेटवर्क नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा हैं। इस ऑपरेशन से प्रमुख सीमा पार साइबर-सक्षम अपराध नेटवर्कों को ध्वस्त करने और उनमें महत्वपूर्ण बाधा उत्पन्न करने में सफलता मिली है।

आजम खान से मिलने कल रामपुर जाएंगे अखिलेश यादव, चार्टर प्लेन से बरेली में उतरेंगे, प्रशासन अलर्ट पर

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मिलने रामपुर जाएंगे। वे चार्टर प्लेन से बरेली के अमौसी एयरपोर्ट पर उतरेंगे। फिर वहां से कार से रामपुर जाएंगे। अखिलेश के कार्यक्रम के मद्देनजर जहां बरेली और रामपुर के पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है, वहीं दोनों जिलों का प्रशासन भी पूरी तरह से चौकस है। हाल ही में जेल से छूटने के बाद आजम खां के कहीं और ठिकाना ढूंढने की खबरें सुर्खियां बटोर रही थीं। माना जा रहा है कि अखिलेश के उनसे मिलने जाने के साथ ही इन चर्चाओं पर काफी हद तक विराम लग जाएगा। साथ ही अखिलेश यादव यह संदेश भी देना चाहते हैं कि सपा में आजम खां जैसे पार्टी संस्थापक सदस्यों का पूरा सम्मान है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस मुलाकात से आजम खां के गिले-शिकवे भी दूर हो जाएंगे।

यहां बता दें कि आजम खां के जेल से रिहा होने के दिन सपा का कोई बड़ा नेता उनसे मिलने नहीं गया था, इसको लेकर उन्होंने व्यंगात्मक अंदाज में कहा था कि अगर मैं बड़ा नेता होता तो मुझसे मिलने बड़े नेता आते।

सूत्रों के मुताबिक, अखिलेश बरेली में पिछले दिनों पुलिस लाठीचार्ज की घटना और उसके बाद उपजी स्थिति पर भी स्थानीय कार्यकर्ताओं व नेताओं से जानकारी लेंगे।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव के आगमन को लेकर मंगलवार को प्रशासन दिनभर तैयारियों में जुटा रहा। अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी किए गए कार्यक्रम के मुताबिक सपा मुखिया बुधवार को दोपहर 12.30 बजे रामपुर पहुंचेंगे। वह सीधे सपा नेता आजम खां से मिलने के लिए पहुंचेंगे। यहां वह करीब एक घंटे तक सपा नेता आजम खां से मुलाकात करेंगे। आजम खां के करीबियों की मानें तो घंटे भर की मुलाकात के दौरान दोनों ही नेता आपस में आपसी गिले शिकवे दूर करेंगे। अखिलेश आजम की सेहत का हाल जान भी जानेंगे। उनके कार्यक्रम को लेकर सपाइयों के साथ ही प्रशासन की ओर से भी तैयारियां की गई हैं। प्रशासन की ओर से तीन मजिस्ट्रेट लगाए गए हैं। इसके साथ ही सीओ को भी सुरक्षा के लिहाज से लगाया गया है। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं।

अखिलेश यादव के रामपुर आगमन से पहले आजम खां ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव के आने का कोई कार्यक्रम तो नहीं है, लेकिन सुना है कि वह मुझसे मिलने आ रहे हैं। कहा कि यह आप सभी का प्यार है कि एक मुर्गी चोर से मिलने आ अखिलेश रहे हैं।

अंडरगार्मेंट फैक्टरी की लिफ्ट के दरवाजे में गर्दन फंसने से मजदूर की मौत

कानपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। नौबस्ता थाना क्षेत्र के हंसपुरम इलाके में रविवार शाम अंडरगार्मेंट्स की फैक्टरी में काम कर रहे मजदूर की गर्दन लिफ्ट में फंसने से उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटना की जांचकर फायर ब्रिगेड टीम की मदद से शव को बामुश्किल बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि के-ब्लॉक किदवईनगर निवासी आनंद अग्रवाल की हंसपुरम आवास-विकास योजना-2 में अंडर गार्मेंट्स की फैक्टरी है। फैक्टरी में बाबूपुरवा के बगाही भट्ठा निवासी पवन पासवान (19) मजदूरी करता था। मंगलवार शाम करीब छह बजे पवन कपड़े की गाठों को ऊपरी मंजिल पर ले जाने के लिए लिफ्ट में रख रहा था। तभी अचानक लिफ्ट का दरवाजा झटके से बंद हो गया। उसकी गर्दन लिफ्ट में अंदर की तरफ फंसी रह गई। बाकी शरीर बाहर ही रहा। लिफ्ट के ऊपर जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना पर फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और शव को निकालने का प्रयास शुरू किया। शव को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। परिजनों के अनुसार पवन रोजाना की तरह सुबह आठ बजे काम पर गया था। शाम को फैक्टरी मालिक ने पवन की चाची सुमन को पवन के घायल होने व अस्पताल ले जाने की बात बताई। परिजन फैक्टरी पहुंचे तो वहां पवन का शव मिला। इसके बाद मां रानी, बहन स्वाति और साथ गए अन्य लोग बिलख पड़े।

यूपी को वैश्विक फूड बास्केट बनाना हमारा संकल्प : योगी

वाराणसी में डायरेक्ट सीडेड राइस कॉन्क्लेव में बोले मुख्यमंत्री

वाराणसी, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस (डीएसआर) कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक फूड बास्केट के रूप में तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि यदि समय पर तकनीक और बीज उपलब्ध कराए जाएं तो प्रदेश आज से तीन गुना अधिक उत्पादन करने में सक्षम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी ने लक्ष्य तय किया है कि 2029-30 तक प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाया जाएगा, जिसमें कृषि क्षेत्र सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरी (आईआरअ-रआई) और सीआईपी जैसे संस्थानों के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान विश्वनाथ की नगरी और उनके सहयोगी वृषभ हमें उन्नत खेती की ओर प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नं बहु कुर्वीत तद् व्रतम् की परंपरा को आगे बढ़ाना ही हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी कृषि के लिए उर्वरता, सिंचाई और पर्याप्त धूप सबसे आवश्यक हैं और इन तीनों दृष्टियों से भारत अत्यंत संपन्न है। देश के पास 17 करोड़ हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है, जिसमें से 60 फीसदी भूमि सिंचित है। यूपी तो अकेले देश का 21 फीसदी खाद्यान उत्पादन करता है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते 11 सालों में कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड, कृषि बीमा, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, लागत से डेढ़ गुना एमएसपी और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पास 11 फीसदी भूभाग और 17 फीसदी जनसंख्या है, लेकिन यह अकेला राज्य 21 फीसदी खाद्यान्न उत्पादन करता है। धान, गेहूं, गन्ना, आलू, दलहन और तिलहन की खेती में यूपी अग्रणी है।

यूपी के पास राज्य सरकार के चार, केंद्र सरकार के दो और एक निजी कृषि विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा 89 कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को तकनीकी सहायता दे रहे हैं। 2018 में वाराणसी में ईरी का दक्षिण एशिया केंद्र खुलने के बाद धान की विभिन्न वैरायटी पर रिसर्च जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काला नमक चावल भगवान बुद्ध द्वारा तीन हजार साल पहले दिया गया था। इसे हम भगवान बुद्ध के प्रसाद के रूप में पूरी दुनिया में बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूपी में धान की खेती का 8 हजार साल पुराना इतिहास है। तंजावुर और रामनाथपुरम के शिलालेखों में प्राचीन भारत की उन्नत खेती के प्रमाण मिलते हैं।

आजादी के बाद यूपी में 11.77 मिलियन टन खाद्यान्न का उत्पादन होता था, जो अब बढ़कर 60 ट्रिलियन टन हो गया है। रकबा भी 170 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 240 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। यह पांच गुना की वृद्धि को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर 250 एकड़ में सीड पार्क स्थापित किया जाएगा। यहां से जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए बेहतर बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। डीजी ईरी यवोन पिंटो और डीजी सीआईपी डॉ साइमन हेक की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि आगरा में जल्द ही इंटरनेशनल पोटेटो सेंटर स्थापित होगा।

कॉनक्लेव में आईआरआरआई और जेएनवीवी द्वारा विकसित बैट्री संचालित ई-सीडर और प्रिसिजन हिल सीडर का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही धान की सीधी बुवाई, जीरो टिलेज गेहूं और समृद्धि धान नेटवर्क पर आधारित प्रकाशन सामग्री का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जाहिर की कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर वैज्ञानिक अब केवल लैब तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि जमीन पर उतरकर रिसर्च का डेमॉन्स्ट्रेशन करेंगे ताकि किसानों तक नई तकनीक सीधे पहुंचे। उन्होंने कहा कि यूपी में 70 लाख हेक्टेयर में धान, 100 लाख हेक्टेयर में गेहूं और 29 लाख हेक्टेयर में गन्ने की खेती की जाती है। दलहन और तिलहन के लिए भी यहां व्यापक भूमि है।

इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री रवींद्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालु, बलदेव सिंह औलख, प्रमुख सचिव कृषि रवींद्र कुमार, डीजी ईरी यवोन पिंटो और डीजी सीआईपी डॉ. साइमन हेक, श्रीलंका के कृषि सचिव डीबी विक्रमसिंघे, डायरेक्टर आईएसएअ-रसी डॉ. सुधांशु सिंह सहित बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

शरिया मुल्क का सपना, करोड़ों की फंडिंग और जबरन धर्मांतरण

सरगना छांगुर के खिलाफ एटीएस ने दाखिल की चार्जशीट

बड़ी इमारत में थी आतंकी ट्रेनिंग सेंटर बनाने की योजना

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। अवैध धर्मांतरण के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए यूपी एंटी टेररिस्ट स्काड (एटीएस) ने जलालुद्दीन उर्फ छांगुर और उसकी करीबी नीतू उर्फ नसरीन समेत 6 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है।

लखनऊ से लेकर मुंबई तक चल रहे इस नेटवर्क में विदेशी फंडिंग, करोड़ों की सम्पत्ति और हिंदू-सिख युवतियों को बहलाकर धर्मांतरण कराने की साजिश का खुलासा हुआ है। आरोपियों में एक सीजेएम कोर्ट का कर्मचारी भी शामिल है।

चार्जशीट के मुताबिक, छांगुर एक संगठित गिरोह चलाता था। वह लखनऊ से मुंबई तक हिंदू और सिख लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनका अवैध धर्मांतरण कराता था। धर्म बदलने के लिए लड़कियों को डराया-धमकाया भी जाता था। कई मामलों में उन्हें केस में फंसाने की धमकी दी गई। एटीएस की जांच में सामने आया है कि दुबई की कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए की फंडिंग की गई।

यह पैसा नीतू और उसके पति नवीन रोहरा के खातों में जमा होता था। इस फंड से बलरामपुर और आसपास के क्षेत्रों में करोड़ों की सम्पत्तियां खरीदी गईं। जांच में पता चला कि सम्पत्तियों की खरीद में कोर्ट कर्मचारी राजेश उपाध्याय ने भी मदद की।

एटीएस के अनुसार, छांगुर और उसका गिरोह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर शरिया कानून लागू करना चाहता था। इसके लिए एक बड़ी इमारत में आतंकी ट्रेनिंग सेंटर बनाने की योजना थी। इसका मकसद देश में अस्थिरता फैलाना था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस रैकेट की जांच शुरू की थी। ईडी को दुबई से करोड़ों की फंडिंग के सबूत मिले। अब तक 13 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। इनमें लग्जरी गाड़ियां और कीमती जमीनें भी शामिल हैं। एटीएस ने लखनऊ की एनआईए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। अब तक इस मामले में 6 आरोपियों छांगुर, नसरीन, रशीद, सबरोज, शहाबुद्दीन, राजेश उपाध्याय के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हो चुके हैं। सभी आरोपी जेल में बंद हैं। बाकी की जांच अभी जारी है।

सांसदों की चौखट तक पहुंचा टीईटी अनिवार्यता का फैसला

15 नवंबर के बाद बड़े आंदोलन की हो रही तैयारी

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के प्राथमिक शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता का मामला अब सांसदों की चौखट तक पहुंच गया है। शिक्षकों ने दो सांसदों को ज्ञापन दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा परिषदीय शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरुद्ध ज्ञापन देने का अभियान जारी है। इस क्रम में अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मंगलवार को कैसरगंज से सांसद करण भूषण सिंह, फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद एवं राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी को ज्ञापन दिया गया।

इस देशव्यापी मोर्चे में शामिल संगठनों के माध्यम से शिक्षकों ने सांसदों को ज्ञापन देकर केंद्र सरकार पर इसके लिए दबाव बनाने की मांग की कि वे पहल करे। ताकि देश भर के लाखों शिक्षकों को राहत मिल सके। अलग-अलग स्थानों पर पदाधिकारियों विनय तिवारी, डॉ. संजय सिंह, डॉ. अमित सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। इसमें शिक्षकों ने टीईटी अधिनियम लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इससे छूट देने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की। सांसदों को बताया गया कि प्रदेश में शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने की तिथि 29 जुलाई 2011 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी अनिवार्यता के फैसले से छूट देने के लिए देशव्यापी आंदोलन चल रहा है। सांसदों ने आश्वासन दिया कि वे इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री से मिलकर समाधान का प्रयास करेंगे।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी और जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इस मोर्चे की राज्य स्तरीय बैठक 15 नवंबर को आयोजित की गई है। इसमें सभी घटक संगठन शामिल होंगे।

काशी में हर दूसरे दिन एक व्यक्ति कर रहा देहदान

मेडिकल छात्रों के रिसर्च में आ रहा काम

वाराणसी, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। आध्यात्मिक नगरी काशी में हर दूसरे दिन एक व्यक्ति देहदान कर रहा है। अपना घर आश्रम के आंकड़ों के मुताबिक वार-ाणसी में एक साल में 158 लोगों ने देहदान किया। इससे मेडिकल छात्रों के रिसर्च में सुविधा हो रही है।

वैदिक काल से लेकर रीतिकाल तक काशी में मृत्यु से मोक्ष की बात मानी जाती थी। वर्तमान में मृत्यु के बाद देहदान के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। यह देहदान मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए किया जा रहा है, ताकि छात्र शरीर के संरचनाओं पर रिसर्च कर चिकित्सक बन सकें। अपना घर आश्रम के आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में 158 लोगों का देहदान किया गया। अधिकतर शव बीएचयू आईएमएस को दिए जाते हैं। आश्रम के संचालक डॉ. के निरंजन बताते हैं कि जिन लोगों की पहचान नहीं हो पाती, उनके शवों को नियमानुसार आईएमएस बीएचयू को सौंप दिया जाता है।

डॉ. निरंजन बताते हैं कि आश्रम में कई बार ऐसे लोग भी पहुंचते हैं जिनकी मृत्यु स्वाभाविक कारणों से होती है। ऐसे मामलों में पुलिस की उपस्थिति में पंचनामा कराया जाता है। कोई परिजन नहीं मिलता है तो उनका देहदान कर दिया जाता है। हालांकि आकस्मिक मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के बाद शव रिसर्च के योग्य नहीं रहता। आश्रम ने केवल स्वाभाविक मृत्यु वाले लोगों के देहदान की परंपरा शुरू की। डॉ. निरंजन बताते हैं कि देहदान पूरी तरह लोगों की इच्छा पर होता है। संस्थान को शव दान करने से पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि तीन महीने तक उसे सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि कोई परिजन पहुंच जाए तो उसे शरीर सौंपा जा सके। इस अवधि के बाद शरीर मेडिकल कॉलेजों, विशेषकर काशी हिंदू विश्वविद्यालय को शोध कार्यों के लिए दिया जाता है।

मशहूर हेयर डिजाइनर जावेद हबीब और बेटा निकला ठग

दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज, करोड़ों की ठगी की शिकायतें

संभल, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब पर संभल पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। जावेद हबीब और उसके बेटे अनोस हबीब और सहयोगी के खिलाफ करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज किए गए हैं। अभी तक पुलिस के सामने 35 पीड़ित लोग पहुंच चुके हैं।

संभल के रायसत्ती थाने में जाने माने हेयर ड्रेसर जावेद हबीब, उसके बेटे अनोस हबीब व सहयोगी नई सराय निवासी सैफुल के खिलाफ अलग-अलग तहरीर के आधार पर पांच और मुकदमे दर्ज किए गए हैं। ठगी के शिकार लोगों की तहरीर के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। अभी तक पुलिस के सामने 35 पीड़ित लोग पहुंच चुके हैं। कॉइन में निवेश के नाम पर यह ठगी की गई। इस मामले में अब तक 20 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं।

पीड़ितों के अनुसार संभल और उसके आसपास के रहने वाले सैकड़ों लोगों से करीब पांच करोड़ रुपए की ठगी होने का अनुमान है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि असमोली थाना क्षेत्र के गांव मदाला निवासी सुहेब, मदाला फत्तेहपुर निवासी अजीम, अकबरपुर गहरा निवासी आगोशे चमन, हुमा फराज और नखासा थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर देव निवासी अंसार हुसैन की तहरीर के आधार पर यह रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसकी जांच पड़ताल लगातार चल रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जानी है। मालूम हो जावेद हबीब और उसके बेटे व अन्य के खिलाफ पहला मुकदमा 24 सितंबर को दर्ज किया गया था। 12 दिन में 20 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। संभल पुलिस की किसी भी धोखाधड़ी के मामले में सबसे बड़ी कार्रवाई है। एसपी ने बताया कि एफएलसी कॉइन में लोगों से निवेश कराया और मूल रकम भी नहीं लौटी। इसके बाद ही लोगों को ठगी का शिकार होने का अहसास हुआ और पुलिस तक पहुंचे। इसके बाद पीड़ितों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

रायसत्ती थाने में जाने माने हेयर ड्रेसर जावेद हबीब, उसके बेटे अनोस हबीब व सहयोगी नई सराय निवासी सैफुल के खिलाफ अलग-अलग तहरीर के आधार पर पांच और मुकदमे दर्ज किए गए हैं। ठगी के शिकार लोगों की तहरीर के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इसमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। अभी तक पुलिस के सामने 35 पीड़ित लोग पहुंच चुके हैं।

कॉइन में निवेश के नाम पर यह ठगी की गई। इस मामले में अब तक 20 मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। पीड़ितों के अनुसार संभल और उसके आसपास के रहने वाले सैकड़ों लोगों से करीब पांच करोड़ रुपए की ठगी होने का अनुमान है।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि असमोली थाना क्षेत्र के गांव मदाला निवासी सुहेब, मदाला फत्तेहपुर निवासी अजीम, अकबरपुर गहरा निवासी आगोशे चमन, हुमा फराज और नखासा थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर देव निवासी अंसार हुसैन की तहरीर के आधार पर यह रिपोर्ट दर्ज की गई है। इसकी जांच पड़ताल लगातार चल रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जानी है।

मालूम हो जावेद हबीब और उसके बेटे व अन्य के खिलाफ पहला मुकदमा 24 सितंबर को दर्ज किया गया था। 12 दिन में 20 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। संभल पुलिस की किसी भी धोखाधड़ी के मामले में सबसे बड़ी कार्रवाई है।

एसपी ने बताया कि एफएलसी कॉइन में लोगों से निवेश कराया और मूल रकम भी नहीं लौटी। इसके बाद ही लोगों को ठगी का शिकार होने का अहसास हुआ और पुलिस तक पहुंचे। इसके बाद पीड़ितों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

विधान परिषद चुनाव के मद्देनजर आयोग का आदेश

72 जिलों के डीएम-एसडीएम के तबादले पर रोक

लखनऊ, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के 72 जिलों के डीएम-एसडीएम के तबादले पर 30 दिसंबर तक रोक लगा दी गई है। विधान परिषद सीटों की मतदाता सूची तैयार करने के मद्देनजर चुनाव आयोग ने यह आदेश दिया है।

कहा गया है कि आयोग की अनुमति के बिना अभियान में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले नहीं हो सकेंगे। उत्तर प्रदेश में 30 दिसंबर तक 72 जिलों के डीएम व एसडीएम के तबादले चुनाव आयोग की बिना पूर्व अनुमति के नहीं हो सकेंगे। आयोग ने विधान परिषद की 11 सीटों की मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण अभियान के मद्देनजर सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के स्थानांतरण पर रोक लगा दी है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में मेरठ, आगरा, वाराणसी, लखनऊ, झांसी, बरेली और गोरखपुर के मंडलायुक्त भी इस दायरे में आएंगे।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक के 5 निर्वाचन क्षेत्रों लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ व इलाहाबाद-झांसी और खंड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों लखनऊ, वार-ाणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद की मतदाता सूचियों को नए सिरे से तैयार करने का काम 30 सितंबर से प्रारंभ हो चुका है। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को होगा। यह प्रक्रिया प्रदेश में कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव छोड़कर अन्य सभी जिलों में चल रही है।चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों की तैयारी के काम में भूमिका निभाने वाले निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पदाभिहीत अधिकारी एवं अतिरिक्त पदाभिहीत अधिकारी आदि को भारत निर्वाचन आयोग की अनुमति के बिना अंतिम प्रकाशन यानी 30 दिसंबर तक स्थानांतरित करने पर रोक लगा दी गई है। इतना ही नहीं अगर इस काम में जरूरत के हिसाब से बूथ लेबल अधिकारियों का सहयोग लिया जाएगा, तो यह रोक उनके मामले में भी लागू होगी।

इन 11 निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में मेरठ, आगरा, वाराणसी, लखनऊ, झांसी, बरेली और गोरखपुर के मंडलायुक्त काम कर रहे हैं। इन मंडलों के अपर आयुक्त (प्रशासन) भी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाए गए हैं। खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में शामिल जिलों के डीएम भी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में अधिसूचित हैं। इसके अलावा इन निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एसडीएम, एसीएम, बीडीओ, ईओ व तहसीलदार) भी इस अभियान में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में तैनात किए गए हैं।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दर्शाते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजनक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खर्चीली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी।

जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सीरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था

जहरीली दवा बनी अभिशाप

प्रमोद भार्गव

यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा। क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। लेकिन देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भण्डार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। साफ है, नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है।

राजस्थान में सर्दी-खांसी की दवा के सेवन से 16 बच्चों की मौत हो गई। इन बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सीरप स्वास्थ्य लाभ के लिए दिया गया था, किंतु यह मौत का कारण बन गया। इसकी गुणवत्ता संदेह के दायरे में है। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं दवा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा है कि संदिग्ध सिरप को परीक्षण के लिए 1 अक्टूबर को तमिलनाडु भेजा था। इसकी रिपोर्ट तीसरे दिन मिल गई थी। किंतु मप्र में 29 सितंबर से जांच जारी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई। जबकि इसी बीच स्वास्थ्य विभाग का कार्य देख रहे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सार्वजनिक बयान दे दिया कि सीरप के नौ नमूनों में हानिकारक तत्व नहीं मिले हैं। यह सीरप श्रीसन कंपनी बनाती है, जिसकी उत्पादन इकाई तमिलनाडु के कांचीपुरम में है। मप्र सरकार के कहने पर तमिलनाडु सरकार के औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी की उत्पादन इकाई से नमूने लेकर जांच की तो एसआर-13 बैच में हानिकारक रसायन डायथिलीन ग्लायकल (डीईजी) पाया गया। दवा में इसकी निर्धारित मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि इसका प्रतिशत जांच में 48 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और इसके उपयोग एवं विक्रय पर रोक लगा दी। मृतक बाल-गोपालों का इलाज करने वाले छिंदवाड़ा के चिकित्सक डॉ प्रवीण सोनी पर मामला दर्ज करके, उन्हें फिलहाल जमानत पर रिहा कर दिया है। इन मौतों और इस रिपोर्ट के बाद सतर्कता बरतते हुए कई राज्य सरकारों ने इस दवा को प्रतिबंधित कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी सलाह दी है कि दो वर्ष से छोटे बच्चों को कफ सीरप नहीं पिलाया जाए। इस पूरी प्रक्रिया से लगता है कि देश में दवा की निगरानी तंत्र कमजोर है। यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा। क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। लेकिन देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भण्डार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। साफ है, नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है। इसके पहले 2019-20 में जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सीरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था। कंपनी पर एफआईआर हुई, लेकिन मामला अभी भी लंबित है। वर्ष 2022 में हरियाणा की दवा कंपनी के सीरप से गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में

65 बच्चों की मौतें हो गई थीं। सितंबर 2008 में भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी रैनबैक्सी की तीस जेनेरिक दवाओं को अमेरिका ने प्रतिबंधित किया था। रैनबैक्सी की देवास (मध्य प्रदेश) और पांवटा साहिब (हिमाचल प्रदेश) में बनने वाली दवाओं के आयात पर अमेरिका ने रोक लगाई थी। अमेरिका की सरकारी संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) का दावा था कि रैनबैक्सी की भारतीय इकाइयों से जिन दवाओं का उत्पादन हो रहा है उनका मानक स्तर अमेरिका में बनने वाली दवाओं से घटिया है। ये दवाएं अमेरिकी दवा आचार संहिता की कसौटी पर भी खरी नहीं उतरी थीं। जबकि भारत की रैनबैक्सी ऐसी दवा कंपनी है जो अमेरिका को सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती है। रैनबैक्सी एक साल में कई हजार करोड़ की दवाएं देश व दुनिया में बेचती है। ऐसी ही बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां किसी आचार संहिता के पालन के पक्ष में नहीं हैं। किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी ये रोड़ा अटकाने का काम करती हैं। क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाये हुए हैं। छोटी दवा कंपनियों के संघ का तो यहां तक कहना है कि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी तौर से रोक लग जाए तो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी तक कम हो जाएंगी। चूंकि दवा का निर्माण एक विशेष तकनीक के तहत किया जाता है और रोग व दवा विशेषज्ञ चिकित्सक ही पर्चे पर एक निश्चित दवा लेने को कहते हैं। दरअसल इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि रोगी और उसके अभिभावक दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं, इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होती है। इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा कारोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए महंगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने के नजरिये से कुछ समय पहले केन्द्र सरकार ने दवा कंपनियों से ही एक आचार संहिता लागू कर उसे कड़ाई से अमल में लाने की अपील की थी। लेकिन संहिता का जो स्वरूप सामने लाया गया, वह राहत देने वाला नहीं था। संहिता में चिकित्सकों को उपहार व रिश्वत देकर न तो अनैतिक कारगुजारियों को लेकर कोई साफगोई है और न ही संहिता की प्रस्तावित शर्तें व कानून बाध्यकारी हैं। इन प्रस्तावों को लेकर दवा संघों में भी मतभेद हैं। विज्ञान की प्रगति और उपलब्धियों के सरोकार आदमी और समाज के हितों में निहित हैं। लेकिन हमारे देश में मुक्त बाजार की उदारवादी व्यवस्था के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जब आगमन हुआ, तो उसके तईं जिस तेजी से व्यक्तिगत व व्यवसायजन्य अर्थ-लिप्सा और लूटतंत्र का विस्तार हुआ है, उसके शिकार चिकित्सक तो हुए ही, निगरानी तंत्र भी इसकी चपेट में है। नतीजतन देखते-देखते भारत के दवा बाजार में बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों की 70 प्रतिशत से भी ज्यादा की भागीदारी हो गई। इनमें से 25 फीसदी दवा कंपनियां ऐसी हैं जिन पर व्यवसायजन्य अनैतिकता अपनाने के कारण अमेरिका भारी आर्थिक दण्ड दे चुका है। ऐसे हालात में चिकित्सक अनैतिकता और दवा कंपनियां केवल लाभ का दृष्टिकोण अपनाएंगी तो आर्थिक रूप से कमजोर तबका तो स्वास्थ्य चिकित्सा से बाहर होगा ही, जो मरीज दवा ले रहे हैं उनके मर्ज की दवा सटीक दी जा रही हैं अथवा नहीं इसकी गारंटी भी नहीं रह जाएगी? इस कारण सरकार ने 2009 के आरंभ में दवा कंपनियों के संघ से स्वयं एक आचार संहिता बनाकर अपनाने को कहा था। साथ ही सरकार ने यह हिदायत भी दी थी कि यदि कंपनियां इस अवैध गोरखधंधे पर अंकुश नहीं लगातीं तो सरकार को इस बाबत कड़ा कानून लाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। लेकिन सरकारी चेतावनी की परवाह किए बिना दवा कंपनियों का संघ जो नई आचार संहिता सामने लाया, उसमें उपहार के रूप में लाभ देने का केवल तरीका बदला गया। मसलन तोहफों का सिलसिला बदस्तूर जारी रहेगा। संहिता में केवल दवा निर्माताओं से उम्मीद जताई गई है कि वे चिकित्सकों को टीवी, फ्रिज, एसी, लैपटॉप, सीडी, डीवीडी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण व नकद राशि नहीं देंगे। लेकिन वैज्ञानिक सम्मेलन, कार्यशालाओं और परिचर्चाओं के बहाने उपहार देने का सिलसिला और चिकित्सकों की विदेश यात्राएं जारी रहेंगी। जाहिर है आचार संहिता के बहाने चिकित्सक और उनके परिजनों को विदेश यात्रा की सुविधा को परंपरा बनाने का फरेब संहिता में जानबूझकर डाला गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि भारत में बनने वाली दवाएं करीब 35 प्रतिशत नकली होती हैं। एसौचेम के मुताबिक देश में 25 प्रतिशत की दर से हर साल इस कारोबार में इजाफा हो रहा है। बहरहाल भारत सरकार को दवाओं पर निगरानी के लिए मजबूत तंत्र खड़ा करने की जरूरत है।

देश दुनिया से

प्रदेश में बंदरों का आतंक व संरक्षण की चुनौती

हिमाचल प्रदेश अपने प्राकृतिक सौंदर्य, हरे-भरे जंगल, शांत वातावरण व समृद्ध जैव-विविधता के लिए विख्यात है। किसी भी क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता वहां के पारिस्थितिकीय संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। विगत कुछ वर्षों में प्रदेश में मानव-वन्य जीव संघर्ष की समस्या गंभीर रूप से सामने आई है, जिसमें बंदरों का आतंक मुख्य है। बंदरों के आक्रामक व्यवहार ने लोगों के जीवन को केवल असुरक्षित ही नहीं, अपितु संकट में डाल दिया है। हाल ही में शिमला में एक महिला और पिछले महीने रामपुर में एक पुरुष की बंदरों के हमले से गिरने के कारण मृत्यु का समाचार, से स्पष्ट होता है कि यह समस्या केवल डर और असुविधा तक सीमित नहीं रही, बल्कि जानलेवा रूप ले चुकी है। मानव-वन्य जीव संघर्ष की यह समस्या केवल शिमला ही नहीं, अपितु सिरमौर, सोलन, कांगड़ा, मंडी और बिलासपुर में भी समान है। वर्तमान में बंदर केवल जंगलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहरी क्षेत्रों में भी खुलेआम कौतुहल करते नजर आते हैं। उनकी निडरता व आक्रामक व्यवहार बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। बंदर-मानव के इस संघर्ष को बंदरों का आतंक कहा जाता है, जो सीधे तौर पर मानव जीवन के लिए खतरा बन चुका है। यह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से भी समाज को प्रभावित कर रही है। पारिस्थितिक संतुलन में प्रत्येक वन्य जीव की अहम भूमिका होती है, जिसमें बंदर प्रजाति भी अछूती नहीं रहती। लेकिन बंदर-मानव संघर्ष का जो स्तर आज हमारे सामने है उसके लिए कहीं न कहीं मानव स्वयं जिम्मेवार है। शहरीकरण तथा वनों की अंधाधुंध कटाई के चलते हमने बंदरों के प्राकृतिक आवास को ही नष्ट कर दिया। जब उन्हें जंगलों में पर्याप्त भोजन नहीं मिला, तो उनका गांवों और शहरों की तरफ रुख करना स्वाभाविक है। पहले बंदर मानव से डरते थे, लेकिन लोगों की धार्मिक मान्यताओं और आस्था के कारण निडर होते गए। मंदिरों और शहरों में बंदरों को खाना खिलाने की परंपरा ने उन्हें मानव पर निर्भर बना दिया। अपने भोजन के लिए उनका आक्रामक होना भी सामान्य सी बात है, लेकिन इसके परिणाम असामान्य है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारी प्रयास भी किए गए, जिसके परिणाम भी आए हैं। प्रदेश में वर्ष 2006 में बंदरों की नसबंदी अभियान शुरू किया गया, जिसके तहत आज तक लगभग पौने दो लाख बंदरों की नसबंदी की गई। बंदर नसबंदी की यह प्रक्रिया काफी खर्चीली भी है, जिसमें एक बंदर की नसबंदी पर लगभग 700 रुपए का खर्चा आता है। अतः अब तक

विगत कुछ वर्षों में प्रदेश में मानव-वन्य जीव संघर्ष की समस्या गंभीर रूप से सामने आई है, जिसमें बंदरों का आतंक मुख्य है। बंदरों के आक्रामक व्यवहार ने लोगों के जीवन को केवल असुरक्षित ही नहीं, अपितु संकट में डाल दिया है। हाल ही में शिमला में एक महिला और पिछले महीने रामपुर में एक पुरुष की बंदरों के हमले से गिरने के कारण मृत्यु का समाचार, से स्पष्ट होता है कि यह समस्या केवल डर और असुविधा तक सीमित नहीं रही, बल्कि जानलेवा रूप ले चुकी है। मानव-वन्य जीव संघर्ष की यह समस्या केवल शिमला ही नहीं, अपितु सिरमौर, सोलन, कांगड़ा, मंडी और बिलासपुर में भी समान है। वर्तमान में बंदर केवल जंगलों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहरी क्षेत्रों में भी खुलेआम कौतुहल करते नजर आते हैं। उनकी निडरता व आक्रामक व्यवहार बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

सरकार ने इसमें 8 से 10 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। कुछ क्षेत्रों में तो बंदरों को जंगलों में छोडने की योजना बनाई गई, परंतु वे भोजन की तलाश में पुनः बस्तियों की तरफ लौट आए। बंदरों के आतंक को देखते हुए वर्ष 2014 में केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को 'वानर संकटग्रस्त राज्य' घोषित किया और विशेष सहायता देने का प्रावधान किया। साथ ही, लोगों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर अभियान चलाए गए। लेकिन, बंदरों की नसबंदी एक संवेदनशील विषय है क्योंकि यह सीधे प्रजनन चक्र और पारिस्थितिक संतुलन को प्रभावित करता है। जब किसी प्रजाति की आबादी पर कृत्रिम नियंत्रण लगाया जाता है, तो उस प्रजाति का प्राकृतिक विकास प्रभावित होता है। बंदरों का संबंध केवल मानव से ही नहीं, बल्कि अन्य प्रजातियों और प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला से भी होता है। यदि इनकी संख्या अचानक बहुत कम कर दी जाए तो जंगलों में बीज फैलाने जैसी पारिस्थितिक भूमिकाएं प्रभावित हो सकती हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक 'उन्मूलन' नहीं, बल्कि 'नियंत्रण' की बात करते हैं, ताकि पारिस्थितिक संतुलन बना रहे। समस्या के समाधान के लिए कई अन्य उपाय भी अपनाए जा रहे हैं। इसके चलते दिसंबर 2024 में प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पौधरोपण कार्यक्रम में कम से कम 60 फीसदी पेड़ फलदार पौधे लगाने का आह्वान किया, जिससे कि बंदरों को जंगल में पर्याप्त भोजन मिल सके। इसके अलावा जागरूकता अभियान के तहत लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर बंदरों को भोजन न देने और कचरा प्रबंधन सुधारने हेतु जागरूक किया जा रहा है। हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 2 से 8 अक्टूबर तक वन्य जीव सप्ताह मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को वन्य जीवों और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। हिमाचल प्रदेश में यह और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां मनुष्य और वन्य जीवों का संपर्क प्रत्यक्ष रूप से अधिक है। बंदर समस्या इस बात का उदाहरण है कि जब मानव प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध उपयोग करता है और जंगलों को नुकसान पहुंचाता है, तो वन्य जीव मानव बस्तियों की ओर बढ़ते हैं और संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है। आज जब हम वन्य-जीव संरक्षण की बात कर रहे हैं, बंदरों की पारिस्थितिक संतुलन में भूमिका से भी भली-भांति अवगत हैं तथा बंदर-मानव संघर्ष के भयानक परिणाम भी भुगत रहे हैं। ऐसे में मानव और वन्य जीव के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यह संतुलन किसी चुनौती से कम नहीं। इस संदर्भ में 'सांप भी मरे, मगर लाठी भी न टूटे' वाली लोकोक्ति उपयुक्त बैठती है। मानव-बंदर संघर्ष को कैसे रोका जाए, प्रदेश में बंदरों का आतंक अब सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौती है। इसके लिए वैज्ञानिक शोध, सरकारी नीति, किसानों की भागीदारी और आम जनता की जागरूकता को मिलाकर समाधान खोजने की आवश्यकता है। यदि ऐसा हुआ तो वन्य जीव संरक्षण और मानव जीवन के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकेगा और वन्य जीव सप्ताह का संदेश वास्तविक रूप में सार्थक होगा।

कुछ अलग

कबहूं न भाषा जाण...

कबीर कभी स्कूल नहीं गए। पर अगर कबीर सरकारी स्कूल में पढ़े होते तो क्या वह भाषा से उसी तरह खेलते, जैसे वह अपने रचना संसार में खेले हैं या भाषा से उस तरह खिलवाड़ करते, जो एक सरकारी स्कूल के ड्राइंग के मास्साब ने किया। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के मौके पर आयोजित राज्य स्तरीय साक्षरता दिवस समारोह में छपे निमंत्रण-पत्र की गलतियों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। लेकिन जो प्रसिद्धि मास्साब ने अर्जित की, वह सोशल मीडिया की वजह से उनके नाम के मुताबिक पूरे देश भर में फैल गई। लिहाजा, जांच के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। पर राजधानी में आयोजित राज्य स्तरीय साक्षरता दिवस समारोह में छपे कार्ड की गलतियों की न जांच हुई और न निलंबन। जबकि राज्य को भारत के पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में शामिल किए जाने वाले इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने वाले मुख्यमंत्री का नाम भी ग़लत छपा था। इसे कहते हैं कि आम के आम और गुठलियों के दाम। समारोह का नाम गलत और मुख्यातिथि का नाम भी। अगर अनुसंधान की बात की जाए तो कबीर पर अनगिन लोग रिसर्च कर के तर गए। पर एक अदद रिसर्च तो उन मास्साब पर भी बनती है, जिन्होंने फिरंगी कहे जाने वाली अंग्रेजी भाषा में बैंक का चैक भरा। क्या वजह थी कि उन्होंने अपनी मातृभाषा छोडक़र गोरों की भाषा चुनी। हालांकि बैंक में हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में काम चलता है। फिर राज्य भी उत्तर भारतीय था। भाषा के खेल में अगर राजनीति न होती तथा हिंदी और अंग्रेज़ी को अपने हिसाब से गुपचुप अपनी यात्रा तय करने की आज़ादी होती तो समय की दौड़ में अंग्रेज़ी, हिन्दी को मीलों पीछे छोड़ चुकी होती। वजह साफ है। अंग्रेज़ी के सामने टूटी-फूटी हिन्दी बोलने वाले भारतीय उसी तरह पसर जाते हैं, जैसे गोरी चमड़ी को देखकर फिसल जाते हैं। सदियों की दासता के ख़ून में घुले-मिले होने के कारण, आज़ादी के अस्सी साल बाद भी हीनता का भाव ऐसा है कि अगर अंग्रेज़ी बोलने-लिखने में ग़लती हुई तो उसे बड़ी ग़लती माना जाता है। अपनी मातृभाषा में हुई ग़लती पर एतराज़ नहीं, पर विदेशी भाषा में ग़लती पाप है। हरिराम नाई से लेकर अवतारी तक सब इस छूट का एक भाव से मज़ा लेते हैं। पर अंग्रेज़ी न समझ, बोल या लिख पाने का मलाल ऐसा कि देश का गृह मंत्री भी अपनी झेंप नहीं छिपा पाता। विदेशों में अंग्रेज़ी में बोल पाने का मोह प्रधानमंत्री भी नहीं छोड़ पाते और ग़लत अंग्रेज़ी बोल कर साबित कर देते हैं कि वह वास्तव में विश्व गुरु नहीं, व्यंग्य गुरु कहलाने के हक़दार हैं। इसके बावजूद सरकारी सहयोग से हर साल सितंबर में पितृ पक्ष में हिंदी पखवाड़ा मनाने वाली हिंदी अपनी डेढ़ टांग पर अंग्रेज़ी के साथ दौडऩे की कोशिश कर रही है। जांच तो हिमाचल को ह्माचल बोलने वाले मुख्यमंत्री के ग़लत उच्चारण पर भी बिठाई जानी चाहिए।

आप का नजरिया

औद्योगिक परिवहन में संभावना

सियासत के जख्म नीतियों पर उभरते हैं, तो दर्द के निशान चारों तरफ चस्पां हो जाते हैं। नागरिक समाज पुनः आशाओं के दीप जलाता है, लेकिन वक्त के दरवाजे टूट जाते हैं। यह कौनसे विकास का मॉडल है जो हर बार बदल जाता है। हर बार एक नया हिमाचल जन्म लेता है और फिर आधा अधूरा रह जाता है। चुनाव के मुहाने फिर से मुलाकात करते हैं और सत्ता के पांव कुछ नई मंजिलें चुन लेते हैं। इन्हीं मंजिलों से इतिहास को पलट कर देखें तो हम हर बार फिर वहीं आकर रुक जाते हैं। एक वक्त था जब बैजनाथ बस डिपो से हिमाचल का एक बड़ा सफर शुरू होता था। इसी तरह परवाणू, ऊना, पठानकोट व बिलासपुर भी भौगोलिक, सामाजिक व आर्थिक दूरियों को पाटते हिमाचल परिवहन निगम के बड़े बस डिपो में शुमार होते थे, लेकिन अब हर परिवहन मंत्री अपने हलके में एक अदद बस डिपो चुनते हुए एक जर्जर परिवहन व्यवस्था का स्वामी हो जाता है। बैजनाथ डिपो के औचित्य को खत्म करते जोगिंद्र नगर, पालमपुर, नगरोटा बगवां व जयसिंहपुर से उन्हीं रूटों के संचालन में अगर नए बस डिपो बनाना जरूरी था, तो फिर निजी क्षेत्र से सीखना होगा। आश्चर्य यह कि बस डिपो तो बन जाते, बस स्टैंड नहीं बनते। वर्षों से पालमपुर बस स्टैंड की जमीन पर एक अधूरा-अधमरा सा बस स्टैंड यात्री असुविधाओं के लिए खेद व्यक्त कर रहा है। ऐसे ही पिछली सरकार में पठानकोट के सीने पर संसारपुर टैरेस नामक बस डिपो बनाया गया, जबकि रूटों की छीना झपटी धर्मशाला तक पहुंच गई। नगरोटा बस डिपो मनाली, पालमपुर, धर्मशाला और बैजनाथ के रूट छीन कर सांसें ले रहा है, तो कल कहीं और एक नया बस डिपो नगरोटा से छीना झपटी कर लेगा। वैसे परिवहन मंत्रालय के बजाय एचआरटीसी मंत्री पद स्थापित कर देना चाहिए, क्योंकि हर सत्ता कुछ नए बस डिपो खोल कर परिवहन निगम को कबाड़ बनाने का श्रेय लूटती आई है। परिवहन की जरूरतों के निजी क्षेत्र का योगदान अगर स्वीकार किया जाए तो एक अच्छी नीति बनाई जा सकती है। यह इस क्षेत्र में निवेश और परिवहन जरूरतों के बदलते आयाम के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। कुछ समय पहले परिवहन निगम ने 26 नई वोल्वो बसें खरीदीं, लेकिन मैदान में उतर कर यह निजी क्षेत्र से हारने लगी हैं। कारण यात्रियों से पूछे जाएं तो मालूम होगा कि परिवहन क्षेत्र में सेवा और सुविधा में कितना अंतर आ चुका है। ऐसे में परिवहन निगम को अपनी औकात के अनुरूप जमीन तलाशनी होगी। परिवहन निगम अपने संसाधन बसों के बजाय आधुनिक बस स्टैंड निर्माण में लगाए, तो इस निवेश से लाभ होगा। ऊना जैसे बस स्टैंड अगर परिवहन निगम के निवेश का जरिया बनें, तो आय का समाधान भी होगा। परिवहन निगम को स्थानीय बस सेवाओं और इंटर सिटी बस सर्विस को नए आयाम पर पहुंचाते हुए ऐसी सेवाओं को जन्म देना होगा ताकि लोग अपने निजी वाहनों का कम प्रयोग करें। बीबीएन के ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को समझें, तो एचआरटीसी अपने सारे घाटे मिटा सकती है। बीबीएन से हर दिन करीब आठ सौ बसें तथा अन्य छोटे वाहन चंडीगढ़ व समीपवर्ती शहरों से आवाजाही करते हैं। इस यातायात में परिवहन आर्थिकी का एक बड़ा संबल दिखाई देता है। तमाम औद्योगिक घरानों के साथ मिल कर न केवल कर्मचारियों, बल्कि माल ढुलाई के लिए एचआरटीसी को परिवहन के अपने दायित्व को नए परिप्रेक्ष्य में समझना होगा। इससे न केवल परिवहन माफिया कमजोर होगा, बल्कि एचआरटीसी को एक नई क्षमता में औद्योगिक परिवहन का विकल्प बनने का अवसर भी मिलेगा। अंत में भौगोलिक व आर्थिक दृष्टि से एचआरटीसी को कम से कम आधे बस डिपो बंद कर देने चाहिएं।

चुनाव के मुहाने फिर से मुलाकात करते हैं और सत्ता के पांव कुछ नई मंजिलें चुन लेते हैं। इन्हीं मंजिलों से इतिहास को पलट कर देखें तो हम हर बार फिर वहीं आकर रुक जाते हैं। एक वक्त था जब बैजनाथ बस डिपो से हिमाचल का एक बड़ा सफर शुरू होता था। इसी तरह परवाणू, ऊना, पठानकोट व बिलासपुर भी भौगोलिक, सामाजिक व आर्थिक दूरियों को पाटते हिमाचल परिवहन निगम के बड़े बस डिपो में शुमार होते थे, लेकिन अब हर परिवहन मंत्री अपने हलके में एक अदद बस डिपो चुनते हुए एक जर्जर परिवहन व्यवस्था का स्वामी हो जाता है। बैजनाथ डिपो के औचित्य को खत्म करते जोगिंद्र नगर, पालमपुर, नगरोटा बगवां व जयसिंहपुर से उन्हीं रूटों के संचालन में अगर नए बस डिपो बनाना जरूरी था, तो फिर निजी क्षेत्र से सीखना होगा। आश्चर्य यह कि बस डिपो तो बन जाते, बस स्टैंड नहीं बनते। वर्षों से पालमपुर बस स्टैंड की जमीन पर एक अधूरा-अधमरा सा बस स्टैंड यात्री असुविधाओं के लिए खेद व्यक्त कर रहा है। ऐसे ही पिछली सरकार में पठानकोट के सीने पर संसारपुर टैरेस नामक बस डिपो बनाया गया, जबकि रूटों की छीना झपटी धर्मशाला तक पहुंच गई। नगरोटा बस डिपो मनाली, पालमपुर, धर्मशाला और बैजनाथ के रूट छीन कर सांसें ले रहा है, तो कल कहीं और एक नया बस डिपो नगरोटा से छीना झपटी कर लेगा। वैसे परिवहन मंत्रालय के बजाय एचआरटीसी मंत्री पद स्थापित कर देना चाहिए, क्योंकि हर सत्ता कुछ नए बस डिपो खोल कर परिवहन निगम को कबाड़ बनाने का श्रेय लूटती आई है। परिवहन की जरूरतों के निजी क्षेत्र का योगदान अगर स्वीकार किया जाए तो एक अच्छी नीति बनाई जा सकती है।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी

अगस्त 1905 में, जब स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक घोषणा हुई, स्वदेशी राजनीतिक आंदोलन का एक माध्यम बन गया। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान स्वदेशी विचार प्रक्रिया का हिस्सा बन गया। यह स्वदेशी के विचार का एक व्यावहारिक प्रकटीकरण था, लेकिन मूल विचार विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से कहीं आगे तक फैला था। महात्मा गांधी भारत के अहिंसक औद्योगिक विकास में विश्वास करते थे। हालांकि, स्वतंत्रता के बाद, जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में स्वदेशी आंदोलन ने जल्द ही समाजवाद को अपना लिया, और एक ऐसे दौर में पहुंच गया जहां आत्मनिर्भरता जैसे शब्द निजी क्षेत्र को बदनाम करने और निजी उद्यमों के राष्ट्रीयकरण के साथ राज्य-आधारित विकास के प्रयास को आगे बढ़ाने के लिए उभरे। राज्य की केंद्रीयता ने स्थानीय उद्यमों की स्वदेशी भावना और उनकी जीवंतता का स्थान ले लिया। बाद में, 90 के दशक की शुरुआत में, व्यापक भुगतान संतुलन संकट, जिसने अंततः 1990 के दशक में अर्थव्यवस्था को खोलने के लिए मजबूर किया, ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के विकास मॉडल को फिर से एक दूसरे प्रकार से बदनाम कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पहले नेहरूवादी राज्य-प्रायोजित, सार्वजनिक क्षेत्र-आधारित आत्मनिर्भरता मॉडल का विरोध किया था, और संघ द्वारा पुनः बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पूंजी और तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता पर आधारित वैश्वीकरण मॉडल का भी उतना ही मुखर विरोध हुआ। यह कोई रहस्य नहीं है कि आर्थिक सुधारों और विदेशी पूंजी, वस्तुओं और सेवाओं के लिए अर्थव्यवस्था के खुलने से स्थानीय उद्यमों पर भारी दबाव पड़ा है। 2020 से शुरू हुई आत्मनिर्भर भारत की नई पहल को स्वदेशी जागरण मंच (एसजेएम) का समर्थन प्राप्त है, क्योंकि इसका उद्देश्य विदेशी पूंजी और तकनीक पर निर्भरता और प्रभुत्व को कम करना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में समाज में बदलाव लाने हेतु जिन पांच बिंदुओं, जिन्हें पंच परिवर्तन कहा गया है, उनमें एक महत्वपूर्ण बिंदु, स्व के भाव का जागरण यानी स्वदेशी भी है। इसके अतिरिक्त समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य के विषयों को सामाजिक परिवर्तन हेतु रखा गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले 100 वर्षों में स्वदेशी विचारधारा के पोषण और प्रचार में एक विशिष्ट भूमिका निभाई है। स्वदेशी के बारे में इसकी समझ कभी भी केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता तक सीमित नहीं रही, बल्कि संघ के लिए स्वदेशी को भारत की संस्कृति, परंपरा और मूल्यों में निहित एक सभ्यतागत लोकाचार के रूप में देखा गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ऐसे समय में हुई जब स्वतंत्रता संग्राम के तहत स्वदेशी आंदोलन पहले ही गति पकड़ चुका था। लेकिन संघ के लिए स्वदेशी का अर्थ केवल विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना ही नहीं था, बल्कि स्वदेशी उद्योगों, ग्रामीण शिल्प, कृषि और सांस्कृतिक गौरव को पुनर्जीवित करना भी था। डा. हेडगेवार जी का मानना था कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ अर्थव्यवस्था और विचारों में आत्मनिर्भरता के माध्यम से समाज को मजबूत बनाना भी आवश्यक है। यानि कह सकते हैं कि संघ प्रारंभ से ही विदेशी के बहिष्कार के साथ ही साथ देश के पुनरुत्थान के लिए व्यापक स्वदेशी की समर्थक रहा है। जब औपनिवेशिक शक्तियों के पुनःउभार के कारण उत्पन्न समस्याओं के संदर्भ में, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से, स्वदेशी जागरण मंच की स्थापना की गई, तो मंच के कार्यों में तीन आयाम जोड़े गए। पहला आयाम रहा, जन जागरण, जिसके अंतर्गत स्वदेशी वस्तुओं, स्थानीय उत्पादों और विदेशी खतरों के संदर्भ में जन जागरण के विषयों को रखा गया। स्वदेशी का दूसरा आयाम रहा, आंदोलन।

पुतिन और नेतन्याहू ने की मध्य पूर्व के हालात पर चर्चा

मॉस्को, 07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर हुई बातचीत में मध्य पूर्व की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई। क्रेमलिन प्रेस सेवा के हवाले से रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी तास ने यह जानकारी दी। इसमें कहा गया कि व्लादिमीर पुतिन ने नेतन्याहू से गाजा पट्टी में सामान्यीकरण के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना पर भी चर्चा की।

क्रेमलिन प्रेस सेवा ने बताया कि पुतिन और नेतन्याहू ने छह अक्टूबर की शाम हुई बातचीत के दौरान सीरिया और ईरानी परमाणु मुद्दे पर भी चर्चा की। इसमें कहा गया, दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों ने ईरानी परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी स्थिति और सीरिया में और अधिक स्थिरता लाने के लिए बातचीत के जरिए समाधान खोजने की इच्छा व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि ईरान के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान और ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बीच इस साल ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच पांच दौर की परमाणु वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकला। नौ सितंबर को ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने मिस्र में सहयोग फिर से शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जून में इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।

29 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस और चीन के उस मसौदा प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें ईरानी परमाणु समझौते का समर्थन करने वाले प्रस्ताव संख्या 2231 को छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रावधान था। संयुक्त राष्ट्र के ईरान-विरोधी प्रतिबंध 28 सितंबर से लागू हैं। पांच अक्टूबर को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि तेहरान को द्धअंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के साथ सहयोग के अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना होगा। क्योंकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों के बाद काहिरा समझौता अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। सीरिया की स्थिति: सीरिया में सशस्त्र विपक्षी इकाइयों ने नवंबर 2024 के अंत में अलेप्पो और इदलिब प्रांतों में सरकारी सैनिकों पर बड़े पैमाने पर हमला किया। 8 दिसंबर को वे दमिश्क में घुस गए, जबकि राष्ट्रपति बशर अल-असद ने पद छोड़ दिया और देश छोड़कर भाग गए। हयात तहरीर अल-शाम समूह (रूस में प्रतिबंधित) के नेता अहमद अल-शरा सीरिया के वास्तविक नए नेता बन गए। 29 जनवरी को, उन्होंने अंतरिम अवधि के लिए खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया, जो उनके अनुसार, चार से पांच साल तक चलेगी। सुकोट की बधाई: क्रेमलिन ने बताया कि पुतिन ने इस दौरान इजराइल के लोगों को यहूदी त्योहार सुकोट की बधाई दी। क्रेमलिन ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि रूस के राष्ट्रपति ने बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल के लोगों को यहूदी त्योहार सुकोट की शुरुआत पर बधाई दी। 6 अक्टूबर को भोर होते ही इजराइली सुकोट मनाना शुरू कर देते हैं, जिसे मिस्र से इजराइलियों के पलायन के उपलक्ष्य में झोपड़ियों का पर्व भी कहा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतरे

ढाका। बांग्लादेश में सिलहट के दक्षिण सुरमा उपजिले के मोगलाबाजार में ढाका जा रही उदयन एक्सप्रेस का इंजन और तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे सिलहट और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल सेवाएं बाधित हो गईं। यह दुर्घटना सुबह लगभग 6:40 बजे हुई। इस वजह से ढाका के लिए रवाना होने वाली कालनी एक्सप्रेस सिलहट रेलवे स्टेशन पर फंसी रही। रिपोर्ट के अनुसार, सिलहट जीआरपी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल कुद्दुस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एक रेल लाइन को फिर से खोलने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि उदयन एक्सप्रेस चटगांव से आ रही थी। सिलहट रेलवे स्टेशन के प्रबंधक नूरुल इस्लाम ने बताया कि इस घटना में कई यात्रियों को मामूली चोटें आईं। स्टेशन प्रबंधक ने बताया कि एक बचाव ट्रेन और पुलिस दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का माओवादी पार्टी का समर्थन

काठमांडू। नेपाल की माओवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग द्वारा आम चुनाव की कार्यतालिका सार्वजनिक किए जाने का स्वागत किया है। पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने माओवादी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों को चुनाव की तैयारी में जुटने का निर्देश दिया है। राजधानी के पार्टी मुख्यालय मे मंगलवार को बुलाई गई पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में सभी से चुनाव कार्य में जुटने की अपील की गई है। प्रचण्ड ने तय समय पर चुनाव करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा सार्वजनिक की गई कार्यतालिका का स्वागत किया है। माओवादी प्रवक्ता अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि आगामी प्रतिनिधि सभा चुनावों का सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिए भंग संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के साथ भी चर्चा किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माओवादी पार्टी निर्धारित तिथि में चुनावों को सुविधाजनक बनाने के लिए सकारात्मक वातावरण बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। प्रवक्ता सपकोटा ने बताया कि चुनाव में भागीदारी के संबंध में सभी दलों के बीच रचनात्मक चर्चा हो रही है, जो चुनाव के साथ आगे बढ़ने पर आम सहमति का संकेत देती है। माओवादी पार्टी का मानना है कि संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र, संविधान और अन्य राजनीतिक उपलब्धियों की रक्षा के लिए चुनाव आवश्यक है। पार्टी बैठक के दौरान माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड ने जोर देकर कहा कि चुनाव निर्धारित तिथि में होने चाहिए। उन्होंने चुनाव में सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

भारत-पाक टकराव रोकने का दावा, ट्रंप बोले, टैरिफ की ताकत से रोके 7 युद्ध

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और

पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव को रोका था। व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि उनके पास टैरिफ (आर्थिक प्रतिबंध) लगाने की जो शक्ति थी, उसी की वजह से दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के बीच चार दिन की सैन्य तनातनी के बाद सीजफायर हो सका। ट्रंप ने कहा कि अगर मेरे पास टैरिफ का अधिकार न होता, तो दुनिया में कम से कम सात युद्ध चल रहे होते। मैंने इनमें से चार युद्ध टैरिफ की ताकत से रोके। भारत और पाकिस्तान तो युद्ध के लिए तैयार थे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने खुद को बताया पीसकीपर सात विमान गिराए गए थे। मैं नहीं बताऊंगा कि मैंने क्या कहा, लेकिन वह बहुत प्रभावशाली था। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने न केवल सैकड़ों अरब डॉलर कमाए, बल्कि हम एक पीसकीपर बन गए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिनों में नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा होने वाली है। ट्रंप पहले भी यह कह चुके हैं कि उन्होंने सात युद्ध रोके हैं और इसके बावजूद अगर उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिला तो यह अमेरिका के लिए अपमानजनक होगा। हालांकि भारत ने ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज किया है।

हमास और इजराइल ने वार्ता के पहले दौर में सकारात्मक रुख अपनाया

शर्म अल-शेख (मिस्र),07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के प्रतिनिधियों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर यहां सकारात्मक माहौल में समाप्त हो गया। सोमवार शाम से शुरू इस वार्ता के कई दिन तक जारी रहने के आसार हैं। यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की युद्धविराम योजना पर केंद्रित है।

मिस्र के सरकारी मीडिया अल-कहेरा न्यूज ने मंगलवार सुबह बताया कि हमास और मध्यस्थों के बीच गाजा वार्ता का पहला दौर सकारात्मक माहौल के बीच मिस्र में समाप्त हो गया है। वार्ता जारी रहेगी। बंद दरवाजों के पीछे और कड़ी सुरक्षा के बीच यह बातचीत इजराइल के कतर पर हमला करके हमास के प्रमुख वार्ताकारों को मारने की कोशिश के कुछ हफ्ते बाद शुरू हुई है।

अल-क़हेरा न्यूज के अनुसार दोनों प्रतिनिधिमंडल के बीच चर्चा बंदियों और कैदियों की रिहाई के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श के साथ शुरू हुई।

इसमें कहा गया है कि मिस्र और कतर के मध्यस्थ इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए एक व्यवस्था स्थापित करने के लिए दोनों पक्षों के साथ काम कर रहे हैं। उधर, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि उन्हें पूरी तरह यकीन है कि शांति समझौता संभव है।

हमास के प्रमुख वार्ताकार खलील अल-हय्या ने वार्ता से पहले मिस्र के खुफिया अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बताया गया है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले और उसके बाद हुए युद्ध की दूसरी बरसी की पूर्व संध्या पर शुरू हुई वार्ता का यह दौर कई दिनों तक चल सकता है।

मिस्र के अखबार अल-अहरम की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और दामाद जेरेड कुशनर ने वार्ताकारों से गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया है। उधर, ट्रंप की इस योजना में हमास के निरस्त्रीकरण की परिकल्पना की गई है। इसे समूह के स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है। गाजा पर युद्ध शुरू करने के बाद से इजराइल ने बार-बार वार्ता को बाधित किया है। इस बार यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 सूत्रीय रूपरेखा पर आधारित है।

हमास ने कहा है कि उसकी मांगों में गाजा से पूरी तरह से इजराइली सेना की वापसी, स्थायी युद्धविराम और इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले जीवित और मृत, बचे हुए बंदियों की अदला-बदली शामिल है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इज़राइली बमबारी में 67,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 1,70,000 घायल हुए हैं। इस युद्ध ने गाजा की 24 लाख की 90 प्रतिशत आबादी को कई बार विस्थापित किया है। इजराइल के प्रतिनिधिमंडल में खुफिया अधिकारी और सलाहकार शामिल हैं। मुख्य वार्ताकार रॉन डर्मर के वार्ता की प्रगति के आधार पर इस सप्ताह के अंत में शामिल होने की उम्मीद है। हमास प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व निर्वासित गाज़ा नेता खलील अल-हय्या कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को व्हाइट हाउस में मुक्त बंधक एडन अलेक्जेंडर की मेजबानी करेंगे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, दो साल पहले दक्षिणी इजराइल पर हमास के नेतृत्व वाले आक्रमण के दौरान गाजा में अपहरण कर लिए गए एडन अमेरिकी-इजराइली एकमात्र सैनिक हैं।

अमेरिका में शटडाउन से संकट बढ़ा, राष्ट्रपति ट्रंप स्वास्थ्य सेवा पर डेमोक्रेट्स से वार्ता को तैयार

वाशिंगटन,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर हवाई सेवा पर भी पड़ा है। स्टाफ की कमी के कारण बरबैंक हवाई अड्डा बिना यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। सीनेट के वित्त पोषण विधेयक को फिर से खारिज करने के कारण संकट गहरा गया है। सरकारी शटडाउन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया। अमेरिकी सरकार को फंड देने और शटडाउन को समाप्त करने के दो परस्पर विरोधी उपाय सोमवार को सीनेट में पांचवीं बार विफल रहे। इस गतिरोध के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के रुख में नरमी आई है। वह डेमोक्रेट्स से बातचीत करने पर सहमत हो गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सरकारी शटडाउन को समाप्त करने पर गतिरोध एक और हफ्ते तक खिंचता दिख रहा है। दोनों दल फंडिंग में कमी के लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ रहे हैं। सीनेट के रिपब्लिकन सदन में की जा रही कोशिश अब तक कामयाब नहीं हो सकी है। डेमोक्रेटिक नेता अपनी इस मांग पर अड़े हैं कि फंडिंग उपाय में स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट का विस्तार शामिल हो।

स्पीकर माइक जॉनसन मौजूदा स्थिति से हताश हैं। सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर ने रविवार को तर्क दिया कि शटडाउन का समाधान केवल कांग्रेस नेताओं और राष्ट्रपति के बीच बैठक से ही संभव होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शटडाउन के समाधान की दिशा में प्रगति हो रही है। कांग्रेस के डेमोक्रेट्स ने किसी भी समझौते के तहत स्वास्थ्य बीमा कर क्रेडिट को बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपब्लिकंस का कहना है कि स्वास्थ्य सेवा पर चर्चा शटडाउन खत्म होने के बाद ही होनी चाहिए।

इस बीच स्टाफ की कमी के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया स्थित हॉलीवुड बरबैंक हवाई अड्डा बिना हवाई यातायात नियंत्रकों के संचालित हो रहा है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने इस स्थिति के लिए सरकारी शटडाउन को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक सलाह में कहा कि हवाई अड्डे पर शाम 4:15 बजे से रात 10 बजे तक कोई हवाई यातायात नियंत्रक नहीं होने की संभावना है।

वियतनाम में भारी बारिश

वियतनाम में भारी बारिश के बीच ही अपने कुत्ते को लेकर पानी से भरी सड़क से निकलते हुए एक व्यक्ति।

बलुचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने जज और पाक की सेना ने चार लोगों को अगवा किया

क्वेटा (बलूचिस्तान),07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के खारान जिले में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत में आग लगा दी और न्यायाधीश मोहम्मद जान बलोच का अपहरण कर लिया। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, पाकिस्तान की सेना ने एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, खारान में बड़ी संख्या में हथियारबंद लोगों ने अदालत की इमारत को घेर कर आग लगा दी। इसके बाद न्यायाधीश जान का अपहरण कर लिया। गौरतलब है कि बलोचिस्तान में हाल के दिनों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के अपहरण की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

इससे पहले, केच जिले के तांप क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर और जियारत जिले के डिप्टी कमिश्नर के बेटे का भी अपहरण हो चुका है। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट ने डिप्टी कमिश्नर के अपहरण की जिम्मेदारी ली थी। उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि जियारत डीसी का बेटा समित अभी भी लापता है।

इस बीच पाकिस्तानी सेना ने खुजदार जिले की तहसील जाहरी कर्फ्यू लगाते हुए सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया है। इस तहसील के नूरगामा शहर में इस समय बड़ी संख्या में पाकिस्तानी सेना मौजूद है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने घरों पर छापा मारकर एक महिला समेत चार लोगों को अगवा कर लिया है। महिला की पहचान सफिया बीबी के रूप में हुई है, जबकि पुरुषों की पहचान जाहिद वुल्द अजीज, आसिफ बलूच और असद के रूप में हुई है।

हमास के साथ शांति प्रक्रिया में ईयू की गैरमौजूदगी पर भड़के नेतन्याहू, बोले-आतंकवाद के आगे झुका यूरोप

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां) । इजरायल पर हुए कायरतापूर्ण हमले को आज दो साल हो गए। दो साल से जारी इस संघर्ष को रोकने के लिए मिस्र में दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई, जहां हमास ने बंधकों-कैदियों की अदला-बदली के लिए कुछ शर्तें रखी हैं। दूसरी ओर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीजफायर प्लान में यूरोपीय संघ की स्पष्ट अनुपस्थिति की कड़ी आलोचना की।

हमास और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र में सोमवार को एक बैठक की। हमास ने शर्त रखी है कि इजरायली सेना को इससे पहले जनवरी में हुए सीजफायर डील के अनुसार गाजा के आबादी वाले इलाकों से हटकर अपने पूर्व ठिकानों पर वापस लौटना होगा। इसके अलावा, इजरायली वायुसेना द्वारा प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे तक लड़ाकू विमानों और ड्रोन की उड़ानों पर रोक लगाकर रखी जाए। वहीं, हमास ने मांग की है कि बंदियों की रिहाई के दिन 12 घंटे तक ड्रोन या विमान न उड़ाए जाएं।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने आरोप लगाया है कि गाजा में संघर्ष खत्म करने के लिए जो भी प्रक्रियाएं चल रही हैं, उसमें यूरोपीय संघ पूरी तरह से अनुपस्थित है। विदेशी मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यूरोप मूल रूप से फिलिस्तीनी आतंकवाद और कट्टरपंथी इस्लामी अल्पसंख्यकों के आगे झुक गया है।

नेतन्याहू ने कहा, यूरोप अनिवार्य रूप से अप्रासंगिक हो गया है और उसने भारी कमजोरी दिखाई। जो यूरोपीय संघ को करना था, वह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कर रहे हैं, जिससे उन आतंकवादी तत्वों का सफाया होगा।

इजरायली पीएम ने यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों में से 15 द्वारा फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के निर्णय की आलोचना की और इस निर्णय पर फिर से विचार करने की उम्मीद जताई।

नेतन्याहू ने कहा, कल्पना कीजिए कि 9/11 के बाद लोग कहेंगे, ठीक है, अब (इस्लामी आतंकवादी नेता ओसामा) बिन लादेन और अल-कायदा को राज्य दे दिया जाए। हम न केवल उन्हें एक राज्य देंगे, बल्कि वह न्यूयॉर्क से एक मील दूर होगा, जैसा कि वे सुझा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे शांति को बढ़ावा नहीं मिलेगा। पहले आपके पास ताकत होगी, फिर आपके पास शांति होगी।

उन्होंने कहा, अब ये यूरोपीय नेता क्या कह रहे हैं? आइए इजरायल को इस हद तक कमजोर कर दें कि वह अपने अस्तित्व के लिए एक और फिलिस्तीनी राज्य के खिलाफ लड़े। इस बार यरुशलम के बाहरी इलाके में नहीं, बल्कि यरुशलम के भीतर और तेल अवीव की पहाड़ियों के ठीक ऊपर। यह बेतुका है।

बीसी प्लेस में इतिहास रचने को तैयार 'कनाडा सुपर 60'

वैंकूवर (कनाडा) ,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

कनाडा के वैंकूवर स्थित प्रतिष्ठित बीसी प्लेस स्टेडियम में 8 अक्टूबर 2025 से शुरू हो रहा है 'कनाडा सुपर 60', जो एक ऐतिहासिक टी10 क्रिकेट लीग है। इस टूर्नामेंट की सबसे खास बात यह है कि पहली बार पुरुष और महिला दोनों प्रतियोगिताओं की शुरुआत एक साथ होने जा रही है।

यह आयोजन न केवल कनाडा की विश्व क्रिकेट में बढ़ती ताकत को दर्शाता है, बल्कि समावेश, विविधता और खेल उत्कृष्टता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है।

सप्ताहभर चलने वाले इस मेगा इवेंट में दुनिया के कई बड़े क्रिकेट सितारे हिस्सा ले रहे हैं — जिनमें सुरेश रैना, शिखर धवन, शोएब मलिक, शाकिब अल हसन और जेसन रॉय जैसे नाम शामिल हैं। इनके साथ कनाडा के शीर्ष क्रिकेटर भी मैदान पर उतरेंगे।

महिला वर्ग में भी देश-विदेश की कई स्टार क्रिकेटर हिस्सा लेंगी, जिनमें अफगान शरणार्थी खिलाड़ी भी शामिल हैं — जो साहस, उम्मीद और अवसर की प्रतीक हैं।

क्रिकेट के अलावा यह आयोजन मनोरंजन, संगीत और संस्कृति का संगम बनने जा रहा है। दर्शकों के लिए लाइव कॉन्सर्ट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और फूड फेस्टिवल जैसी आकर्षक गतिविधियाँ होंगी — जिससे यह आयोजन एक खेल महोत्सव का रूप ले लेगा।

कनाडा सुपर 60 के ग्लोबल एम्बेसडर युवराज सिंह, ने एक बयान में कहा, कनाडा सुपर 60 का साकार होना वाकई अद्भुत एहसास है। बीसी प्लेस जैसे प्रतिष्ठित मैदान पर क्रिकेट खेला जाना अपने आप में ऐतिहासिक है। सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि यह टूर्नामेंट पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों को समान मंच पर ला रहा है।

मैं चाहता हूँ कि परिवार, बच्चे और सभी प्रशंसक एक साथ आएं और क्रिकेट, संगीत व उत्सव का आनंद लें। यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एकता और खेल भावना का उत्सव है।

क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अमजद बाजवा ने कहा, कनाडा सुपर 60 हमारे देश के क्रिकेट इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। बीसी प्लेस में पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिता के साथ एक वैश्विक लीग की मेजबानी करना, कनाडाई क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थापित करता है।

यह मंच न केवल खेल के स्तर को ऊँचा उठाएगा बल्कि महिला क्रिकेट को भी नया प्रोत्साहन देगा। हमें गर्व है कि हम इस दूरदर्शी पहल का हिस्सा हैं।

न्यूज ब्रीफ

किलियन एमबापे के टखने की चोट की जांच होगी : कोच डिडिएर डेशॉम्प्स

पेरिस। फ्रांस फुटबॉल टीम के कोच डिडिएर डेशॉम्प्स ने सोमवार को बताया कि कप्तान किलियन एमबापे अपने

दाएं टखने की जांच कराएंगे, जब वे आगामी 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर के लिए टीम कैंप में शामिल होंगे। एमबापे को यह चोट शनिवार को रियल मैड्रिड की विल्लारियल के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान लगी थी। इस वजह से उनके फ्रांस टीम के लिए आगामी क्वालिफायर मैचों—अज़रबैजान और आइसलैंड—में खेलने पर संदेह जताया जा रहा है। डेशॉम्प्स ने कहा, मैंने किलियन से बात की है। उसे हल्की सी परेशानी है, लेकिन यह गंभीर नहीं है, वरना वह यहां नहीं होता। हम मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर स्थिति का मूल्यांकन करेंगे और देखेंगे कि यह कैसी रहती है। फिलहाल मेरे पास इससे अधिक जानकारी नहीं है क्योंकि खिलाड़ी शाम करीब 4 बजे (1400 त्रस्क्ष) पहुंचेंगे, जिसके बाद हम सामान्य प्रक्रिया के तहत स्थिति का आकलन करेंगे। डेशॉम्प्स ने यह भी बताया कि लिवरपूल के डिफेंडर इब्राहिमा कोनाटे की भी जांच की जाएगी, जिन्हें शनिवार को चेल्सी के खिलाफ 2-1 की हार में चोट लगी थी। फिलहाल ले ब्लू अपनी क्वालिफाइंग ग्रुप तालिका में शीर्ष पर हैं, उन्होंने अब तक खेले दोनों मैचों में जीत दर्ज की है। फ्रांस का अगला मुकाबला शुक्रवार को पेरिस सेंट-जर्मन के पार्स डेस प्रिंसेस स्टेडियम में अज़रबैजान से होगा, जिसके बाद टीम तीन दिन बाद आइसलैंड के खिलाफ खेलेगी।

मुनिबा अली का रन आउट निर्णय पूरी तरह सही था: एमसीसी

लंदन। मैरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए महिला विश्व कप 2025 मैच में पाकिस्तान की बल्लेबाज़ मुनिबा अली को रन आउट दिए जाने का अंपायर का निर्णय पूरी तरह से नियमों के अनुरूप था। यह घटना पाकिस्तान की पारी के चौथे ओवर में घटी, जब भारत की दीप्ति शर्मा ने एक असफल एलबीडब्ल्यू अपील के तुरंत बाद गेंद को स्टंप्स पर मार दिया। उस समय मुनिबा क्रीज़ से बाहर खड़ी थीं और उन्हें रन आउट घोषित कर दिया गया। विवाद इस बात को लेकर था कि क्या एलबीडब्ल्यू अपील के बाद गेंद डेड हो चुकी थी, और क्या बल्लेबाज़ को रन आउट किया जा सकता है यदि वह रन लेने का प्रयास नहीं कर रही थी। एमसीसी ने अपने बयान में कहा, यहां कई नियमों पर विचार करना आवश्यक है। सबसे पहले और सरल बात यह है कि सिर्फ अपील होने से गेंद डेड नहीं हो जाती। अपील 'नॉट आउट' दी गई थी, गेंद विकेटकीपर के पास स्थिर नहीं थी, और दीप्ति शर्मा की कार्रवाई से स्पष्ट था कि सभी खिलाड़ियों ने गेंद को डेड नहीं माना था। इसलिए, गेंद खेल में थी। क्लब ने आगे स्पष्ट किया कि कानून 30.1.2 (लॉ 30.1.2) इस स्थिति में लागू नहीं होता, क्योंकि मुनिबा दौड़ते या कूदते हुए क्रीज़ की ओर नहीं बढ़ रही थीं बल्कि उन्होंने क्रीज़ के बाहर से ही गार्ड लिया हुआ था और अपने पैर कभी वापस क्रीज़ में नहीं रखे। एमसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि यह रन आउट का मामला है, स्टंपिंग का नहीं, क्योंकि स्टंप्स विकेटकीपर द्वारा नहीं, बल्कि एक फील्डर (दीप्ति शर्मा) द्वारा फेंकी गई गेंद से टूटे थे।

तजमिन ने एक साल में सबसे अधिक शतक का मंधाना का रिकार्ड तोड़ा

इंदौर। दक्षिण अफ्रीका की तजमिन ब्रिट्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए महिला विश्वकप क्रिकेट मैच में अपनी

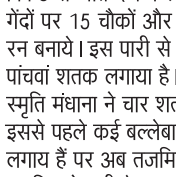

शतकीय पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही तजमिन ने एक साल में सबसे अधिक शतक लगाने का भारत की स्मृति मंधाना का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया है। तजमिन के शतक से ही दक्षिण अफ्रीका की टीम इस मैच में न्यूजीलैंड पर छह विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। तजमिन ने 89 गेंदों पर 15 चौकों और 1 छक्के की सहायता से 101 रन बनाये। इस पारी से तजमिन ने इस साल का अपना पांचवां शतक लगाया है। वहीं पिछले साल 2024 में स्मृति मंधाना ने चार शतक लगाकर रिकार्ड बनाया था। इससे पहले कई बल्लेबाजों ने एक साल में 3-3 शतक लगाय हैं पर अब तजमिन ने 5 शतक लगा दिये हैं। तजमिन ने इसी के साथ महिला विश्वकप में सबसे कम पारियों में 7 शतक लगाने का भी विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनसे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग के नाम था। बिट्स ने 7 शतक लगाने के लिए 41 पारियां खेली हैं, जबकि लेनिंग ने यह इसके लिए 44 पारियां खेली थीं।

महिला विश्वकप में अब दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी भारतीय टीम

विशाखापत्तनम में 9 और 12 अक्टूबर को होंगे मुकाबले

मुम्बई,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब 9 और 12 अक्टूबर को विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैच जीते हैं और उसका लक्ष्य इस सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। विशाखापत्तनम की पिच से बल्लेबाजों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए ये भारतीय टीम के लिए फायदेमंद रहेगा। इसका कारण है कि अभी तक भारतीय बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। भारतीय टीम को अपने दोनो मैच

विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेलने हैं। इस मैच पर 11 साल के बाद कोई महिला एकदिवसीय मैच खेला जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ (एसीए) के एक अधिकारी ने कहा, ''अगर आप आईपीएल सहित पिछले कुछ मैचों पर नजर डालें तो यहां की पिच बल्लेबाजों के लिए सहायक रही है। इसमें अगर ओस नहीं होगी तो गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों को मैच आगे बढ़ने पर कुछ सहायता जरुर मिलेगी।''

यहां टी20 पुरुष क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों और आईपीएल में आम तौर पर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। इससे अब तक रनों के लिए संघर्ष कर रही भारतीय महिला टीम का उत्साह और बढ़ने की संभावना है। अब तक श्रीलंका ओर पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच में भारतीय टीम को 250 के करीब रन बनाने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ा था। इस दौरा उसकी कई प्रमुख बल्लेबाज रनों के लिए जूझती दिखीं थीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 12 अक्टूबर को होने वाले मैच से पहले एसीए-वीडीसीए स्टेडियम के स्टैंड को पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज और विकेटकीपर रवि कल्पना का नाम दिया जाएगा। आंध्र क्रिकेट संघ ने एक बयान में कहा, ''मिताली और कल्पना को एसीए की सराहना उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिन्होंने भारत में महिला क्रिकेट को नया रूप दिया है और साथ ही अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया है।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए मिशेल स्टार्क की ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भारत के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होगी। स्टार्क के साथ मैथ्यू शॉर्ट और मिशेल ओवेन भी चोट से उबरने के बाद 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए गए हैं। वहीं मैथ्यू रेनशॉ को भी टीम में जगह मिली है। टीम की कमान मिशेल मार्श के हाथों में ही रहेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आगामी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की तैयारी के तहत 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए भी टीम की घोषणा की है। यह स्टार्क का मौजूदा सीजन का पहला असाइनमेंट होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे से आराम लिया था ताकि इस गर्मी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए अपनी फिटनेस और वर्कलोड को संभाल सकें। गौरतलब है कि स्टार्क पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। वनडे टीम से कुछ खिलाड़ियों को बाहर किया गया है, जिनमें मार्नस लाबुशेन, सीन एबॉट, एरन हार्डी और मैथ्यू कुहनेमैन शामिल हैं, जो अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए पिछले वनडे दौर में टीम का हिस्सा थे। ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम : मिशेल मार्श (कप्तान), ज़ेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कॉनॉली, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मिशेल ओवेन, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा। ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम (पहले दो मुकाबले) : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, ज़ेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुनेमैन, मिशेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम ज़म्पा।

एकदिवसीय और टी20 कप्तानी में रोहित, टेस्ट कप्तान में विराट आगे रहे

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम के दो दिग्गजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाज के साथ ही अपनी कप्तानी में भी भारतीय टीम को आगे बढ़ाया है। विरराट के कप्तानी छोड़ने के बाद ये जिम्मेदारी रोहित को मिली थी जो अब शुभमन गिल को मिल गयी है। ये दोनो ही अब एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। दोनो की कप्तानी के आंकड़े काफी अच्छे रहे हैं पर जीत प्रतिशत देखें तो एकदिवसीय और टी20 में रोहित जबकि टेस्ट में विराट आगे रहे।

विराट ने साल 2013 से 2021 के बीच 95 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी की जिसमें भारत ने 65 मुकाबले जीते जबकि 27 में वह हारा, वहीं 1 मैच टाई रहा। दो मुकाबलों में फैसला नहीं हो पाया। विराट कोहली का एकदिवसीय में जीत का प्रतिशत 68.42 का रहा।

वहीं रोहित ने विराट से काफी कम मैचों में कप्तानी की है पर उनका जीत का प्रतिशत विराट से कई ज्यादा रहा है। रोहित ने 56 एकदिवसीय मैचों में भारतीय टीम का नेतृत्व किया है। इसमे भारतीय टीम ने 42 मुकाबले जीते हैं जबकि 12 हारी है और 1 टाई रहा है। रोहित का एकदिवसीय में जीत का औसत 75 प्रतिशत का रहा है। विराट कोहली ने साल 2017 से 2021 के बीच 50 टी20ह्व मैचों में कप्तानी की जिसमें भारत 30 मैच जीता। विराट कोहली का टी20 में बतौर कप्तान जीत का प्रतिशत 60 का था। वहीं रोहित शर्मा की बात करें तो रोहित ने टी20 में विराट से ज्यादा मैचों में कप्तानी की थी। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 62 टी20 खेले हैं जिसमें उसे 49 में जीत मिली है जबकि 12 में हार। टी20 भी रोहित का जीत का प्रतिशत विराट से अधिक 79.03 का रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का भी खिताब भी जीता।

विराट ने टेस्ट प्रारुप में सबसे अधिक 68 मैचों में कप्तानी की, भारतीय टीम 40 में जीती और 17 हारी। इस प्रकार विराट का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 58.82 का रहा। वहीं रोहित ने केवल 24 टेस्ट में टीम की कप्तानी की है। इसमें भारत ने 12 टेस्ट जीते, 9 हारे और 3 ड्रॉ रहे। रोहित का टेस्ट में जीत का प्रतिशत 50 का रहा। इन आंकड़ों से यह साफ होता है कि रोहित सीमित ओवर में जबकि विराट टेस्ट में बेहतर कप्तान रहे थे।

दूसरे टेस्ट में सुदर्शन की जगह पडीक्कल को मिल सकता है मौका

मुम्बई। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में रन बनाने में असफल रहे बल्लेबाज साई सुदर्शन को दूसरे टेस्ट मैच में शायद ही जगह मिले। नंबर तीन पर टीम इंडिया को एक अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। इसी को देखते हुए सुदर्शन की जगह पर देवदत्त पडीक्कल को अवसर मिल सकता है। पड़िकल ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। दोनो टीमों के बीच दूसरा व अंतिम टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से दिल्ली में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत हासिल कर ली पर सुदर्शन मैच में रन नहीं बना पाये। वह 19 गेंदों पर 7 रन ही बना पाये। ऐसे में टेस्ट क्रिकेट में उनकी क्षमताओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के आधार पर उन्हें इंग्लैंड दौरे में भी जगह मिली थी पर वह वहां भी केवल एक अर्धशतक ही लगा पाये थे। इस बल्लेबाज को नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर माया गया है, जिसमें वह अभी तक बुरी तरह विफल रहे हैं।

बीसीसीआई वनडे ट्रॉफी के लिए हिमाचल की पुरुष अंडर 19 टीम घोषित, त्रिपुरा के साथ होगा पहला मुकाबला

धर्मशाला,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई वीनू मांकड़ वन डे एलीट टूर्नामेंट के लिए पुरुष अंडर-19 टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान आदित्य कटारिया को सौंपी गई है। प्रतियोगिता में हिमाचल अपना पहला मुकाबला त्रिपुरा के साथ खेलेगा। प्रतियोगिता के सभी मैच देहरादून में खेले जाएंगे।

उधर हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने पुरुष अंडर-19 टीम का चयन कर लिया है। बिलासपुर के आदित्य कटारिया को कप्तान की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा टीम में ऋषव ठाकुर बिलासपुर, अक्षय वशिष्ठ हमीरपुर, अग्रिम चंबियाल कांगड़ा, सोहम मिश्रा कांगड़ा, सिद्धक ढिल्लों कांगड़ा, अंश धीमान कांगड़ा, अनीश किन्नौर, सचिन मेहता कुल्लू, लक्ष्य ठाकुर मंडी, सुजल ब्रोटा शिमला, जपनीत सिंह सिरमौर, जयादित्य डोगरा सोलन, नौनिहाल सोलन तथा कबीर सिंह सोलन और ऊना से अर्पित सिंह को जगह दी गई है।

वहीं टीम के साथ अंकित अग्रवाल कोच, रोहित कालिया सहायक कोच, मयंक बालासुंदरम फिजियो, अंकुश आदित्य प्रशिक्षक, संदीप कुमार वीडियो विश्लेषक, संदीप कुमार साइड आर्म, विवेक धीमान को प्रबंधक बनाया गया है। उधर बात हिमाचल के मैचों की करें तो हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा 9 अक्टूबर को पहले मैच में आमने सामने होंगे। इसी तरह 11 अक्टूबर को दूसरा मैच छत्तीसगढ़, तीसरा मैच 13 अक्टूबर को चंडीगढ़ के साथ, 15 अक्टूबर को कर्नाटक के साथ तथा 17 अक्टूबर को हैदराबाद के साथ हिमाचल की भिड़ंत होगी।

पीकेएल-12: दबंग दिल्ली की लगातार चौथी जीत, जयपुर पिंक पैंथर्स को 29-26 से हराया

चेन्नई,07 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 67वें मुकाबले में दबंग दिल्ली केसी ने जयपुर पिंक पैंथर्स को रोमांचक मैच में 29-26 से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। यह इस सीजन में दिल्ली की 10वीं जीत रही, जिससे उसने अंक तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। जयपुर के लिए यह 12 मैचों में छठी हार रही। दिल्ली की जीत में डिफेंस का अहम योगदान रहा — संदीप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंक लिए, जबकि आशू ने 8 अंक और नीरज ने 4 अंक जुटाए। कप्तान फजल अत्राचली ने भी डिफेंस में तीन महत्वपूर्ण शिकार किए। जयपुर की ओर से रेजामीर बघेरी और दीपांशु ने हाई-5 हासिल किए, लेकिन टीम के रेडर्स उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए, जो हार का मुख्य कारण रहा। मैच की शुरुआत में दिल्ली के आशू ने एक सुपर रेड से टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन जल्द ही जयपुर के दीपांशु ने उन्हें लपक लिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और हाफटाइम तक जयपुर 13-12 से आगे रही। दूसरे हाफ में दिल्ली ने जबरदस्त वापसी की। नीरज और आशू की जोड़ी ने लगातार अंक जुटाए और जयपुर को ऑल आउट कर दिल्ली को 18-16 की बढ़त दिलाई। दिल्ली की डिफेंस लाइन ने बाद के मिनटों में दबाव बनाए रखा और जयपुर की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अंतिम मिनटों में मैच बेहद रोमांचक हो गया। जयपुर ने अंतर घटाकर 26-27 तक लाया, लेकिन अंतिम रेड में नीरज ने समाधी को लपककर दिल्ली को जीत दिला दी।

यशस्वी भी बनना चाहते हैं कप्तान

मुम्बई। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि वह भी भविष्य में भारतीय टीम का कप्तान बनना चाहते हैं। यशस्वी के अनुसार इसी कारण वह अपनी फिटनेस का विशेष ध्यान रखते हैं। यशस्वी टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हैं। टेस्ट डेब्यू के बाद से ही वह टीम में जगह पक्की करने में सफल रहे हैं हालांकि सीमित ओवरों के प्रारुप में वह अभी तक सफल नहीं हो पाये हैं। कप्तानी की इच्छा को लेकर यशस्वी ने कहा, मैं हर दिन अपनी फिटनेस और अपने कौशल पर काम कर रहा हूं। मैं अपनी फिटनेस और बेहतर करने का प्रयास कर रहा हूं। साथ ही कहा कि अभी हर दिन, मुझे अपने आप पर काम करना है कि मैं कैसे एक नेतृत्वकर्ता के तौर पर उभर सकता हूं। मैं भी आने वाले समय में एक प्रारुप मैं कप्तानी करना चाहता हूं।23 साल के यशस्वी ने तीनों प्रारुप में डेब्यू किया है। उन्होंने अब तक 25 टेस्ट, एक वनडे और 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 2200 से ज्यादा रन हैं।

एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी उड़ानें शुरू करेगी

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एयरलाइन इंडिगो 26 अक्टूबर से मुंबई और लंदन हीथ्रो के बीच सीधी दैनिक नॉन-स्टॉप उड़ानें शुरू करेगी, जिसका किराया 22,999 रुपये से शुरू होगा। यह मैनचेस्टर के बाद यूनाइटेड किंगडम में उसका दूसरा गंतव्य होगा।

एयरलाइन ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि नई सेवा नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान के जरिए संचालित की जाएगी। विमान में दो-श्रेणी की व्यवस्था होगी, जिसमें इकोनॉमी और इंडिगोस्ट्रेच केबिन शामिल हैं। यात्रियों को मुफ्त गर्म भोजन और पेय पदार्थ मिलेंगे। इकोनॉमी श्रेणी में मादक पेय खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे और इंडिगोस्ट्रेच ग्राहकों के लिए मुफ्त होंगे। साथ ही प्रत्येक सीट पर एक सीटबैक मनोरंजन स्क्रीन होगी, जो लगभग 300 घंटे की सामग्री प्रदान करेगी। इंडिगो की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा भागीदारों के माध्यम से बुकिंग उपलब्ध है। इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने कहा कि अपने आकार और कनेक्टिविटी के लिए प्रसिद्ध प्रमुख वैश्विक केंद्र हीथ्रो में प्रवेश करना एक गौरवपूर्ण उपलब्धि और इंडिगो की वैश्विक उपस्थिति को मज़बूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। उन्होंने कहा कि भारत-यूनाइटेड किंगडम कॉरिडोर लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है, न केवल मज़बूत द्विपक्षीय संबंधों के कारण, बल्कि छात्रों, दोस्तों और रिश्तेदारों, व्यापारिक और अवकाश यात्रियों द्वारा संचालित दोनों देशों के बीच बढ़ते यातायात के कारण भी। मैनचेस्टर के लिए हमारी पहली लंबी दूरी की उड़ान को मिली शानदार प्रतिक्रिया के बाद हम लंदन में कदम रखने को लेकर उत्साहित हैं, जहां हम अपने ग्राहकों के लिए और अधिक त्रा विकल्प प्रदान करते हुए भारत और दुनिया के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

वोडाफोन आइडिया को एजीआर मामले में राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) को एजीआर (समायोजित सकल राजस्व) विवाद में आंशिक राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की याचिका पर सुनवाई 13 अक्तूबर तक के लिए टाल दी है। याचिका में कंपनी ने दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 के लिए की गई 5,606 करोड़ की अतिरिक्त मांग को चुनौती दी है। वोडाफोन आइडिया की ओर से एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने दिवाली से पहले सुनवाई का अनुरोध किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 13 अक्टूबर तक टाली सरकार ने बताया कि वह कंपनी में लगभग 50 फीसदी हिस्सेदार है, इसलिए समाधान की दिशा में प्रयास जरूरी हैं। इससे पहले भी 26 सितंबर को सुनवाई टाली गई थी।

इस साल वैश्विक मुद्रा बाजार में डॉलर फिसला, यूरो-पेसो चमके, रुपया कमजोर

मुंबई। इस साल वैश्विक मुद्रा बाजारों ने अप्रत्याशित रुख अपनाया। जहां अमेरिकी डॉलर ने साल की शुरुआत मजबूत स्थिति से की थी, वहीं वर्ष के अंत तक यह करीब 9.5 फीसदी गिर गया। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिका में संभावित ब्याज दर कटौती की उम्मीदें और विकास दर में सुस्ती रही, जिसने डॉलर की मांग पर सीधा असर डाला। इसके विपरीत, यूरो और मैक्सिकन पेसो ने जबरदस्त मजबूती दिखाई। यूरो में डॉलर के मुकाबले लगभग 13 फीसदी की वृद्धि हुई। यूरोपीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता और अपेक्षाकृत मजबूत नीतियों ने इसे सहारा दिया। यूरो की मजबूती के चलते अमेरिकी पर्यटकों के लिए यूरोप की यात्रा महंगी हो गई, जबकि यूरोपीय लोगों के लिए अमेरिकी वस्तुएं सस्ती हो गईं। डॉलर में 9.5 फीसदी गिरावट, यूरो और पेसो में मजबूती, रुपया फिसला मैक्सिकन पेसो में करीब 12 फीसदी की बढ़त देखी गई, जो उच्च स्थानीय ब्याज दरों और उत्तरी अमेरिका से स्थिर निवेश प्रवाह के कारण संभव हो सकी। हालांकि वैश्विक परिदृश्य में अधिकतर मुद्राएं डॉलर के मुकाबले मजबूत हुईं, भारतीय रुपया ने विपरीत दिशा ली। साल 2025 में रुपया लगभग 3-4 फीसदी कमजोर हुआ। यह गिरावट स्थानीय आर्थिक नीतियों की अस्पष्टता और वैश्विक पूंजी के बाहर जाने की प्रवृत्ति का संकेत देती है।

पेट्रोल-डीजल जितने सस्ते हो जाएंगे इलेक्ट्रिक वाहन: नितिन गडकरी

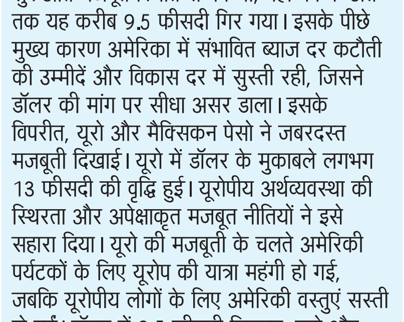

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में फिक्की के एक कार्यक्रम में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी चार से छह महीनों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें पेट्रोल और डीजल वाहनों के बराबर हो जाएगी। इसका मुख्य कारण है बैटरी की लागत में आई भारी गिरावट। पहले ईवी बैटरी की कीमत 150 डॉलर प्रति किलोवाट घंटा थी, जो अब घटकर 55 से 65 डॉलर के बीच आ गई है। बैटरी की लागत में भारी गिरावट, इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और वैकल्पिक ईंधन वाले इंजन भी होंगे विकसित गडकरी ने बताया कि बैटरी की कीमतों में यह गिरावट इलेक्ट्रिक स्कूटर, कार और बसों की लागत को कम करेगी, जिससे आम लोगों के लिए ये वाहन अधिक सुलभ बनेंगे। इससे न केवल पेट्रोल-डीजल पर खर्च कम होगा, बल्कि प्रदूषण में भी काफी हद तक कमी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर और वैकल्पिक ईंधन (इथेनॉल, सीएनजी, आइसोब्यूटेनॉल) से चलने वाले इंजन के विकास पर तेजी से काम कर रही है। इससे किसानों का खर्च घटेगा और आय बढ़ेगी। यह कदम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गडकरी का मानना है कि जैसे-जैसे ईवी की कीमतें कम होंगी, इनका बाजार में अपनापन और तेजी से बढ़ेगा। फिलहाल सरकार ईवी को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और टैक्स छूट जैसी योजनाएं भी चला रही है।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने कमाए 41 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि, बाजार में पूरे दिन उतार-चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद ग्लोबल मार्केट के मजबूत संकेतों, दूसरी तिमाही के सकारात्मक बिजनेस अपडेट्स और ऑयल एंड गैस तथा एनर्जी सेक्टर के शेयरों में हुई जोरदार खरीददारी के कारण बाजार की मजबूती बनी रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर के अलावा फार्मास्यूटिकल तथा रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर डिफेंस, मेटल, आईटी, कैपिटल गुड्स और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.25 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.84 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 41 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,322 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,847 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,316 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,819 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,234 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,585 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का

सेंसेक्स 93.83 अंक की मजबूती के साथ 81,883.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लाल निशान में 81,787.48 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोपहर 11 बजे के तक अपनी सारी बढ़त गंवा दी। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसके कारण दोपहर 2 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 519.44 अंक की तेजी के साथ 82,309.56 अंक तक पहुंच गया। सेंसेक्स की ये तेजी भी टिक नहीं सकी। कारोबार के आखिरी 1 घंटे में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 380 अंक से ज्यादा टूट कर 136.63 अंक की बढ़त के साथ 81,926.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 7.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,085.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही देर में लुढक कर लाल निशान में 25,076.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिससे निफ्टी 143.25 अंक की छलांग लगा कर 25,220.90 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, दोपहर 2:30 बजे के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से 110 अंक से ज्यादा फिसल कर 30.65 अंक की मजबूती के साथ 25,108.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से भारती एयरटेल 1.36 प्रतिशत, बजाज ऑटो 1.27 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 1.19 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.12 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजी 1.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

भारत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर कर रहा है बातचीत

नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। मंत्री ने दोहा में बताया कि ओमान, यूरोपीय संघ, अमेरिका, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड, यूरेशिया और अन्य देशों ने व्यापार समझौते की इच्छा जताई है। भारत इन समझौतों के जरिए विकसित देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करना चाहता है। न्यूयॉर्क में हाल ही में हुई बैठक के बाद भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से सहमति बनाने की कोशिश में हैं। अमेरिका ने भारतीय माल पर टैरिफ लगाए हैं, लेकिन दोनों पक्ष रचनात्मक वार्ता कर समझौता करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस समझौते का उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है। 2024-25 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहेगा। दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग 132 अरब डॉलर का है।

निवेशकों के लिए राहत, सेबी ने ऑनलाइन निवेश को बनाया सुरक्षित

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऑनलाइन धोखाधड़ी रोकने और निवेश को सुरक्षित बनाने के लिए दो नई सुविधाओं की शुरुआत की है। अब निवेशक एट द रेट वेलिड यूपीआई हैंडल और सेबी चेक टूल की मदद से सुनिश्चित कर सकेंगे कि उनका पैसा केवल सेबी अधिकृत ब्रोकर या म्यूचुअल फंड कंपनी के पास ही जाएगा। सेबी ने पंजीकृत सभी ब्रोकर और म्यूचुअल फंड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य किया है कि वे ऐसे यूपीआई हैंडल का उपयोग करें, जिनके अंत में एट द रेट वेलिड लिखा हो। ब्रोकरों के लिए बीआरके और म्यूचुअल फंड कंपनियों के लिए एमएफ का विशेष पहचानकर्ता होगा। पेमेंट के समय निवेशकों को हरे रंग के थम्ब्स-अप ट्रायंगल का निशान भी दिखेगा, जो यह बताएगा कि पैसा सही और अधिकृत संस्था को ही जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

25 वर्ष पूरे हुए...

किसानों समेत आम नागरिक बिजली और पानी की कमी की शिकायत करते थे। कृषि मंदी की चपेट में थी और औद्योगिक विकास ठप्प था। लेकिन सभी ने मिलकर गुजरात को सुशासन का केंद्र बनाने के लिए काम किया और सफल हुए। सूखाग्रस्त गुजरात, कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन गया। व्यापार की संस्कृति का विस्तार मजबूत औद्योगिक और विनिर्माण क्षमताओं में हुआ। नियमित कर्फ्यू अब अतीत की बात हो गई। सामाजिक और भौतिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिला। इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए लोगों के साथ मिलकर काम करना बेहद संतोषजनक रहा।

उत्तराखंड में ...

जिससे बच्चों का भविष्य बेहतर बन सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा, अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-2025 को मंजूरी प्रदान करने के लिए माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह जी का हार्दिक आभार करता हूं। जुलाई 2026 सत्र से प्रदेश में एक बड़ा बदलाव आएगा। उस सत्र से सभी अल्पसंख्यक विद्यालयों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम लागू होगा। इसके अलावा, नई शिक्षा नीति के तहत शिक्षा दी जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि प्रदेश के हर बच्चे को समान शिक्षा मिले। लक्ष्य है कि सभी को समान अवसर मिले, चाहे वे किसी भी वर्ग या समुदाय के हों। सरकार चाहती है कि हर बच्चा आधुनिक शिक्षा के साथ आगे बढ़े।

बांग्लादेश की याद...

पिछले महीने खैबर पख्तूनख्वा के एक गांव में पाकिस्तानी वायुसेना ने रात भर हवाई हमला किया, जिसमें 30 से ज्यादा लोग मारे गए। भारत ने इसे पाकिस्तान की आंतरिक हिंसा का उदाहरण बताया। हरीश ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवाद फैलाने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकियों को पनाह देने जैसी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए।

सितंबर में जेनेवा में मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र में भारत के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने भी पाकिस्तान पर निशाना साधा। त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी खराब अर्थव्यवस्था, सैन्य वर्चस्व वाली राजनीति और मानवाधिकार उल्लंघनों पर फोकस करना चाहिए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल इस फोरम का दुरुपयोग करके भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाता है। त्यागी ने सलाह दी कि पाकिस्तान को भारत के कब्जे वाले इलाकों को खाली करने की बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने, उत्पीड़न रोकने और अपने लोगों पर बमबारी बंद करने पर ध्यान देना चाहिए।भारत के यूएन में स्थाई प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सुनियोजित तरीके से नरसंहार करता है। यह एक ऐसा मुल्क है, जो अपने ही लोगों पर बमबारी करता है और दुनिया पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा को समझती है। पी हरीश ने कहा कि जो मुल्क अपने लोगों पर बमबारी करता है, गलत जानकारी देकर दुनिया को भटकाने की कोशिश करता है, वह जम्मू कश्मीर पर बातें करता है। भारत के प्रतिनिधि ने कहा कि दुर्भाग्य से हर साल भारत के खिलाफ पाकिस्तान की भ्रामक बातें उन्हें सुननी पड़ती हैं, खास कर जम्मू कश्मीर को लेकर। जबकि महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे पर भारत का रिकॉर्ड बेदाग है।उनकी ये टिप्पणी उस वक्त आई जब पाकिस्तानी अधिकारी ने भारत पर आरोप लगाया, कश्मीरी महिलाओं ने दशकों तक यौन उत्पीड़न सहन किया।भारतीय प्रतिनिधि ने इस पर जवाब देते हुए कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा मुल्क है, जिसने 1971 में ऑपरेशन सर्चलाइट चलाया और फौज द्वारा अपने ही मुल्क की 40,00000 महिलाओं का सामूहिक बलात्कार, नरसंहार करने का अभियान चलाया गया। दुनिया अब पाकिस्तान के प्रोपेगेंडा को अच्छी तरह समझने लगी है। इससे पहले पिछले हफ्ते पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारत ने कहा था कि दुनिया में सबसे खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड वाला मुल्क पाकिस्तान है। यहां अल्पसंख्यकों पर साजिश के तहत उत्पीड़न और भेदभाव किया जाता है। वह मुल्क अब दूसरों को उपदेश दे रहा है।

दूसरी तरफ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व विदेश राज्य मंत्री एमजे अकबर की नई किताब टिंडर बॉक्स: द पास्ट एंड फ्यूचर ऑफ पाकिस्तान के लॉन्च के दौरान पाकिस्तान को लिजलिजा देश करार दिया। उन्होंने कहा, भारत तो अपनी आर्थिक राह पर मजबूती से चल रहा है, लेकिन पाकिस्तान का भविष्य? यह तो बस ईश्वर ही जानते हैं। उन्होंने भारत की आर्थिक ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ये कोई छोटी बात नहीं है। आने वाले दिनों में, यानी 2030 तक हम तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएंगे। अगर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ग्रोथ रेट की बात करें, तो 2038 तक क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के हिसाब से भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आर्थिक पावरहाउस हो सकता है। इसी क्रम में रक्षा मंत्री ने दक्षिण एशिया के बाकी देशों से तुलना करते हुए कहा कि अगर आप चारों तरफ नजर डालें, तो पता चलेगा भारत कितना स्थिर खड़ा है। बाकी देशों में जो उतार-चढ़ाव चल रहे हैं। भारत यहां एक चट्टान की तरह खड़ा है- न हिले, न डुले। ये स्थिरता सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी है। पड़ोसी देशों की तुलना में हमारी ये मजबूती हमें और मजबूत बनाती है। उन्होंने एमजे अकबर के विश्लेषण का हवाला देते हुए पाकिस्तान को जेली स्टेट (लिजलिजा देश) करार दिया। मतलब, ऐसा देश जो हमेशा लिजलिजी अथवा गलित हालत में रहता है। कभी इधर ढुलकता है तो कभी उधर। राजनाथ ने कहा, पाकिस्तान की मौजूदा हालत को देखें, तो उसके भविष्य के बारे में मैं कुछ नहीं बोलूंगा। वो तो बस ईश्वर ही जानते हैं कि क्या होगा।

एमजे अकबर ने अपनी किताब में पाकिस्तान के लिए जेली-स्टेट (लिजलिजा देश) शब्द का इस्तेमाल किया है। उन्होंने पाकिस्तान को एक विषाक्त लिजलिजा देश बताया। एमजे अकबर का यह विश्लेषण पाकिस्तान के इतिहास और भविष्य को बखूबी बयान करता है।

वोटर लिस्ट से हटाए ...

अब अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है, जिससे भ्रम की स्थिति बनी है कि जोड़े गए नाम पुराने हटाए गए लोगों के हैं या नए मतदाताओं के। इस पर वकील द्विवेदी ने जवाब दिया कि अधिकतर जोड़े गए नाम नए मतदाताओं के हैं। हालांकि, कुछ पुराने मतादाता भी हैं जिनके नाम मसौदा सूची के बाद जोड़े गए। उन्होंने कहा, अब तक किसी भी हटाए गए मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दर्ज नहीं करवाई है। 30 सितंबर को चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। आयोग ने बताया कि कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 47 लाख घटकर 7.42 करोड़ रह गई, जो पहले 7.89 करोड़ थी। यह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद हुआ। हालांकि, मसौदा सूची (एक अगस्त को जारी) की तुलना में अंतिम आंकड़ा 17.87 लाख बढ़ा है। मसौदा सूची में 65 लाख मतदाताओं को हटाया गया था, जिनमें वे लोग शामिल थे जो मर चुके थे, दूसरी जगह पर चले गए थे (प्रवास) या जिनके नाम सूची में दो बार दर्ज थे।मसौदा सूची में 21.53 लाख नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, जबकि 3.66 लाख नाम हटाए गए, जिससे कुल मिलाकर 17.87 लाख मतदाताओं की बढ़ोतरी हुई। छह अक्तूबर को चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। इसके मुताबिक, 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर छह नवंबर को मतदान होगा, जबकि शेष 122 सीटों पर 11 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

फिर सीएम होंगे ...

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल बज चुका है। चुनाव आयोग के द्वारा राज्य की 243 सीटों के लिए तारीखों के ऐलान के बाद सियासी पार्टियां अपना पूरा दमखम लगा रही हैं। इस बीच एक सर्वे में भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए को बढ़त मिलती दिख रही है। एनडीए विकसित बिहार का नारा बुलंद कर रहा है। एनडीए का कहना है कि नीतीश कुमार की अगुवाई में बिहार जंगल राज से निकलकर 2047 के विकसित भारत के सपने की ओर बढ़ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक बयान में कहा कि एनडीए ने बिहार को जंगलराज से बचाकर विकास और अच्छे शासन की राह दिखाई। मौजूदा विधानसभा का टर्म 22 नवंबर को खत्म हो रहा है। अभी एनडीए के पास 129 विधायक हैं, जो बहुमत के 122 से ज्यादा है। विपक्ष के पास 112 हैं। 2020 में एनडीए को 125 सीटें मिली थीं, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें मिली थीं।मेट्राइज ओपिनियन पोल के लेटेस्ट सर्वे से अच्छी खबर एनडीए के लिए निकल कर सामने आ रही है। जिसमें गठबंधन को 49 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 150 से 160 सीटें आने की उम्मीद जताई गई है। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी-कांग्रेस-वाम दल) को 36 प्रतिशत वोट और 70 से 85 सीटें मिल सकती हैं।पीएम मोदी की प्रसिद्धि और केंद्र की विकास योजनाएं नीतीश की सुशासन बाबू वाली छवि को पुख्ता आधार दे रही हैं। नीतीश नौ बार सीएम रह चुके हैं, खासकर अति पिछड़े वर्ग (ओबीसी) में उनकी पकड़ जबरदस्त है। हाल में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने की कोशिश और स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण का कोटा बढ़ाना नीतीश कुमार के समर्थन को और प्रगाढ़ कर रहा है।

तीन साल में ...

पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत हुई कार्रवाइयों में हजारों अभियुक्त गिरफ्तार किए गए और करोड़ों रुपए मूल्य का नशा बरामद किया गया।राज्य में अगस्त 2025 तक एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाई में उल्लेखनीय सफलता मिली है। पिछले 3 वर्षों में 3431 अभियोगों में कुल 4440 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। बरामद ड्रग्स में चरस 681.09 किलो, डोडा 649.79 किलो, अफीम 61.22 किलो, कोकीन 0.39 ग्राम, हेरोइन 58.98 किलो, गांजा 4954.34 किलो, कैप्सूल 7,18,201, इंजेक्शन 38,919, गोलियां 720278 शामिल हैं। इन नशीली सामग्रियों की अनुमानित कीमत 208 करोड़ 4 लाख 31 हजार 296 रुपए बताई गई है। इसके अलावा हेरोइन बनाने वाली सामग्रियों में हाइड्रोक्लोरिक एसिड 47.5 लीटर, मेथेमेलामाइन सॉल्यूशन 500 मिलीलीटर, सोडियम हाइड्रोक्साइड 28 किलो बरामद की गई है। एनडीपीएस अपराधों में एमडीएमए एवं अन्य सिंथेटिक ड्रग्स के बढ़ते ट्रेंड को देखते हुए पुलिस ने निगरानी और भी सख्त कर दी है। इनकी जब्ती में वृद्धि देखी जा रही है, जबकि पारंपरिक मादक पदार्थों की मात्रा में कमी आई है।

दीपावली तक खरीदारी और निवेश के लिए हर दिन शुभ मुहूर्त

इस बार दीपावली कई शुभ संयोग लेकर आ रही है। आज से दीपावली तक प्रत्येक दिन शुभ योग और संयोग बन रहे हैं। खरीदारी और निवेश के लिए शुभ समय शुरू हो गया है। 4 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक ऐसे मुहूर्त बन रहे हैं, जिनमें प्रॉपर्टी, ज्वैलरी, गाड़ियों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान तक खरीदना शुभ होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि दीपावली पर्व के अवसर पर नया सामान खरीदने की परम्परा शुरू से ही रही है। इस बार दीपावली तक हर दिन शुभ मुहूर्त है। 4 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक तिथि, वार और नक्षत्रों से मिलकर सर्वार्थसिद्धि, राजयोग, त्रिपुष्कर, अमृतसिद्धि और रवियोग बन रहे हैं। इन शुभ संयोगों से सुख और समृद्धि बढ़ेगी। विशेष योग संयोग में गहने, नई प्रॉपर्टी की खरीद या फ्लैट बुक कराना फायदेमंद रहेगा। साथ ही इस दिन नए कामों की शुरुआत करना भी सफलतादायक रहेगा। 18 अक्टूबर धनतेरस के दिन गाड़ी, स्वर्ण, चांदी, वस्त्रत्, बर्तन की खरीदारी शुभ रहेगा। वहीं, 20 अक्टूबर को आभूषण, गाड़ी, भूमि, भवन, गृह सामग्री फ्रिज, टीवी आदि खरीदना शुभ साबित होगी। अपने पसंदीदा सामान की इस दौरान खरीदारी कर घरों में खुशियां ला सकते हैं।

दीपावली पर सर्वार्थ सिद्धि योग

20 अक्टूबर दीपावली पर सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। जो लोग 20 को खरीदी करना चाहते हैं उनके लिए सर्वार्थसिद्धि योग में खरीदारी करना भी शुभ फलदायी रहेगा। इस नक्षत्र का प्रतीक चिह्न गाय का थन माना जाता है। इस योग में किए गए कार्यों में सफलता निश्चित तौर पर मिलती है। साथ ही मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

नक्षत्रों का राजा है पुष्य

27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र है पुष्य। इसे नक्षत्रों का राजा भी माना जाता है। यह धन, यश और वैभव का प्रतीक है, इसलिए पुष्य नक्षत्र में शुभ कामों की शुरुआत, प्रॉपर्टी, व्हीकल की खरीदारी और निवेश करने की परंपरा चली आ रही है। माना जाता है इस नक्षत्र में सोना खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। पुष्य को सबसे अच्छा नक्षत्र माना जाता है। इसे शास्त्रों में अमरेज्य भी कहा गया है। यानी वो नक्षत्र जो जीवन में स्थिरता और अमरता लाता है। इस दौरान लंबे समय तक चलने वाले स्थायी काम करने चाहिए। इस बार दीपावली से पहले 14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। यह हर तरह की खरीदारी के लिए सर्वोत्तम दिन माना जाता है। दीपावली से पहले आने से इसका और महत्व बढ़ गया है।

14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र

पुष्य नक्षत्र हर महीने आता है लेकिन दिवाली से पहले आने वाले पुष्य नक्षत्र का विशेष महत्व बताया गया है। इस साल दिवाली से पहले पुष्य नक्षत्र 14 और 15 अक्टूबर 2025 दो दिन है। पुष्य नक्षत्र निवेश, सोना-चांदी, संपत्ति, वाहन खरीदी, बहीखाता नवीनीकरण और दिवाली की खरीदी के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। यही वजह है कि दिवाली से पहले लोगों को पुष्य नक्षत्र का इंतजार रहता है। दीवाली के समय स्वर्ण खरीदने के लिये मुहूर्त, अर्थात शुभ समय को प्राथमिकता देते हैं। पुष्य नक्षत्र एवं धनतेरस, ये दो सर्वाधिक शुभ दिन हैं। सोना खरीदना, घर में देवी लक्ष्मी को आमन्त्रित करने के समान माना जाता है. देवी लक्ष्मी धन एवं समृद्धि प्रदान करने वाली देवी हैं। पुष्य नक्षत्र देवी लक्ष्मी का जन्म नक्षत्र है, इसीलिये पुष्य नक्षत्र को देवी लक्ष्मी को घर लाने के लिये सर्वाधिक शुभ नक्षत्र माना जाता है। ऐसे में इस दिन मां लक्ष्मी के रूप में सोना खरीदने की परंपरा है। कहते हैं इसस घर में स्थाई रूप से धन लक्ष्मी का वास हो जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हर प्रकार की खरीदी शुभ

पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य पुण्यदायी और फल देने वाले होते हैं। पंचांग के अनुसार, 14 अक्टूबर को दोपहर 11:54 से 15 अक्टूबर को दोपहर 11:59 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र 27 नक्षत्रों में से 8 वें स्थान में आता है। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। इसे 27 नक्षत्रों में से सबसे शुभ, पुण्य और पवित्र माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करने का प्रचलन है, इसलिए ही इसे शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में चल-अचल संपत्ति जैसे सोने, चांदी के आभूषण, सिक्के, महालक्ष्मी की प्रतिमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, फर्नीचर, बाइक-कार, उद्योग के लिए जमीन, प्लॉट की खरीदी सबसे ज्यादा शुभ मानी गई है। साथ ही पुष्य नक्षत्र में निवेश के लिए भी सबसे शुभ माना जाता है।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति – मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन),

इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

दीपावली तक कब कौन से योग बन रहे हैं

8 अक्टूबर राज योग

10 अक्टूबर सर्वार्थसिद्धि योग, कुमार योग

11 अक्टूबर सर्वार्थसिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग

12 अक्टूबर रवि योग

14 अक्टूबर पुष्य नक्षत्र

17 अक्टूबर सिद्धि योग, कुमार योग, राज योग

19 अक्टूबर अमृत सिद्धि योग

20 अक्टूबर सर्वार्थसिद्धि योग

23 अक्टूबर रवि योग

राशि अनुसार किन वस्तुओं की करें खरीदारी

मेष राशि– मेष राशि के जातकों को चांदी के आभूषण, सिक्के या फिर बर्तन खरीदने चाहिए। इसके अलावा आप सोना या पीतल की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। इससे आपको तरक्की मिलेगी।

वृषभ राशि–आपके लिए चांदी की वस्तुएं खरीदना अच्छा रहेगा। यदि आप हीरा जड़ित कोई आभूषण खरीदते हैं तो वह बहुत ही उत्तम रहेगा। आप अपने बजट के अनुसार चांदी के आभूषण या सिक्के भी ले सकते हैं।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के लोगों के लिए कांसे का बर्तन, सोना आदि खरीदना शुभ होता है। मिथुन राशि वालों के लिए पन्ना शुभ रत्न है, इन वस्तुओं की खरीदारी आपके लिए उन्नति देने वाली होगी।

कर्क राशि–कर्क राशि के लोगों को चांदी के आभूषण, चांदी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, चांदी का श्रीयंत्र, मोती की माला, चांदी में माती जड़ित अंगुठी आदी खरीदना उत्तम रहेगा।

सिंह राशि–सिंह राशि के लोगों के लिए सोना खरीदना श्रेष्ठ रहेगा। आपके लिए शुभ रत्न माणिक्य है। यदि बजट कम है तो आप उन वस्तुओं को खरीद सकते हैं, जिन पर सोने का पानी चढ़ाया गया हो।

कन्या राशि –कांसे या फूल के बर्तन खरीदना चाहिए, इससे आपका बुध ग्रह और मजबूत होगा। आपका शुभ रत्न पन्ना और मोती है। मोती की माला भी खरीद सकते हैं।

तुला राशि–तुला राशि के लोगों को चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन खरीदना शुभ रहेगा। इससे आपकी धन संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि– वृश्चिक राशि के लोगों को तांबे के बर्तन, चांदी या चांदी के आभूषण खरीदना चाहिए। इससे वृश्चिक राशि वालों को लाभ होगा

धनु राशि –धनु राशि के लोगों को सोने के आभूषण, सोने के सिक्के, पीतल के बर्तन आदि खरीदना चाहिए। ऐसा करने से साल भर पैसे की कमी नहीं रहेगी।

मकर राशि–मकर राशि के लोगों को स्टील के बर्तन या अपने लिए कोई वाहन खरीद सकते हैं। इससे सालभर आपकी उन्नति होगी।

कुंभ राशि–कुंभ राशि के लोगों को वाहन या स्टील के बर्तन खरीदने चाहिए। उसके बाद चांदी, सोना आदि खरीद सकते हैं।

धन योग का शुभ संयोग, गणेशजी की कृपा मेष,कर्क समेत अन्य राशियों के जातकों को होगा धन लाभ

आज यानी 8 अक्टूबर दिन बुधवार है और आज के दिन के स्वामी हैं गणेशजी हैं। और साथ ही आज चंद्रमा का गोचर दिन रात मेष राशि में होने जा रहा है। मंगल की राशि में विराजमान चंद्रमा पर आज के दिन मंगल की पूर्ण दृष्टि होने सै धन योग बनेगा। साथ ही आज के दिन चंद्रमा से पंचम भाव में शुक्र का होना भी शुभ योग बना रहा है। इस पर आज के दिन अश्विनी नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग भी लगने जा रहा है। ऐसे में आज का दिन भगवान गणेशजी की कृपा और आशीर्वाद से मेष, कर्क, सिंह, तुला और मकर राशि के जातको के लिए बहुत ही भाग्यशाली रहेगा।

मेष राशि – बुद्धि से उन्नति का योग बना रहा है

मेष राशि में आज के दिन शुभ लाभ का योग बना हुआ है। चंद्रमा आपकी राशि में बैठकर मंगल और बुध के दृष्ट हो रहे हैं जिससे आपको आज के दिन बुद्धि और चतुराई से लाभ मिलेगा। आपकी आर्थिक योजनाएं आज के दिन सफल होगी। आपकी कमाई में वृद्धि होने से आपको खुशी मिलेगी। को अधूरी चाहत भी पूरी होगी। सितारे कहते हैं कि आज के दिन आप दीर्घकालीन निवेश करें तो यह आपके लिए लाभदायक और उन्नतिदायक होगा। आपको किसी पूर्व परिचित की मदद से भी फायदा मिलेगा। वैवाहिक जीवन आपका आज के दिन आनंददायक रहने वाला है।

उपाय : आपको आज के दिन हरे वस्त्र धारण करना चाहिए और दुर्गा देवी के 32 नाम स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि – करियर में करेगा सपोर्ट

कर्क राशि के जातको के लिए आज का दिन करियर और कामकाज के लिहाज से बहुत ही अनुकूल रहने वाला है। आज आपको नौकरी में कोई नया अवसर प्राप्त होगा। आप किसी नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। आपको सहकर्मियों से पूरा सपोर्ट मिलेगा। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको आज के दिन कामयाबी मिलेगी। आपको आज आर्थिक मामलों में भी भाग्य का साथ मिलेगा। बिजनेस में आपकी कमाई में अप्रत्याशित वृद्धि होगी। पिता और पैतृक पक्ष से लाभ और सपोर्ट मिलेगा। लव लाइफ के मामले में भी आज आप लकी रहेंगे।

उपाय : आपको आज के दिन को शुभ लाभदायक बनाए रखने के लिए शहद युक्त पान देवी दुर्गा को अर्पित करना चाहिए। अपनी माता से आशीर्वाद लें।

सिंह राशि – भाग्य से उन्नति पाने वाला

सिंह राशि के जातकों के लिए आज का दिन उन्नति का अवसर लेकर आ रहा है। आपको आज कार्यक्षेत्र में उन्नति का मौका मिलेगा। अगर आपने पूर्व में कोई इंटरव्यू दिया है या प्रतियोगिता में शामिल हुए है तो आपको कोई प्रसन्नतादायक खबर मिलेगी। आपके कार्यक्षेत्र में आज के दिन कुछ सकारात्मक बदलाव होगा। आप आज आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। अनचाहे और अनावश्यक खर्च आज कंट्रोल में रहेगे। जबकि आज कमाई में वृद्धि होगी। आप आज के दिन निवेश के द्वारा भी कमाई कर सकते हैं। राजनीति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को जनता का सपोर्ट मिलेगा। कोई अधूरी चाहत पूरी होने की खुशी मिलेगी। आज आपका भाग्य आपको उम्मीद से बढ़कर लाभ दिलाएगा साथ ही आप शुभ कार्यों द्वारा पुण्य लाभ भी प्राप्त कर पाएंगे।

उपाय : सिंह राशि के लोग को आज के दिन उपाय के तौर पर 11 दूर्वा और साथ में सिंदूर गणेशजी को अर्पित करें

तुला राशि – धन लाभ का बना रहा संयोग

आज के दिन तुला राशि के जातक आर्थिक लाभ का अवसर पाएंगे। आपका पैसा कहीं फंसा हुआ तो आपको अपना धन वापस मिल सकता है। आपकी किसी समस्या का आज समाधान होने से आप राहत की सांस लेंगे। आपको आज के दिन परिवार का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आप कुछ नया और रोमांचक काम कर सकते हैं जिससे आपको आत्मसंतुष्टि मिलेगी। किसी मित्र या संबंधी के द्वारा भी आपको लाभ का मौका मिलेगा। आज के दिन आपको कोई ऐसी खबर भी मिल सकती है जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे हैं। वैवाहिक जीवन आपका प्रेमपूर्ण रहेगा।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर किसी किन्नर को दान देना चाहिए। श्रीगणेश चालीसा का पाठ करना भी लाभदायक होगा।

मकर राशि – सुख का संयोग बना रहा है

कत का दिन मकर राशि के जातको के लिए लाभदायक और सुख की वृद्धि करने वाला रहेगा। आप आज के दिन किसी सुख साधन के मिलने से प्रसन्न होंगे। आपको पिता की ओर से आज लाभ मिलेगा। अगर आप वाहन खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको आज के दिन इस मामले में सफलता मिलेगी। किसी मित्र से भी आपको आज अपेक्षित सहयोग मिलने की खुशी होगी। आपको भाग्य आज के दिन बिजनेस में लाभ दिलाएगा। शिक्षा के क्षेत्र में आज मकर राशि के जातक बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे सरकारी क्षेत्र के काम में भी आपको आज सफलता मिलेगी।

उपाय : आपको आज के दिन उपाय के तौर पर दुर्गा सप्तशती के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करना चाहिए।

कार्तिक मास में जप तप और पूजा पाठ करने से धन धान्य की होती है प्राप्ति

कार्तिक मास का हिंदू धर्म में विशेष महत्व बताया गया है। इस महीने में लंबी योग निंद्रा के बाद भगवान विष्णु जागते हैं। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक मास को सबसे पुण्यकारी माना गया है। इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर तुलसी पूजन का भी इस अवधि में विशेष महत्व बताया गया है कि ऐसी मान्यता है कि तुलसी के नीचे जो व्यक्ति दीप जलाता है। ऐसे में कार्तिक मास में कुछ नियमों का विशेष पालन करना चाहिए। ताकि आपको धन धान्य की प्राप्ति हो पाए। इसके अलावा कार्तिक मास में जप तप और पूजा पाठ करने से न सिर्फ भगवान विष्णु बल्कि माता लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती है।

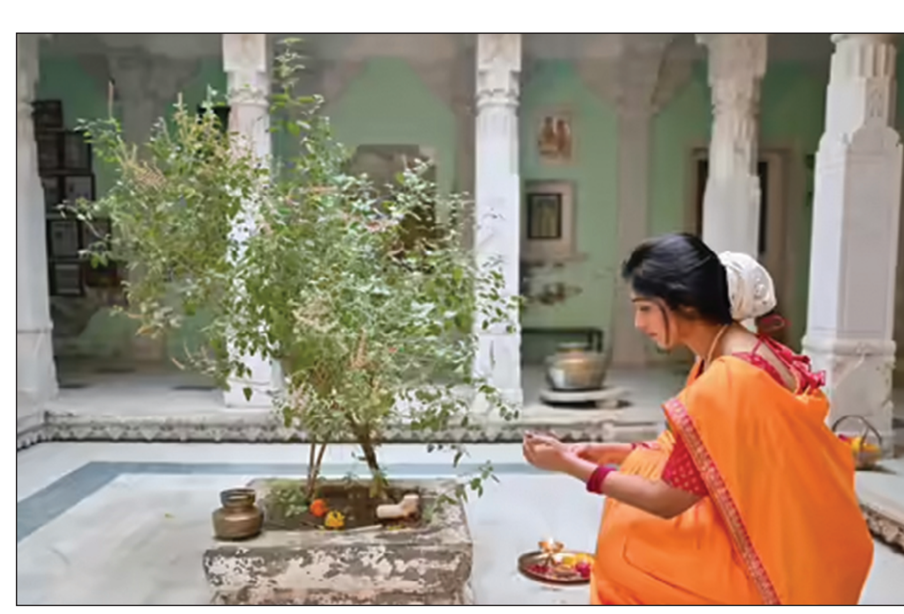

कार्तिक मास आरंभ और समापन

कार्तिक मास का आरंभ 7 अक्टूबर से हो चुका है। इसी दिन से कार्तिक मास का स्नान भी आरंभ हो चुका है। कार्तिक मास का समापन 5 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा को हो जाएगा। इसी बीच 1 अक्टूबर को देवउठनी एकादशी के दिन यानी भगवान विष्णु योग निद्रा से जागेंगे। बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा का महास्नान 5 नवंबर को किया जाएगा।

कार्तिक मास में क्या करें, कार्तिक मास के नियम

✼ कार्तिक मास में कार्तिक स्नान का विशेष महत्व है बताया गया है। ऐसा करने से आरोग्य का प्राप्ति होती है। कार्तिक मास में नित्य स्नान से कल्याण की प्राप्ति होती है।

✼ मदनपारिजात में लिखा है कि कार्तिकं सकलं मासं नित्यस्नायी जितेंद्रिय:। जपन् हविष्यभुक्छान्त: सर्वपापै: प्रमुच्यते।। कार्तिक मास में जितेन्द्रिय रहकर नित्य स्नान करता है और कार्तिक मास में जो व्यक्ति गेहूं, मूंग, दूध, दही और घी आदि से बनी चीजों को का दिन में एक बार सेवन करता है तो उसके सारे पाप दूर हो जाते हैं।

✼ कार्तिक मास में स्नान के लिए किसी पवित्र में स्नान करना सबसे शुभ माना गया है या आप किसी साफ तालाब, कुएं आदि से पानी लेकर भी स्नान कर सकते हैं यदि ऐसा करना संभव नहीं है तो आप अपने घर में पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं।

✼ कार्तिक मास में जो व्यक्ति सुबह जल्दी उठकर कार्तिक स्नान करता हैं भगवान के भजन गाता है और पूरे महीने सात्विक भोजन करता हैं। उन्हें भगवान की कृपा प्राप्त होती है। इस महीने भूलकर भी मांस और मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

✼ कार्तिक मास में पीपल के वृक्ष, तुलसी आदि में दीप जलाना बहुत ही शुभ फलदायी माना गया है। कार्तिक मास में तुलसी पूजन का विशेष महत्व होता है इसलिए पूरे महीने रोजाना सुबह शाम तुलसी में घी का दीपक जलाना चाहिए।

कार्तिक मास में दीप दान के फायदे

हिंदू धर्म में कार्तिक मास को सबसे पवित्र महीना माना गया है। इसी मास में भगवान विष्णु अपनी योग निद्रा से जागते हैं। इसी महीने करवा चौथ, दीपावली और छठ महापर्व सहित कई बड़े त्योहार पड़ते हैं। इस पावन मास में नियमपूर्वक दीपदान और तुलसी पूजा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक मास में किए गए दान और दीपदान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और सभी पापों का नाश होता है।

पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास 2025 की शुरुआत 8 अक्टूबर 2025 से हो रही है और यह 5 नवंबर 2025 तक रहेगा। शास्त्रों में इस माह को दीपदान के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। कार्तिक माह में दीपदान और तुलसी पूजा से देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और व्यक्ति को राजसी सुख प्राप्त होता है।

कार्तिक मास में दीपदान को बेहद ही शुभ फल देने वाला माना गया है। इस पवित्र मास में रोजाना सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करके नदी या तालाब में दीपदान करने से विशेष पुण्य मिलता है। वहीं, सुबह तुलसी के सामने घी या तिल के तेल का दीपक जलाने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और अगले जन्म में वह महान कुल में जन्म लेता है। कार्तिक मास में तुलसी पूजा और गंगा स्नान करने से प्राप्त पुण्यों से ही अगले जन्म में रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण की पटरानी बनीं।

कार्तिक में इन चीजों के दान से मिलेगा राजसी सुख

कार्तिक मास में अन्न दान का विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार, श्रद्धा भाव से अन्न दान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

कार्तिक माह में सतनजा यानी सात प्रकार के अनाज का दान करने से व्यक्ति को सात जन्मों तक सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

कार्तिक माह में सुहागिन महिलाओं को सुहाग सामग्री का दान करना चाहिए। इससे सौभाग्य और अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार कार्तिक मास में भगवान विष्णु को तिल अर्पित करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है और जीवन में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

✼ कार्तिक मास में किसी जरूरतमंद को चावल का दान करना चाहिए। ऐसा करने से चंद्र दोष दूर होता है साथ ही अगर कुंडली में चंद्रमा अशुभ स्थिति में है तो यह शुभ फल प्रदान करता है।

सायरा बानो ने दिलीप कुमार के साथ अपनी सगाई की यादें शेयर कीं, सच्चे प्यार का मतलब बताया

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री सायरा बानो और अभिनेता दिलीप कुमार की गुरुवार को सगाई की सालगिरह है। इस मौके पर अभिनेत्री ने दिलीप साहब को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी सगाई की कुछ पुरानी मोनोक्रोम तस्वीरें भी प्रशंसकों के साथ साझा कीं। अपने पोस्ट में सायरा ने लिखा कि सच्चा प्यार विश्वास की नींव पर टिका होता है। उन्होंने लिखा, सच्चा प्यार क्या है, अगर उसमें विश्वास न हो? ऐसा विश्वास जो इतना गहरा हो कि सवाल, शक या तर्क की कोई जरूरत न पड़े। 2 अक्टूबर 1966 को मेरा दिल मेरे सच्चे प्यार, मेरे दिलीप साहिब के साथ जुड़ा। उस दिन से मैंने कभी सवाल नहीं उठाए, न ही कारण खोजे। चाहे खुशी के पल हों, दुख के दिन हों, या रोजमर्रा की शांत घड़ियां, मैंने उन्हें सिर्फ प्यार किया।

सायरा ने दिलीप कुमार के एक मशहूर कथन को याद करते हुए लिखा, प्यार में मोहब्बत है, मोहब्बत में जुनून है, और जुनून में जिंदगी। प्यार कोई शर्तों का बंधन नहीं, बल्कि पूर्ण समर्पण है। यह वह आजादी है जो बिना किसी बोझ, शक या अपेक्षा के आती है। यह न कोई बोझ उठाता है, न शक रखता है, न कोई उम्मीद करता है, बल्कि यह सबसे मीठी आजादी देता है, खुद को पूरी तरह समर्पित करने की आजादी।

उन्होंने आगे लिखा, इस समर्पण में मैंने प्यार की सच्ची सुंदरता देखी, जो बिना शर्त और हमेशा के लिए थी। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो दो आत्माओं को एक-दूसरे के लिए जीते और प्यार करते देखती हूं।

अभिनेत्री का यह भावुक नोट प्रशंसकों के दिल को छू गया। वे पोस्ट पर कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

दिलीप कुमार ने अभिनेत्री सायरा बानो से साल 1966 में शादी की थी, जो कि उम्र में उनसे काफी छोटी थीं, लेकिन दोनों का रिश्ता बहुत मजबूत और प्यारा था। दिलीप कुमार ने 7 जुलाई 2021 को 98 साल की उम्र में मुंबई के पी.डी. हिंदुजा अस्पताल में आखिरी सांस ली।

दिलीप साहब भले ही इस दुनिया को छोड़कर चले गए हों, लेकिन उनके प्रति सायरा का प्यार आज भी कम नहीं हुआ है। वे अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें शेयर कर उन्हें याद करती रहती हैं।

गौरी खान ने 14 साल की उम्र में किंग खान के दिल पर किया कब्जा इंटीरियर डिजाइनर बन कमाया नाम

बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान सभी के दिलों पर राज करते हैं, लेकिन उनके दिल में सिर्फ और सिर्फ गौरी खान बसती हैं। शाहरुख ने कई बार खुलासा किया है कि गौरी उनके लिए हर मोड़ पर एक बेहतरीन पार्टनर साबित हुई हैं और उनके सपोर्ट के बिन कुछ नहीं कर पाते हैं। 8 अक्टूबर को गौरी खान अपना 54वां जन्मदिन मनाने वाली हैं। गौरी खान भले ही शाहरुख खान की तरह फिल्मी पर्दे का चेहरा नहीं हैं, लेकिन अपने दम पर कई बिजनेस करती हैं। उन्होंने बॉलीवुड में बतौर इंटीरियर डिजाइनर अपनी पहचान बनाई और कई स्टार्स के घर डिजाइन किए हैं। गौरी ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का घर और वैनिटी वैन, करण जौहर के डुप्लेक्स की छत, जैकलीन फर्नांडिस, ऋतिक रोशन, माधुरी दीक्षित और खुद का घर मन्नत तक डिजाइन किया है।

इस बिजनेस के अलावा, गौरी शाहरुख संग मिलकर अपनी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट चलाती हैं। कंपनी के बैनर तले अभी तक कई फिल्मों का निर्माण हो चुका है, जिसमें 'जवान,' 'डंकी,' 'माय नेम इज खान,' 'डियर जिंदगी,' 'चेन्नई एक्सप्रेस,' 'हैप्पी न्यू ईयर,' और 'ओम शांति ओम' जैसी फिल्में शामिल हैं।

बता दें कि पहले गौरी खान ड्रीम्ज अनलिमिटेड नाम की प्रोडक्शन कंपनी चलाती थीं, लेकिन साल 2002 में शाहरुख और गौरी ने मिलकर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की नींव रखी थी। इन सबके अलावा, वह प्रॉपर्टी में इन-वेस्ट भी करती रहती हैं।

पर्सनल लाइफ की बात करें तो गौरी की शाहरुख खान से पहली मुलाकात 14 साल की उम्र में हुई थी। उस वक्त शाहरुख खान 19 साल के थे।

शाहरुख ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें पहली ही नजर में गौरी से प्यार हो गया था। गौरी एक अच्छे और रईस परिवार से आती थीं, इसलिए उन्हें हासिल करने के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ी थी। गौरी ने शाहरुख का नाम शाहीन के नाम से सेव कर रखा था, ताकि घर में किसी को शक न हो। इतना ही नहीं, गौरी अपनी यंग एज में इतनी ज्यादा सुंदर हुआ करती थीं कि अगर वह स्विमसूट पहनतीं या अपने बाल खोलती थीं तो शाहरुख उनसे लड़ने लगते थे। एक पुराने इंटरव्यू में एक्टर ने खुलासा किया था कि वह शुरू से ही गौरी के लिए पजेसिव थे। वह नहीं चाहते थे कि गौरी को कोई और देखे।

श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपए के लिए नौकरी, मेहनत से बनीं घर-घर की प्रेरणा

टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो 'कलीरे' में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है।

श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था।

श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया। उस वक्त एक्ट्रेस की पहली कमाई 500 रुपये थी, लेकिन आज एक्ट्रेस एक एपिसोड का लगभग 3 लाख रुपये चार्ज करती हैं और अकेले अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं।

एक्ट्रेस ने 15 साल की उम्र में टीवी पर कदम रखा और दूसरे ही सीरियल से छा गई, लेकिन इसके साथ ही श्वेता की पर्सनल लाइफ काफी उतार-चढ़ाव भरी रही। श्वेता को छोटी उम्र में ही प्यार हो गया और 18 साल की उम्र में उन्होंने भोजपुरी एक्टर राजा चौधरी से शादी कर ली।

दोनों को एक बेटी पलक हुई, लेकिन घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोप के बाद दोनों का तलाक हो गया। जिसके बाद एक्ट्रेस ने सेट पर मिले एक्टर अभिनव कोहली से शादी की और बेटे रेयांश को जन्म दिया। हालांकि यहां भी रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और शादी के तीन साल बाद ही दोनों का तलाक हो गया।

पेरिस फैशन वीक में जाह्नवी कपूर ने MIU MIU शो में अपने खास लुक से मचाई धूम

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर अपने फैशन सेंस से अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबका ध्यान खींचा है। वह पेरिस फैशन वीक में Miu Miu Spring/Summer 2026 शो में शामिल हुईं, जहाँ उनका स्पोर्टी-प्रीमियम लुक चर्चा का विषय बन गया। जाह्नवी कपूर शो में एक बेहद ही खूबसूरत और ट्रेंडी लुक में नज़र आईं। उन्होंने क्रिस्प पोलो शर्ट के साथ एक चेक प्रिंट की प्लीटेड मिनी स्कर्ट पहनी थी, जो उनके लुक को एक युवा और आकर्षक अपील दे रही थी। अभिनेत्री ने अपने इस लुक को एक ब्राउन लेदर जैकेट के साथ लेयर किया, जिसे बटरी ब्राउन लेदर जैकेट भी कहा जाता है, जिससे उनके लुक में एक रिच और क्लासी टच आ गया। स्कर्ट और जैकेट के बीच एक परफेक्ट कंट्रास्ट बनाने के लिए उन्होंने कमर पर एक पतली ब्राउन बेल्ट पहनी थी। अपने लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने डेलिकेट हैंडबैग, कीटन हील्स और मीड-हाई सॉक्स का इस्तेमाल किया। एक्सेसरीज में उन्होंने ब्लैक स्लिम सनग्लासेस पहने थे, और उनके कानों में डायमंड ईयर कफ्स व प्रतिष्ठित ब्रांड उहेरिव की एक क्लासी वॉच भी थी। जाह्नवी का हेयरस्टाइल पूरी तरह से स्लीक और क्लीन था। बालों को स्लीक बन / पुल्ड-बैक स्टाइल में सेट किया गया था, जिससे उनके चेहरे की बनावट और एक्सेसरीज पर फोकस बना रहा। मेकअप की बात करें तो, उन्होंने ग्लोइंग स्किन, ब्रशड-अप ब्राउज़ और न्यूड लिप्स को प्राथमिकता दी। उनके मेकअप का न्यूरल टोन का ग्लैमर, उनके आउटफिट के साथ परफेक्ट सामंजस्य बिठा रहा था, जिसने जाह्नवी कपूर के इस पेरिस फैशन वीक लुक को यादगार बना दिया।

आलिया भट्ट से निकिता दत्ता तक : बॉलीवुड की योग देवियां जो फिटनेस में भरती हैं प्राण

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ हर जगह परफेक्शन की मांग होती है और हर किरदार दृढ़ता की परीक्षा लेता है, कुछ अभिनेत्रियाँ ऐसी हैं जिन्होंने अपनी जगह जिम या रेड कार्पेट पर नहीं, बल्कि योगा मैट पर बनाई है। इन सितारों के लिए योग सिर्फ फिटनेस नहीं, बल्कि एक दर्शन है, जो उन्हें शरीर और आत्मा, दोनों रूपों में मजबूत और संतुलित रखता है। शिल्पा शेट्टी: पिछले दो दशकों से शिल्पा शेट्टी सौम्यता, वेलनेस और आंतरिक शांति की प्रतीक रही हैं। अपनी किताबों, डीवीडीज़ और डिजिटल फिटनेस प्लेटफ़ॉर्म्स के ज़रिए उन्होंने योग को एक जीवनशैली का रूप दे दिया है। उनकी सुबहें सूर्य नमस्कार से शुरू होती हैं और दिन का अंत कृतज्ञता के साथ। यही दिनचर्या उन्हें शोबिज़ की भागदौड़ में भी शांत, संतुलित और दमकता हुआ बनाए रखती है। करीना कपूर खान: करीना कपूर खान की फिटनेस यात्रा उनकी फिल्मों जितनी ही प्रसिद्ध है। कभी साइज़ ज़ीरो ट्रेंड की पहचान रही करीना, अब माइंडफुल फिटनेस की मिसाल बन चुकी हैं। उनके लिए योग बाहरी रूप से सुंदर दिखने का नहीं, बल्कि मन, शरीर और सांस के संतुलन का माध्यम है।

निकिता दत्ता: नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों में निकिता दत्ता अपनी शांत लेकिन दृढ़ योग साधना के लिए अलग पहचान रखती हैं। उनके सोशल मीडिया पर अक्सर शांत आसनों और मानसिक संतुलन पर उनके विचार दिखाई देते हैं। निकिता के लिए योग कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि आत्म-संवाद का एक पवित्र स्थान है, जहाँ वे बाहरी शोर से दूर होकर अपने भीतर की शांति से जुड़ती हैं। उनकी नियमितता और सहज ऊर्जा यह दर्शाती है कि कैसे योग का प्रभाव चमक-दमक से परे, जीवन को भीतर से निखारता है। आलिया भट्ट: व्यस्त शूटिंग शेड्यूल और थका देने वाली दिनचर्या के बीच, आलिया भट्ट के लिए योग एक एंकर की तरह है। उन्हें एरियल योगा बेहद पसंद है, और वे अक्सर अपनी योग साधना की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आलिया की फिटनेस यात्रा उनकी जीवन दृष्टि को दर्शाती है, जिसमें लचीलापन, अनुशासन और संतुलन का समावेश है।

मलाइका अरोड़ा: मलाइका अरोड़ा न केवल एक प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं, बल्कि प्रमाणित योग प्रशिक्षक भी हैं। उन्होंने अपना खुद का वेलनेस स्टूडियो स्थापित किया है और योग को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के समग्र मार्ग के रूप में प्रचारित करती हैं। उनके लिए योग केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन को भी स्वस्थ रखने का साधन है। चाहे शिल्पा की शांति हो या आलिया की अन-शासन भरी लचक, निकिता की आत्मिक गहराई हो या मलाइका का समर्पण, इन बॉलीवुड देवियों ने साबित कर दिया है कि असली सुंदरता और ताकत भीतर की संतुलन से आती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। किसी बच्चे या बूढ़े के स्वास्थ को लेकर हुई परेशानी अप्रत्यक्ष रूप से आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। एकांत में वक्त बिताना अच्छा है लेकिन आपके दिमाग में कुछ चल रहा है तो लोगों से दूर रहकर आप और ज्यादा परेशान हो सकते हैं। इसलिए आपको हमारी सलाह है कि लोगों से दूर रहने से बेहतर होगा किसी अनुभवी शख्स से अपनी परेशानी के बारे में बात करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन इससे अधिक रंगों से भरा कभी नहीं रहा है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको फ़ायदा होगा। प्रेम–संबंध में गुलाम की तरह व्यवहार न करें। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़्यादा यात्रा करना झुंझलाहट पैदा कर सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। आज अपने ख़ूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर–स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी–ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपकी कड़ी मेहनत कार्यक्षेत्र में ज़रूर रंग दिखाएगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर सफर कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की ज़रूरतों के मुताबिक़ ख़ुद को ढालें। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

सेहत अच्छी रहेगी। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। आपको बच्चों के साथ कुछ समय बिताने, उन्हें अच्छे संस्कार देने और उनकी ज़िम्मेदारी समझाने की ज़रूरत है। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। रिश्तेदारों के चलते जीवनसाथी से वाद–विवाद हो सकता है, लेकि आख़िर में सब ठीक हो जाएगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा– कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अपने शरीर को दुरुस्त करने के लिए आज भी आप कई बार सोचेंगे लेकिन बाकी दिनों की तरह भी आज यह प्लान धरा का धरा रह जाएगा। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अक्टूबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा उत्तर रात्रि 05:55 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 10:45 तक
योग : हर्षण रात्रि 01:32 तक
करण : तैतिल सायं 04:10 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक मास आरंभ , चातुर्मास व्रती को कार्तिक मास में उड़द दाल खाना वर्जित है, गण्डमूल रात्रि 10:45 तक, कार्तिक मासे दीप–दानम् , प्रतिपदा तिथि का क्षय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अमेरिकी नागरिक की शिकायत पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

साइबर फ्रॉड मामले में 3 करोड़ की संपत्ति जब्त

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। निदेशालय प्रवर्तन (ईडी) के चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने साइबर फ्रॉड मामले में 2.85 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) एक्ट 2002 के तहत की गई है। यह मामला विदेशियों को धोखा देने से संबंधित है, जिसमें मुख्य आरोपी विक्रमजीत सिंह और अन्य ने लगभग 11.50 करोड़ रुपए का फ्रॉड किया। ईडी ने यह जांच हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। शिकायत एक अमेरिकी नागरिक ने दर्ज कराई थी। जांच से पता चला है कि विक्रमजीत सिंह और आंचल मित्तल ने अन्य लोगों के साथ मिलकर एक धोखाधड़ी वाला कॉल सेंटर स्थापित किया था, जिसमें वे बैंक ऑफ अमेरिका के कर्मचारी बनकर काम करते थे। उन्होंने एक अमेरिकी नागरिक के कंप्यूटर तक अवैध पहुंच हासिल की और 11.54 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की। जांच में यह भी सामने आया कि धोखाधड़ी से प्राप्त रकम का उपयोग क्रिप्टोकरेंसी खरीदने में किया गया, जिसे बाद में बेचा गया और बैंक खातों के माध्यम से धोखा देने वालों के रिश्तेदारों और अन्य संस्थाओं के माध्यम से लॉन्ड्रिंग की गई। इसके अलावा, कुछ रकम का इस्तेमाल अचल संपत्ति खरीदने में भी किया गया।

ईडी ने यह भी पता लगाया कि मुख्य आरोपी विक्रमजीत सिंह ने अपराध से प्राप्त पैसे का उपयोग अपने परिवार के नाम पर अचल संपत्ति खरीदने, विभिन्न व्यक्तियों को ऋण देने और बिल्डरों को अग्रिम भुगतान करने में किया। इस जांच में दो अचल संपत्तियां जब्त की गईं, जो विक्रमजीत के माता–पिता, सरिता देवी और जसबीर सिंह के नाम पर थीं। इनकी कुल कीमत 1.26 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, एफडीआर और बैंक बैलेंस (1.58 करोड़ रुपए) जब्त किया गया।

ईडी ने पहले 29 जुलाई, 2025 को विक्रमजीत सिंह और उसके साथियों के निवास स्थान पर छापे मारे थे। इस दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए और संदेहियों के विभिन्न बैंक खातों में रखे 43.58 लाख रुपए फ्रीज किए गए। आगे की जांच जारी है।

सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से किया जाएगा सुसज्जित : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत अस्पतालों में दवाओं और इलाज में इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरत के अनुसार नई दवाएं और उपकरण खरीदे जा रहे हैं, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें बेहतर इलाज की सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि हाल ही में हुई स्पेशल हाई पॉवर्ड परचेज कमेटी की बैठक में लगभग 120 करोड़ रुपये की दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इससे राज्य के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार आएगा और मरीजों को उच्च गुणवत्ता की जांच व उपचार सुविधाएं मिलेंगी। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पीपीपी (पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर प्रदेश के 8 स्थानों पर एमआरआई मशीनें, 2 स्थानों पर सीटी स्कैन मशीनें, और 604 स्थानों पर ईसीजी जांच के लिए निर्धारित दरों को अंतिम रूप दिया गया है।

इसके साथ ही, हरियाणा के सभी नागरिक अस्पतालों के लिए लगभग 23 करोड़ रुपये की लागत से 67 एनेस्थीसिया वर्कस्टेशन खरीदे जाने के अनुबंध को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, ईएनटी रोगियों के लिए 22 नसल एंडोस्कोप लगभग 2 करोड़ रुपये में खरीदे जाएंगे। टीबी (क्षय रोग) मरीजों के परीक्षण के लिए 40 ट्रूनेट मशीनें करीब 6 करोड़ रुपये में ली जाएंगी। वहीं, 15 पैथोडिटेक्ट मशीनों की खरीद लगभग 13 करोड़ रुपये में करने के अनुबंध को भी अंतिम रूप दिया गया है।

आरती सिंह राव ने आगे बताया कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष कदम उठाए गए हैं। चिकित्सकों और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर लगभग 75 करोड़ रुपये की दवाओं की खरीद के लिए विभिन्न दवा कंपनियों से अनुबंध किया गया है।

हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरन कुमार ने की खुदकुशी, गोली मारकर दी जान

चंडीगढ़ , 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) वाई पूरन कुमार ने मंगलवार को कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। चंडीगढ़ सेक्टर–11 स्थित अपने आवास पर उन्होंने गोली मारकर जान दी। घटना के समय उनकी पत्नी अमनीत पी कुमार घर पर मौजूद नहीं थीं। वह हरियाणा कैडर की आईएएस अधिकारी हैं और इस वक्त प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ जापान दौरे पर हैं। वह वर्तमान में विदेश सहयोग विभाग की आयुक्त एवं सचिव के पद पर तैनात हैं। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर–11 में स्थित सरकारी आवास में वाई पूरण कुमार ने आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घर को सील कर दिया और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स को जांच के लिए बुलाया गया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि अधिकारी ने अपने लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मारी।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश की प्रतिष्ठा और विकास को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाया : बड़ौली

चंडीगढ़, 07अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने मंगलवार को सोनीपत के गोहाना और बरोदा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण विषयों को लेकर बैठक की। बैठक में बड़ौली ने सभी को पीएम मोदी की रैली के लिए ''चूल्हा न्योत'' न्योता दिया। इस मौके पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने का आह्वान भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के प्रेरणादायी 24 वर्ष पूरे होने पर बड़ौली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरियाणा भाजपा की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं भी दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज का दिन भारत के सार्वजनिक जीवन में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां भारती की सेवा में समर्पित आज 24 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। यह एक साधारण कार्यकर्ता से लेकर देश के सर्वोच्च जनप्रतिनिधि तक की यह यात्रा सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की अमिट छवि बन चुकी है। बड़ौली ने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल सिद्धांत बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से नए कीर्तिमान स्थापित किए, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की प्रतिष्ठा को अभूतपूर्व ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। बड़ौली ने कहा कि देश की सुरक्षा, गरीबों का सशक्तिकरण, युवाओं के लिए नए अवसर, महिलाओं को अधिकार और प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयास प्रधानमंत्री मोदी जी की कार्यशैली की पहचान बन चुके हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को लेकर पीएम मोदी जो दृष्टि लेकर आगे बढ़ रहे हैं, वह हम करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राष्ट्र के लिए अनवरत कर्म और समर्पण की भावना को और भी प्रबल करती है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 अक्टूबर को सोनीपत में बड़ी रैली को संबोधित करेंगे साथ ही प्रदेश को कई परियोजनाओं की सौगातें भी देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में हरियाणा का होगा अहम योगदान : सैनी

चंडीगढ़, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो–2025 में आज हरियाणा पवेलियन के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के समग्र विकास में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस समय जब देश संसार की बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है, तो हरियाणा इसमें अपना अधिकतम योगदान कर रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश के क्षेत्रफल का मात्र 1.34 प्रतिशत और जनसंख्या का 2.09 प्रतिशत है। लेकिन इसके बावजूद हमारा छोटा सा राज्य भारत के आर्थिक विकास का एक प्रमुख इंजन साबित हो रहा है। हरियाणा उद्योगों को लॉजिस्टिक सुविधा देने में देश में दूसरे तथा उत्तर भारत में पहले स्थान पर है। विश्व की 400 फॉर्च्यून कंपनियों के कार्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि आज देश की सड़कों पर दौड़ने वाली हर दूसरी कार हरियाणा में बनती है। देश के 52 प्रतिशत ट्रैक्टरों का निर्माण भी यहीं पर होता है। केन्द्रीय खाद्यान्न भण्डार में योगदान देने में हरियाणा का दूसरा स्थान है। ओलंपिक व अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हरियाणा सर्वाधिक पदक जीतने वाला राज्य है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा आशाओं और अवसरों की धरा है। इसकी गिनती देश के सम्पन्न राज्यों में होती है। यह ऑटोमोबाइल, आई.टी. और अन्य उद्योगों का बड़ा केंद्र है। यहां संचार सुविधाओं, विकसित औद्योगिक संपदाओं, चौड़े राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, रेल मार्गों व मैट्रो रेल का जाल बिछ चुका है। प्रदेश का हर जिला किसी न किसी राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा हुआ है। राज्य का हर गांव बिजली की रोशनी से जगमगा रहा है। पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त नहरें व अन्य साधन उपलब्ध हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी यहां आधुनिक शिक्षा के हर संकाय और विषय की शिक्षा देने के लिए अनेक विश्व स्तरीय शिक्षण संस्थान खुल चुके हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का एक इको–सिस्टम तैयार किया है। इससे उद्यमियों में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। सरकार स्टार्टअप और एमएसएमई को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का ही परिणाम है कि आज हरियाणा देश–विदेश के निवेशकों की पहली पसंद बन गया है।

डीजीपी ने अक्टूबर में राज्यव्यापी जागरूकता अभियान चलाने का दिया निर्देश

जयपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अब साइबर सुरक्षा के प्रति बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलेगा। पुलिस महानिदेशक कार्यालय, एससीआरबी एवं साइबर काईम, राजस्थान ने एक आधिकारिक परिपत्र जारी कर आगामी अक्टूबर माह को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाने का निर्देश दिया है। उपमा निरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि यह पहल भारतीय साइबर अपराध समन्वय केन्द्र (I4C) नई दिल्ली के निर्देशों के संदर्भ में की गई है, जिसका उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करना है।

इसके लिए समस्त पुलिस उपायुक्तों, जिला पुलिस अधीक्षकों और कमाण्डेन्ट को समुचित योजना बनाकर अभियान संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। राज्य स्तर पर पुलिस अधीक्षक साइबर अपराध राजस्थान और ज़िला स्तर पर प्रत्येक जिले से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को इस अभियान हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभियान की पहुंच को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक सुनिश्चित करने के लिए I4C ने कई विभागों को भी इस अभियान में भागीदार बनाया है।

सूरत में प्रवासी राजस्थानी मीट

भजनलाल शर्मा प्रवासी राजस्थानी समुदाय से निवेश सहित विभिन्न विषयों पर आज करेंगे चर्चा

जयपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 अक्टूबर (बुधवार) को सूरत में आयोजित होने वाली 'प्रवासी राजस्थानी मीट' में गुजरात में रह रहे प्रवासी राजस्थानी समुदाय से मुलाकात करेंगे। इस दौरान शर्मा प्रमुख उद्यमियों एवं औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों को राजस्थान में निवेश करने और राज्य के सामाजिक–आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए आमंत्रित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के सहयोग से आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन से प्रवासी राजस्थानियों और प्रमुख उद्योगपतियों के साथ राज्य के आपसी संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे। 'प्रवासी राजस्थानी मीट' के बाद, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल सूरत के फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल्स, सिरेमिक्स और पेट्रोकेमिकल्स सेक्टर्स के प्रतिनिधियों एवं उद्योगपतियों से मुलाकात करेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री सूरत में ही डायमंड बूअर्स का अवलोकन भी करेंगे। जयपुर में 10 दिसंबर को होने वाले 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' के मद्देनजर सूरत में यह कार्यक्रम किया जा रहा है। इस श्रृंखला का पहला कार्यक्रम दो हफ्ते पहले हैदराबाद में आयोजित किया गया था। 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' का उद्देश्य राजस्थान की विकास यात्रा में 'कनेक्ट, कोलेबोरेट एंड कॉन्ट्रिब्यूट' के सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और मजबूत करना है।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से वार्ता की

जयपुर, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव–2025 के लिए मतदान 11 नवम्बर को होगा, 21 अक्टूबर नामांकन की अंतिम तिथि है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 14 नवम्बर 2025 को मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मंगलवार को इस बारे में राज्य के विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सचिवालय में बैठक कर उन्हें अंता विधानसभा उपचुनाव–2025 के कार्यक्रम तथा आदर्श चुनाव आचार संहिता की जानकारी दी। निर्वाचन विभाग ने सभी दलों से स्वतंत्रए निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान तथा आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करवाने में सहयोग करने का आग्रह किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अंता उपचुनाव–2025 की घोषणा के साथ ही संबंधित राजस्व जिले में आचार संहिता लागू हो गयी है। उन्होंने बताया कि उपचुनाव की अधिसूचना 13 अक्टूबर 2025 को जारी होगी। इसके साथ ही नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। 21 अक्टूबर 2025 नामांकन पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 23 अक्टूबर को की जाएगी तथा 27 अक्टूबर 2025 तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे।

महाजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग के नियमानुसार चुनाव में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों को अपनी वेबसाइट, टीवी चैनल्स, राष्ट्रीय एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रत्याशी की आपराधिक पृष्ठभूमि का विवरण कम से कम तीन बार प्रकाशित, प्रसारित करवाना होगा। उन्होंने कहा कि पोलिंग एजेंट को यह निर्देश दिया जाए कि वे मतदान के दिन सुबह मतदान शुरू होने से 90 मिनट पूर्व ईवीएम मशीन पर मॉक पोल के लिए आवश्यक रूप से मौजूद रहें।

पूर्णिया की सभी सात सीटों पर 11 नवंबर को मतदान आचार संहिता लागू होते ही डीएम ने की सख्ती

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का बिगुल बज चुका है और इसी के साथ सीमांचल का हृदय कहे जाने वाले पूर्णिया जिले में चुनावी सरगर्मियां चरम पर हैं। निर्वाचन आयोग ने राज्य में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान की घोषणा की है। पूर्णिया जिले की सभी सात विधानसभा सीटों पर दूसरे चरण में, यानी 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे, जिसके परिणाम 14 नवंबर को घोषित होंगे। जिले के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी (डीएम) अंशुल कुमार ने समाहरणालय सभागार में प्रेस वार्ता के दौरान विस्तृत चुनावी कार्यक्रम की घोषणा करते हुए प्रशासनिक तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन की अधिसूचना 13 अक्तूबर को जारी होगी, जिसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

पूर्णिया जिला न केवल अपनी भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सीमांचल की राजनीति का केंद्र होने के कारण भी यहां का चुनाव राज्य के सियासी गणित को प्रभावित करता है। जिले में कुल 7

विधानसभा क्षेत्र हैं। अमौर, बायसी, कसबा, धमदाहा, बनमनखी, रूपौली और पूर्णिया, जहां इस बार कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने बताया कि जिले के सभी सातों विधानसभा के चुनाव दुसरे चरण में आयोजित होंगे। जिसकी अधिसूचना 13 अक्तूबर को निर्गत की जाएगी। नामांकन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर तक निर्धारित की गई है और नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी एवं नाम वापसी की तिथि क्रमशः 21 अक्तूबर व 23 अक्तूबर तक होगी। डीएम ने बताया कि जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में 11 नवंबर को मतदान कराया जाएगा तथा मतगणना की तिथि 14 नवंबर को निर्धारित की गई है।

डीएम अंशुल कुमार ने बताया कि जिले में कुल 2553 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस चुनाव में 20,85,087 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें पुरुषों की संख्या 10,99,912 है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 9,85,103 है। प्रशासन का विशेष जोर 19,746 झुऊ (दिव्यांग) मतदाताओं और 8568 वरिष्ठ (85+) मतदाताओं के लिए सुगम मतदान सुनिश्चित करने पर है।

उन्होंने कहा कि चुनाव की घोषणा होते ही संपूर्ण जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। साथ ही इछड की धारा 163 (धारा 144)लागू हो गई है। डीएम ने स्पष्ट किया कि यह संहिता किसी नए कानून का निर्माण नहीं है, बल्कि पूर्व से बने कानूनों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराने की प्रक्रिया है, जो सभी राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों, सरकारी कर्मियों और आम आदमी पर समान रूप से लागू होती है।

डीएम ने सभी राजनीतिक दलों के बैनर, पोस्टर और होर्डिंग हटाने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई है। जिसमें सरकारी सम्पत्ति और कार्यालय से: 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। सार्वजनिक स्थानों/संपत्ति से 48 घंटे के भीतर और निजी भवन परिसर से: 72 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अगर सरकारी फार्म से बैनर और पोस्ट हटाया जाएगा तो जिसका हटाने का शुल्क पार्टी की उम्मीदवारों से जोड़ कर लिया जाएगा। निर्वाची पदाधिकारी के चैंबर के 100 मीटर की परिधि में केवल तीन वाहन और चैंबर के अंदर नामांकन के लिए अधिकतम पांच व्यक्ति ही जा सकते हैं।

लाउडस्पीकर का उपयोग केवल सुबह 06:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक ही किया जा सकता है, जिसके लिए अनुमंडल पदाधिकारी से अनुमति अनिवार्य होगी। जुलूस निकालते समय गाड़ियों के क्रम को 10-10 के अंतराल पर गुजारना होगा। चुनाव प्रचार के लिए धार्मिक स्थलों (मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, अस्पताल) का उपयोग सख्त वर्जित है। इसके अलावा, जाति, धर्म या भाषा के नाम पर तनाव पैदा करना, वोट के लिए डराना, चमकाना या रिश्वत देना कानूनी अपराध है। मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व प्रचार करना और राजनीतिक बैठक करना भी पूरी तरह निषेध है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार विधानसभा से पहले गयाजी में फैली सनसनी

जन सुराज नेता पर हुआ जानलेवा हमला

गयाजी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा 2025 चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से चुनावी हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इसी क्रम में गयाजी के जन सुराज नेता और नगर निगम पार्षद गजेंद्र सिंह पर बाइक सवार अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। घटना में अपराधियों ने स्कॉर्पियो वाहन पर गोली चलाई, जिसमें एक गोली वाहन को लगी और दो गोलियां चूक गईं। हालांकि, नेता बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, गजेंद्र सिंह सोमवार की देर रात गयाजी शहर के चंदौती थाना क्षेत्र से अपने वाहन से लौट रहे थे। वे उस दौरान एक परिचित से मिलने गए थे। इसके बाद वह अपने आवास एपी कॉलोनी लौट रहे थे। चंदौती रोड में, एलआईसी कार्यालय के पास, बाइक सवार अपराधियों ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी के दौरान गजेंद्र सिंह ने वाहन को तेज रफ्तार में भगाया और रामपुर थाना पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी।

रामपुर थाना की पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष दिनेश बहादुर सिंह ने बताया कि वारदात ऐसी जगह पर हुई है, जहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा हुआ था। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। गजेंद्र सिंह वर्तमान में गयाजी नगर निगम के वार्ड पार्षद हैं।

बिहार में इंसाफ नहीं, जुल्म की सरकार चल रही है, महुआ में गरजे ओवैसी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने वैशाली जिले के महुआ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में बिहार की सियासी पार्टियों पर तीखा हमला किया और राज्य में दलित-पिछड़ों के साथ होने वाले कथित अन्याय पर चिंता जताई।

ओवैसी ने कहा कि बिहार में दलितों और वंचितों से इंसाफ छीना नहीं जा सकता और राज्य में चल रहे आरएसएस एजेंडा को विफल किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तेजस्वी यादव ओवैसी को रोकना चाहते हैं या बीजेपी को सफल बनाना चाहते हैं यह निर्णय महुआ विधानसभा क्षेत्र की जनता को खुद लेना होगा।

जनसभा में उन्होंने महुआ थाने से जुड़े एक विवादस्पद मामले का भी ज़िक्र किया। ओवैसी ने कहा कि 5 सितंबर को थाने में बंद एक कैदी (पहचान: नाजिर/नासिर साह) को राजापाकर थाने की पुलिस ने कथित रूप से बेवजह उठाकर ले जाया और मारपीट की गई। उनके अनुसार कैदी तीन दिन बाद शव के रूप में वापस आया। ओवैसी ने इस घटना को बिहार में शासकीय दोहरे मानकों का उदाहरण बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया की मांग की।

उन्होंने कहा कि यदि मृतक का नाम नाजिर/नासिर साह था तो भी उसे न्याय और सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, लेकिन सरकार और प्रशासन की नाकामी प्रतिक्रिया इस बात का सबूत है कि सिस्टम कमजोर है। ओवैसी ने पूछा कि पुलिस ने कैसे किसी व्यक्ति को तीन दिन तक थाने में रखकर उसका जीवन प्रभावित होने दिया और इसे किसने सही ठहराया।

ओवैसी ने मुख्यमंत्री और डीजीपी से इस मामले पर त्वरित कार्रवाई की मांग भी की। उन्होंने कहा कि कम से कम एसडीएम के नेतृत्व में एक स्वतंत्र जांच टीम गठित करके जिम्मेदारों की पहचान कर तत्काल सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि यहाँ न्याय नहीं मिलता तो जनता को अपने वोट के जरिए अपनी आवाज़ उठानी पड़ेगी।

सभा में ओवैसी ने जनता से अपील की कि वे पुलिस-प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व से जवाबदेही मांगें और अपने अधिकारों के लिए संगठित रहें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर अधिकारी न्याय नहीं कर सकेंगे तो अल्लाह ही न्याय देगा फिर भी कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई आवश्यक है।

नेपाल में भारी बारिश से उफान पर कोसी सहरसा में भीषण बाढ़...सात पंचायत जलमग्न

सहरसा (एजेंसियां)। नेपाल के तराई क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही अत्यधिक बारिश के कारण बराह क्षेत्र में भारी मात्रा में पानी जमा हो गया है। इसके चलते कोसी बराज से जल निकासी की मात्रा लगातार बढ़ती चली गई। पांच अक्तूबर को अधिकतम 5 लाख 10 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद तटबंधों के बीच बह रही कोसी नदी उफान पर आ गई और इस बीच बेस गांवों में भीषण बाढ़ आ गई।

सहरसा जिले के नवहट्टा प्रखंड की सात पंचायतें तटबंध के अंदर बसी हुई हैं। इन पंचायतों के सभी गांव इस समय भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। प्रशासन का दावा है कि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए लगातार अपील की जा रही है और पर्याप्त संख्या में नावों की व्यवस्था की गई है। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि जमीनी स्तर पर कोई व्यवस्था नहीं दिख रही है और गांवों में त्राहिमाम की स्थिति बनी हुई है।

तटबंध के बीच बसा केदली गांव पूरी तरह बाढ़ग्रस्त हो चुका है। गांव के हर घर में तीन से चार फीट तक पानी भर गया है। सभी सड़कों पर पानी चढ़ जाने से गांव और टोले-मुहल्ले का संपर्क कट गया है। घरों में रखा अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामान पानी में डूबकर बर्बाद हो चुके हैं। लोगों को बाहर निकलने की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही।

गांव की चम्पा देवी बताती हैं कि कोसी में पानी बढ़ने से गांव की स्थिति बहुत खराब हो गई है। घर में रखा कोई सामान नहीं बचा। तीन दिन से जैसे-तैसे खाकर गुजारा कर रहे हैं। सरकार या प्रशासन की ओर से कोई मदद नहीं मिली है। इसी गांव के राजकुमार ने कहा कि बच्चों के साथ तटबंध पर रह रहे हैं। तीन दिनों से बहुत परेशानी में हैं। तटबंध पर जैसे-तैसे पेट भर रहे हैं। अभी तक किसी भी तरह की सहायता नहीं मिली है।

सुदामा ने कहा कि अनाज, कपड़ा सब बर्बाद हो गया। बहुत परेशानी में हैं, अब तक कहीं से कोई मदद नहीं मिली। गांव के ही मो. उमर फारूक ने बताया कि न तो बाहर निकलने के लिए नाव की व्यवस्था है और न ही भोजन के लिए कहीं कोई कम्युनिटी किचन। प्रशासन को तुरंत नाव, सामुदायिक रसोई और मेडिकल की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। इसी तरह राजन कुमार ने कहा कि तटबंध के अंदर डुमरा से गोरपार जाने वाली मुख्य सड़क पूरी तरह डूब गई है। घरों में मवेशी फंसे हुए हैं। अनाज सहित सभी सामान डूब चुके हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों को तटबंध पर तो पहुंचा दिया है, लेकिन न तो बांस मिला है और न ही प्लास्टिक, जिससे तात्कालिक झोपड़ी खड़ी की जा सके।

इंडिया गठबंधन में सीएम फेस पर कोई संशय नहीं, सब मिलकर तय करेंगे : डी. राजा

पटना (एजेंसियां)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के महासचिव डी. राजा बिहार दौरे पर पहुंचे हैं। वह तेजस्वी यादव के नेतृत्व में आयोजित इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होंगे। इससे पहले में उन्होंने सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर डी. राजा ने कहा कि यह जल्द ही सुलझ जाएगा और हम आने वाले चुनाव में उचित संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट है। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। आगामी विधानसभा चुनवा इंडिया गठबंधन ही जीतेगा। इंडिया गठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई संशय नहीं है। हमलोग सब मिलकर सीएम फेस पर भी बात कर लेंगे। कहीं कोई समस्या नहीं है।

वहीं विधानसभा चुनाव की घोषणा पर सीपीआई के महासचिव डी. राजा ने कहा कि चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। लेकिन राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सवाल उठे थे। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही आधार और अन्य दस्तावेजों के ज़रिए मतदाता पंजीकरण की अनुमति दी गई। यह चुनाव आयोग की संवैधानिक ज़िम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि कोई पात्र मतदाता छूट न जाए।

डी. राजा ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया से कई समस्याएं खड़ी हुई, जिन्हें हमने (पार्टी ने) उठाया। आखिरकार, सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की गई, जिसमें कुल मतदाताओं की संख्या घटकर 7.42 करोड़ रह गई, जबकि डखड से पहले यह संख्या 7.89 करोड़ थी। हालांकि, यह आंकड़ा 1 अगस्त को जारी ड्राफ्ट सूची (7.24 करोड़) से अधिक है, जिसमें मृतकों, प्रवासियों और डुप्लीकेट नामों के आधार पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए थे।

एसआईआर में कितने घुसपैठियों का पता चला', इंडिया गठबंधन ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से पूछा सवाल

पटना (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की घोषणा के बाद सियासी घमासान जारी है। आज यानी मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अपने कार्यालय में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने कुछ मुद्दों को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। राजद के मुख्य प्रवक्ता चितरंजन गगन की ओर से इस बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि सीईओ बिहार के साथ बैठक में पिछले कुछ दिनों में हुए बिहार के मुख्य निर्वाचन

पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के साथ राजनीतिक दलों की आज हुई बैठक में राष्ट्रीय जनता दल ने राज्य सरकार द्वारा पिछले दिनों हुए प्रशासनिक अधिकारियों के स्थानांतरण का मुद्दा उठाते हुए इस सम्बन्ध में एक ज्ञापन सौंपा। इस पर अविलम्ब कार्रवाई करने की मांग की गई। चितरंजन गगन ने कहा कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंप गए ज्ञापन में कहा गया है कि राजनीतिक दबाव की वजह से कुछ ऐसे पदाधिकारियों का भी स्थानांतरण कर दिया गया है जिनका पदस्थापन मात्र 45 दिन पहले हीं हुआ था और जिनका सीधा संबंध विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया से है।इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के प्रतिनिधियों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से जानना चाहा कि एसआईआर के अंतिम मतदाता सूची में अबतक कितने विदेशी घुसपैठिए का पता चला है और यदि एसआईआर में एक भी विदेशी घुसपैठिया का पता नहीं चला है तो जो नेता अपने भाषण में बार-बार घुसपैठिए की बात करते हैं तो उनके और उनके दल के खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। साथ हीं किसी के खिलाफ व्यक्तिगत आक्षेप और अमर्यादित टिप्पणियों पर भी सख्ती बरतने की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com